दैनिक जलतेदीप

हम ज्यादातर इसलिए असफल होते हैं कि कामयाबी का क्षण आने से पहले ही पीछे हट जाते हैं।

संस्थापकः स्व. श्री माणक मेहता | जोधपुर एवं जयपुर से एक साथ प्रकाशित | वर्ष 51 अंक 93 | जोधपुर, रविवार 5 जनवरी 2020 | मूल्यः ₹ 3.00 | पृष्ठः 12 | ईमेलः jaltedeep@gmail.com

सरसरी नजर

आय से अधिक मामले में जगनमोहन रेड्डी को नोटिस

एजेंसी, हैदराबाद। सीबीआई की एक विशेष अदालत ने आय से अधिक सम्पत्ति के मामले में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगनमोहन रेड्डी को 10 जनवरी

को अदालत के समक्ष पेश होने का आदेश दिया है। रेड्डी ने उन्हें निजी पेशी से छूट दिए जाने का अनुरोध करने संबंधी याचिका दायर की थी जिसकी सुनवाई के दौरान अदालत ने यह आदेश दिया। रेड्डी जब से मुख्यमंत्री बने हैं, वह मुख्यमंत्री के तौर पर अपने व्यस्त कार्यक्रम का हवाला देकर सुनवाई के दौरान पेश नहीं हुए हैं। अदालत ने इससे पहले भी उनकी इसी तरह की याचिका खारिज कर दी थी। रेड्डी को यहां मई 2012 में गिरफ्तारी के बाद सितंबर 2013 में चंचलगुडा जेल से जमानत पर रिहा किया गया था।

महाराष्ट्र में शिवसेना के अब्दुल सत्तार का मंत्रीपद से इस्तीफा

मुंबई(ए)। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे सरकार में राज्यमंत्री अब्दुल सत्तार ने विभागों के बटवारें से पहले ही इस्तीफा दे दिया है। वे शिवसेना कोटे से मंत्रिमंडल में शामिल हुए थे। सूत्रों के अनुसार, उनका इस्तीफा अभी मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को नहीं मिला है। उल्लेखनीय है कि शिवसेना के कई वरिष्ठ नेता सत्तार के मंत्री बनाए जाने से नाखुश थे। अब्दुल सत्तार ने अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री को न भेजकर पार्टी के एक वरिष्ठ नेता को भेजा है। जिसके बाद शिवसेना के कई अन्य नेताओं ने उन्हें अपने फैसले पर पुनर्विचार करने क लिए कहा है। हालांकि सूत्रों के अनुसार, सत्तार अपने फैसले पर कायम हैं।

मुजफ्फरनगर के बाद मेरठ में पीड़ितों से मिलीं प्रियंका, बोलीं- जहां अन्याय होगा वहां हम खड़े होंगे

मेरठ(ए)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी मुजफ्फरनगर के बाद मेरठ में परतापुर स्थित साई कॉलोनी में भूड़बराल आवास पर पहुंचीं। प्रियंका गांधी ने उपद्रव में मारे गए सभी मृतकों के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान पीड़ित परिजनों ने प्रियंका से कहा कि हमें परेशान किया जा रहा है। इस पर प्रियंका ने कहा कि मैं हमेशा आपके साथ हूं। उन्होंने परिवार को हर सम्भव मदद दिलाने का आश्वाशन दिया। करीब 30 मिनट तक परिवारों से मिलने के बाद

भारी धक्कामुक्की के बीच प्रियंका दिल्ली के लिए रवाना हो गईं। वही, इमरान मसूद ने कहा कि प्रशासन का रवैया ठीक नही है। हमें बार-बार मिलने से रोका जा रहा है। मोहम्मद सलाउद्दीन ने प्रियंका गांधी से न्याय दिलाने के लिए कहा। इस दौरान प्रियंका मृतक अलीम के भाई से भी मिलीं। बताया गया कि दो दिन पहले पुलिस कथित रूप से अलीम के (जो मेरठ में विरोध प्रदर्शन के दौरान मारे गए) के घर गई थी और उसके भाई को धमकी दी थी कि वह अपने भाई की मौत के लिए न लड़ें। वहीं एक पीड़ित युवक ने बताया कि प्रियंका गांधी ने इंसाफ दिलाने की बात कही।

फटकारो...

केन्द्र सरकार को अर्थ व्यवस्था की समझ नहीं: मुख्यमंत्री

जोधपुर (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि केंद्र सरकार को अर्थव्यवस्था की समझ नहीं है। नित नई नीतियों से पूरे देश में महंगाई बढ़ रही है। यह बात उन्होंने शनिवार को डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज आडिटोरियम में आयोजित नेशनल टैक्स कॉन्फ्रेंस-2020 के दौरान कही। कार्यक्रम में उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में किसी सरकार के लिए केवल बहुमत ही सब कुछ नहीं होता है। इसमें आवाम भी होती है जिसका ध्यान रखा जाना चाहिए। देश की अर्थव्यवस्था की समस्या को लेकर वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को घेरते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि खुद उनके पति कह रहे हैं कि सरकार को अर्थव्यवस्था की समझ ही नहीं है। देश में आज हालात खराब होते जा रहे हैं। देश के विकास के लिए अर्थव्यवस्था का मजबूत होना जरूरी है। देश के प्रतिनिधियों को सीएए व एनआरसी पर ध्यान देने के बाजए मुख्य मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। अमित शाह यहां जन जागरण के लिए आए वह भी क्या बताने? जबकि देश मे महंगाई बढ़ रही है, पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ रहे हैं, प्याज के भाव बढ़ रहे है।

उन्होंने कहा कि मंदी का दौर आता-जाता रहता है, लेकिन बेहतर आर्थिक नीतियों एवं कुशल कर प्रबंधन से उसका प्रभाव कम किया जा सकता है। अर्थव्यवस्था उद्योगों एवं व्यापारियों के साथ देश की स्थिति को भी दर्शाती है। आशा है चार्टर्ड एकाउंटेट एवं टैक्स विशेषज्ञ समन्वित रूप से अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर उपस्थित विशेषज्ञों से सुझाव भी आमंत्रित किए ताकि राज्य सरकार के अगले बजट में इनका व्यावहारिक उपयोग किया जा सके। इससे पहले मुख्यमंत्री एवं अन्य अतिथियों ने टैक्स कॉन्फ्रेंस से संबंधित स्मारिका का विमोचन भी किया। समारोह में उच्च शिक्षा राज्यमंत्री भंवर सिंह भाटी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री भंवरलाल मेघवाल, विधायक मनीषा पंवार, पूर्व सांसद बद्रीराम जाखड़, पूर्व विधायक कैलाश भंसाली एवं जेडीए के पूर्व चेयरमेन राजेन्द्र सोलंकी तथा देशभर से आए टैक्स कंसल्टेन्ट एवं टैक्स विशेषज्ञ उपस्थित थे।

गहलोत को स्मृति चिन्ह प्रदान करते कर विशेषज्ञ। जलतेदीप

यशवंत सिन्हा निकालेंगे सीएए के खिलाफ 'भारत जोड़ो यात्रा'

एजेंसी, रांची/मुंबई। पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा ने शनिवार को घोषणा की कि उनका राजनीतिक कार्य समूह 'राष्ट्र मंच' संशोधित नागरिकता कानून वापस लेने की मांग करते हुए मुंबई से दिल्ली तक 'भारत जोड़ो यात्रा 2020' निकालेगा। भाजपा के पूर्व नेता ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 21 दिवसीय यात्रा नौ जनवरी को शुरू होगी और 30 जनवरी को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के दिन दिल्ली में राजघाट पहुंचेगी। संवाददाता सम्मेलन में अभिनेता एवं कांग्रेस नेता शत्रुघ्न सिन्हा और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री सुरेश मेहता भी मौजूद थे। यशवंत सिन्हा ने कहा, 'मैं सभी से अनुरोध कर रहा हूं कि भारत सरकार द्वारा की गयी ज्यादती और असंवैधानिक कदमों के खिलाफ विरोध करें। उन्होंने कहा कि यात्रा छह राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली से होकर गुजरेगी और 3,000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेगी. उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल, सामाजिक कार्यकर्ता, पेशेवर व्यक्ति, संगठन और बुद्धिजीवी आदि इस यात्रा में शामिल होंगे।

भ्रम फैलाना बीजेपी नेताओं की फितरतः गहलोत

गहलोत ने किया शाह के बयानों पर पलटवार

जोधपुर(कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने जोधपुर दौरे के दूसरे दिन अमित शाह के भाषण पर पलटवार करते हुए भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को भ्रम फैलाने की फितरत वाला नेता बताया। उन्होंने कहा कि अमित शाह उनके गृह नगर में आए, उनको खुशी इस बात की होती की मंच से जो विस्थापित लोग अपनी पूरी पात्रता रखते हैं उनके लिए नागरिकता की घोषणा करके जाते तो बात समझ में आती लेकिन भाजपा जानबूझकर असली मुद्दों से आम जनता को भटका रही है। जोधपुर में बड़ी संख्या में विस्थापित लोग रहते हैं। दस हजार के आसपास ऐसे पाक विस्थापित हैं जो कि नागरिकता की पात्रता की की शर्तों को पूर्ण कर रहे हैं, इसके बावजूद शाह ने उनके बारे में एक शब्द नहीं कहा। भाजपा की रैली पर तंज कसते हुए कहा कि पचास हजार लोगों के आने का दावा किया गया था, लेकिन हकीकत जब सबके सामने आ गई तो कोई भाजपा नेता इस पर नहीं बोल रहा है। भ्रम फैलाना बीजेपी के नेताओं की फितरत बन चुका है। अमित शाह पर निशाना साधते हुए गहलोत ने कहा कि पश्चिम राजस्थान में टिड्डियों का हमला हुआ है। इससे पश्चिमी राजस्थान के सरहदी जिले बुरी तरह प्रभावित है। इस संबंध में मदद के लिए केंद्र सरकार को राज्य सरकार की ओर से ज्ञापन भेजा जा चुका है। एनडीआरएफ देश के गृह मंत्री के कार्य क्षेत्र में आता है, बावजूद इसके उन्होंने पश्चिमी क्षेत्र के दौरे पर आने के बाद इस मुद्दे पर एक शब्द भी अपने मुंह से नहीं निकाला। यह केंद्र सरकार की आम जनता के प्रति गंभीरता को दर्शाता है। झूठे दावे करने वाली भाजपा की संवेदनशीलता को उजागर करता है।

अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की चिंता करें केंद्र- गहलोत ने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए आर्थिक संकट का जिक्र किया और कहा की केंद्र सरकार को अर्थव्यवस्था की कतई चिंता नहीं है। अलग-अलग बयानों से देश की आर्थिक स्थिति उजागर हो रही है। ऐसे में परकैपिटल इनकम बढ़ाने की जरूरत है। जिससे की देश आर्थिक संकट से उबर सकें। उन्होंने मनमोहन सिंह की नीतियों का जिक्र करते हुए उनके अनुसरण की बात कही। उन्होंने वित्त से जुड़े अरविंद सुब्रमण्यम का भी उल्लेख किया, जिसमें कि उन्होंने देश के आर्थिक संकट से गुजरने का जिक्र किया था। इसके अलावा गहलोत ने कहा की यदि ऐसी ही स्थिति रही तो देश पर भयंकर आर्थिक संकट आने वाला है।

ननकाना साहिब हमले पर बोले राहुल गांधी

कट्टरता एक पुराना जहर है, जिसकी कोई सीमा नहीं

■ एजेंसी, नई दिल्ली

पाकिस्तान में गुरु नानक की जन्मस्थली ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर सैकड़ों लोगों द्वारा हमला करने के एक दिन बाद, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने इसकी निंदा करते हुए कहा कि कट्टरता खतरनाक है और प्रेम ही इसका एकमात्र प्रतिकार है। राहुल गांधी ने ट्विटर पर लिखा, ननकाना साहिब पर हमला निंदनीय है और इसकी स्पष्ट रूप से निंदा की जानी चाहिए। कट्टरता एक खतरनाक, पुराना जहर है, जो कोई सीमा नहीं जानता है। प्यार, आपसी सम्मान, समझ इसका एकमात्र ज्ञात प्रतिकार है। उनकी टिप्पणी गुरुद्वारे पर एक मुस्लिम भीड़ द्वारा हमला किए जाने के एक दिन बाद आई है। हमले में सिख श्रद्धालु गुरुद्वारे के अंदर फंस गए थे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखा कि अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ सांप्रदायिक और घृणित नारे लगाए गए हैं और धर्मस्थल पर पथराव किया गया है।

भाजपा ने साधा कांग्रेस पर निशाना

भारतीय जनता पार्टी ने इस घटना को लेकर कांग्रेस पर सवाल उठा दिए हैं। बीजेपी सांसद मीनाक्षी लेखी ने इस घटना को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला है। मीनाक्षी लेखी ने कहा है कि इस मामले पर मैंने अभी तक कांग्रेस की तरफ से कुछ भी नहीं सुना है।

केन्द्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण आज जयपुर में

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

नागरिकता संशोधन कानून के पक्ष में जनजागरण के लिए भाजपा की ओर से 5 जनवरी से देश भर में शुरू किए जा रहे जनजागरण अभियान की जयपुर में केन्द्रीय वित्त मंत्री

निर्मला सीतारमण भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि रविवार को केन्द्रीय वित्त मंत्री प्रातः 11.50 बजे जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेगी।

दोपहर 12.15 बजे जयपुर शहर में सांगानेर मंडल के बूथ संख्या 189-190 पर जन-जागरण अभियान का शुभारंभ करेंगी। उसके बाद दोपहर 1 बजे बूथ बैठक लेंगी।

बूंदी अस्पताल में महीने भर में 10 बच्चों की मौत, प्रशासन पर मामला छिपाने का आरोप

■ जलतेदीप विसं, जयपुर

राज्य के हाड़ौती क्षेत्र में बच्चों की हो रही मौत से प्रदेश की राजनीति में भूचाल आ गया है। अभी बच्चों की मौत की खबर केवल कोटा से ही आ रही थी लेकिन शनिवार को बूंदी से 10 बच्चों की मौत की खबर ने मामले को गर्मा दिया गया हैं। वही राज्य के उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट द्वारा जारी किए गये बयान के बाद सियासत में तेजी आ गई है। पायलट ने राज्य सरकार की इस मामले में जबावदेही तय करने की बात कही है। वहीं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने सरकार के द्वारा उठाए गए कड़े कदमों की जानकारी दी।

बीते एक महीने के दौरान बूंदी के अस्पताल में 10 बच्चों की मौत की पुष्टि हुई है। आरोप है कि अस्पताल प्रशासन बच्चों की मौत को दबाने में जुटा हुआ था। शिशुओं की मौत की संख्या का खुलासा तब हुआ जब अपर जिला कलेक्टर ने अस्पताल का दौरा किया।

अस्पताल प्रशासन ने इस पर सफाई देते हुए कहा कि बच्चों की मौतें विभिन्न वजहों से हुई है। इसके पीछे उनकी गैर-जिम्मेदारी कारण नहीं है। अस्पताल में ड्यूटी इंचार्ज हितेश सोनी ने कहा कि दिसंबर माह के दौरान विभिन्न बीमारियों के कारण 10 शिशुओं की जान चली गई थी। उनमें से कुछ तब आए थे जब उन्हें अन्य स्थानों से यहां रेफर किया गया था। कुछ शिशुओं का वजन कम था, जबकि कुछ को सांस लेने की समस्या थी और कुछ ने दूषित पानी का सेवन किया था। वो पहले से ही गंभीर हालत में थे, इसीलिए ये मौतें हुई।

इस बीच, अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने घटना की रिपोर्ट ली और अस्पताल प्रशासन को साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

कोटा के जेके लॉन अस्पताल में 1 और बच्चे ने तोड़ा दम, गलत ब्लड देने से मां की भी मौत

■ जलतेदीप नसं, कोटा

कोटा शहर के जेके लॉन अस्पताल में शनिवार को एक और बच्चे की मौत हो गई। इससे यहां शिशुओं की मौत का आंकड़ा बढ़कर 107 हो गया है। शनिवार को एक और बच्चे की मौत से अस्पताल में हड़कंप मच गया।

सात माह का ये मासूम बीते दो जनवरी को बारां से रेफर होकर यहां आया था। वहीं अस्पताल में ही भर्ती बच्चे की मां की भी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि मांगरोल निवासी ज्योति को बारां अस्पताल में गलत ब्लड (खून) चढ़ाया गया था।

स्थिति की समीक्षा करने केंद्रीय स्वास्थ्य टीम पहुंची : जेके लोन अस्पताल में दिसंबर महीने से अब तक 107 मासूमों की मौत हो चुकी है। बच्चों की लगातार हो रही मौत की जांच करने के लिए शनिवार को केंद्र से उच्च स्तरीय टीम अस्पताल पहुंची है। ये टीम अस्पताल का दौरा कर रही है. वहीं राज्य के उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने भी शनिवार सुबह साढ़े 11 बजे जेके लोन अस्पताल का दौरा किया।

शनिवार सुबह लोकसभा अध्यक्ष और कोटा से भाजपा सांसद ओम बिरला अस्पताल में मौत के शिकार हुए बच्चों के घर पहुंचे। वो कोटा के अनंतपुरा स्थित सुभाष विहार में मृतक बच्ची के परिजनों से मिले।

पीड़ित रुखसार बानो ने बीते 16 दिसंबर को एक बच्ची को जन्म दिया था। रुखसार बानो ने अस्पताल प्रशासन पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इलाज में बरती गई लापरवाही की वजह से 29 दिसंबर को उनकी नवजात बच्ची ने दम तोड़ दिया।

इससे पहले शुक्रवार को राज्य सरकार के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा और प्रभारी मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने अस्पताल का दौरा किया था।

पायलट ने गहलोत पर साधा निशाना, कहा- जवाबदेही तय करनी होगी

राजस्थान में बच्चों की मौत पर मचे बवाल के बाद शनिवार को डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने जेके लोन अस्पताल का दौरा किया उन्होंने कहा

कि सरकार आंकड़ों में फंसाकर जिम्मेदारी से बच नहीं सकती, जवाबदेही तय करनी होगी। उन्होंने इस मसले पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के दिए बयान पर कहा कि सरकार को ऐसे मामलों में और अधिक संवेदनशील होना होगा। पायलट ने कहा कि तेरह महीने से सरकार में होने के बाद बच्चों की मौत के लिए पुरानी सरकार के रवैये को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं। इससे पहले शनिवार को कोटा पहुंचने पर उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। वो सबसे पहले शहर के छतरपुरा इलाके में पहुंचे। पायलट ने इस दौरान बच्चों की मौत पर दुख जताते हुए पीड़ितों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

दोषियों को मिलेगी सजा : डॉ रघु शर्मा

चिकित्सा मंत्री डॉ रघु शर्मा ने कहा है कि एक भी बच्चे की मौत आहत करने वाली होती है, इसलिए विपक्ष को कोटा में बच्चों की मौत पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। रघु शर्मा ने कहा कि कोटा दुखांतिका मामले में प्रशासनिक गड़बड़ी रही है और दोषियों को सजा मिलेगी। चिकित्सा मंत्री डॉ रघु शर्मा ने खास बातचीत में कहा कि यूपी वाले नेताओं को अपने राज्य पर ध्यान देना चाहिए। राजस्थान सरकार पूरे मामले को लेकर गंभीर है। अस्पताल में कॉर्पेट बिछाने पर मंत्री रघु शर्मा नाराज नजर आए। उन्होंने कहा कि ऐसा करने वाले को सजा मिलेगी। हम गरीब घर से आए हैं, कॉर्पेट संस्कृति से नहीं। इसके अलावा रघु शर्मा ने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार को घेरते हुए कहा कि पूर्व सरकार ने अस्पताल की सुध नहीं ली थी। इस दौरान उन्होंने पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ के बयान का भी जिक्र किया।

दिल्ली में आतंकी हमले की साजिश का जिम्मेदार था कासिम सुलेमानीः ट्रंप

वाशिंगटन/एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट ओ ब्रायन ने कहा है कि ईरान के शक्तिशाली रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर जनरल कासिम सुलेमानी को मारने का राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का निर्णय रक्षात्मक था और इसे भविष्य में रक्तपात रोकने के लिए लिया गया था। ओ ब्रायन ने आरोप लगाया कि पश्चिम एशिया के देशों में यात्रा कर रहा सुलेमानी दमिश्क से इराक आया था, जहां वह अमेरिकी जवानों और राजनयिकों पर हमले का षड्यंत्र रच रहा था। ओब्रायन ने जनरल के मारे जाने पर टिप्पणी करते हुए कहा, यह और रक्तपात रोकने के लिए की गयी रक्षात्मक कार्रवाई थी। ट्रम्प ने बयान दिया था कि यह कार्रवाई युद्ध शुरू करने के लिए नहीं, बल्कि युद्ध रोकने के लिए की गई थी। सुलेमान ने निर्दोष लोगों की हत्या को अपना बीमार जुनून बना लिया था।

भारतीय पुलिस के खिलाफ ट्वीट कर फिर फंसे इमरान खान, लोगों ने उड़ाई खिल्ली

■ एजेंसी, नई दिल्ली

फर्जी वीडियो को यूपी का बताकर ट्वीट करने वाले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक बार फिर ऐसा ही कुछ किया है। इमरान

खान ने एक भारतीय न्यूज वेबसाइट की खबर पोस्ट की जिसमें जलते हुए वाहन दिखाई पड़ रहे थे और भारतीय सुरक्षा बल सीएए पर हिंसा के बीच पहरेदारी कर रहे थे। इसके कैप्शन में उन्होंने ट्विटर पर लिखा भारतीय पुलिस की क्रूरता नए मुकाम तक पहुंच गई है क्योंकि भारत में मुसलमानों के प्रति फासीवादी मोदी सरकार के जातीय सफाई एजेंडे के हिस्से के रूप में जारी है। जबकि साथ में दी गई खबर थी कि - 6 साल पहले मरे हुए आदमी और 93-वर्षीय वृद्ध को यूपी पुलिस ने उन लोगों की सूची में शामिल किया है, जो सीएए की हलचल के बीच शांति में बाधा डाल सकते थे। इसपर लोगों ने इमरान को एक बार फिर ट्रोल करना शुरू कर दिया।

लोगों ने कहा कि आपको खबर की एक लाइन भी समझ नहीं आती क्या इमरान? किसी और ने लिखा कि- इमरान अपने काम से काम रखें, दिल्ली और कश्मीर के मामले में अपनी नाक न घुसाएं।

वहीं मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट किया- पाकिस्तान के पीएम भारत में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार की अफवाह फैला रहे हैं, जबकि कल, दुनिया ने उनके ही देश में अल्पसंख्यकों की हालत देखी। मैं अंतरराष्ट्रीय समुदाय और मानवाधिकारों का आग्रह करता हूं। संगठन बिगड़ती हालत पर ध्यान दें।

ननकाना साहिब हमले का मामला

भारत ने गुरुद्वारे पर पथराव करने की कड़ी निंदा की

गुरुदारे में नजर आया खालिस्तान समर्थक गोपाल चावला

■ एजेंसी, इस्लामाबाद

मुस्लिम नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को ननकाना साहिब का दौरा किया और वहां सिख समुदाय के लोगों के साथ बातचीत की।

मुस्लिम नेताओं ने ननकाना साहिब पर हुए हमले की निंदा की। प्रो-खालिस्तानी नेता गोपाल चावला को भी प्रतिनिधिमंडल के साथ देखा गया। बता दें कि इस घटना के बाद पाकिस्तान निशाने पर है और भारत ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

गौरतलब है कि शुक्रवार को पाकिस्तान के ननकाना साहिब में भीड़ ने सिखों के पवित्र स्थल ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर पथराव कर दिया और सिखों के खिलाफ नारेबाजी की। इसके कारण पहली बार भजन-कीर्तन रद्द करना पड़ा। ननकाना साहिब गुरू नानक का जन्मस्थान है। भारत ने गुरुद्वारे पर पथराव पर कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान से सिखों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और हमलावरों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

एसजीपीसी ने प्रदर्शन पर जताई चिंता, पाक जाएगा प्रतिनिधिमंडल

एजेंसी, नई दिल्ली। पाकिस्तान में ननकाना साहिब गुरुद्वारा में भीड़ द्वारा हिंसक तथा उग्र प्रदर्शन किए जाने पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने गंभीर चिंता जताई है। एसजीपीसी के अध्यक्ष गोविंद सिंह लोगोंवाल ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि वह इस मामले को पाकिस्तान के सामने उठाएंगे। ननकाना साहिब पर हुए हमले को लेकर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान भेजेगी। एसजीपीसी के अध्यक्ष ने कहा कि एसजीपीसी के सदस्य पाकिस्तान के अधिकारियों से इस संदर्भ में चर्चा करेंगे। भीड़ द्वारा किए गए पथराव के जांच की मांग करेंगे और भविष्य में इस तरह के घटनाओं की पुनरावृति रोकने का मामला उठाएंगे। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान गोबिंद सिंह लोगोंवाल ने हालांकि यह नहीं बताया कि एसजीपीसी का प्रतिनिधिमंडल कब पाकिस्तान जाएगा। शनिवार लोगोंवाल ने सिख समुदाय के साथ दिल्ली में एक मार्च निकाला और केंद्र सरकार से भी मामले में हस्तक्षेप की मांग की।

गणतंत्र दिवस : राजपथ पर दिखेगा जयपुर की विरासत का वैभव

■ एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली के राजपथ पर 26 जनवरी

को आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में इस बार दर्शकों को राजस्थान की झांकी भी देखने को मिलेगी। गणतंत्र दिवस परेड में चार साल बाद राजपथ पर राजस्थान की झांकी निकलेगी। यह झांकी जयपुर की विश्व विख्यात हेरिटेज विरासत विषय पर होगी। जयपुर के जाने माने कलाकार हरशिव शर्मा ने झांकी की डिज़ाइन बनाई है। राजस्थान ललित कला अकादमी के प्रतिनिधि विनय शर्मा ने हाल ही झांकी के अंतिम चयन के लिए नई दिल्ली में आयोजित बैठक में भाग लिया।

अमेरिका की वर्ल्ड ओपन वॉटर स्विम एसोसिएशन द्वारा

उदयपुर की तैराक भक्ति शर्मा का वूमन ऑफ़ ईयर अवॉर्ड के लिए चयन

नई दिल्ली, 4 जनवरी। भारत की जलपरी उदयपुर की 30 वर्षीय तैराक

भक्ति शर्मा का अमेरिका की वर्ल्ड ओपन वॉटर स्विम एसोसिएशन द्वारा वूमन ऑफ़ ईयर अवॉर्ड के लिए चयन हुआ है। तेंजिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचेर अवॉर्ड से सम्मानित भक्ति शर्मा ने 2015 में अंटार्कटिका महासागर में एक डिग्री तापमान के बीच 1.4 मील दूरी 52 मिनट में तय कर नया विश्व कीर्तिमान बनाया था । भक्ति ने विश्व के सभी 5 महासागरों में तैरने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है।

उल्लेखनीय है कि भक्ति ने ढाई साल की उम्र से तैराकी शुरू की थी। उसे तालाब, नदी, समुद्र और महासागर में तैरने की महारत हासिल है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विशिष्ट व्यक्तियों ने समय समय पर भक्ति शर्मा की तैराकी में उपलब्धियों को सराहा हैं।

मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलॉइज यूनियन की जोधपुर मैन शाखा द्वारा भारत सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के विरोध में हल्ला बोल प्रदर्शन किया गया जिसमें मण्डल सचिव मनोज कुमार परिहार ने सम्बोधित करते हुए बताया कि सरकार का रवैया मजदूरो के हित में नही है समय रहते सरकार को हल्ला बोल कर नही चेताया गया तो रेलवे में निगमीकरण व निजीकरण को बढावा देने मे पीछे नही हटेगी। सभा को महेन्द्र व्यास, बजरंग सिह राठौड, रविन्द्र कुमार प्रजापत, हेम सिंह देवडा, मनीष जिन्दल, नरेन्द्र सिंह रावत, दिपेन्द्र सिंह भाटी, शंकर सिंह भाटी ने सम्बोधित किया। संचालन परमानन्द गुर्जर ने किया। तत्पश्चात गाड़ी सं. 14707 पर जोधपुर लोको रनिंग शाखा द्वारा हल्ला बोल के तहत प्रदर्शन किया। जिसमें हनुमानदास वैष्णव, महेन्द्र सिंह चारण, विजेन्द्र प्रजापत, आसूराम चौधरी, जितेन्द्र ढाका, अनुप त्रिवेदी, हनुमानराम चौधरी, माधव सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बोहरा जिलाध्यक्ष मनोनित

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। विश्व मानवाधिकार परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष सैमुअल यशवंत कुमार जॉर्ज, प्रदेश सचिव प्रहलादराम कड़वासरा व जोधपुर जिलाध्यक्ष युधिष्ठर जांगिड़ की सहमति से संगीता बोहरा को महिला प्रकोष्ठ के जोधपुर जिलाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया है।

मयूर चौपासनी स्कूल की अंतिमा को राज्य हैंडबॉल टीम की कप्तानी

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। मयूर चौपासनी स्कूल की होनहार छात्रा खिलाड़ी अंतिमा चौधरी को स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 65वें नेशनल स्कूल गेम्स के लिए राजस्थान टीम की कप्तानी

का जिम्मा सौंपा गया है। प्रिंसिपल शरद तिवारी ने बताया कि 2 जनवरी को जोधपुर में आयोजित हैंडबॉल ट्रायल में अन्तिमा चौधरी को 16 सदस्य राजस्थान टीम की कप्तानी सौंपी गई। यह टीम शनिवार से दिल्ली में प्रारंभ हुए एसजीएफआई 65 वें नेशनल हैंडबॉल टूर्नामेंट में भाग लें रही है। जहां राजस्थान का पहला मैच रविवार को तमिलनाडु के साथ खेला जाएगा। उन्होंने बताया किअन्तिमा चौधरी ने खेल कौशल का प्रदर्शन कर विद्यालय की टीम को जिला स्तर पर विजयी बनाया था। राजस्थान हैंडबॉल टीम में कप्तान अंतिमा के अलावा लविशा, नमिशा, दिविता, तनु राठौड़, अपूर्वा, दीक्षिका गहलोत, रिया मोरिशा सिंह, दृष्टि, साक्षी सेन, मेघा गौड़ लिया बिंदल, अनीषा, निकिता एवं स्वीटी शामिल है।

राष्ट्र को बचाने के लिए घर से बाहर आना होगा: कुलश्रेष्ठ

उदयपुर, 4 जनवरी (निसं)। वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ ने देश की आर्थिक, राजनीतिक, धार्मिक एवं सामाजिक व्यवस्थाओं का विश्लेषण करते हुए कहा कि सत्ता आती जाती रहेगी। यदि राष्ट्र को बचाना है तो हमें अपने घर से बाहर आना होगा। हमारा एक ही एजेन्डा होना चाहिये राष्ट्र पहले।

वे आज भारत विकास परिषद प्रताप द्वारा नगर निगम स्थित सुखाड़िया रंगमंच पर आयोजित राष्ट्रीय सुरक्षा-आंतरिक चुनौतियां विषयक परिसंवाद में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। कहा कि 70 वर्षो से देश में राज करने वालों को जब वर्ष 2014 में नया शासक मिला तो भूचाल आ गया। भारत में जितने खतरे उनका संबंध विदेशों से जुड़ा हुआ है। यह दुनिया का पहला देश है जिसे अपने अन्दुरूनी खतरों का पता नही है। देश में सरकार के अलावा ऐसे अनेक तबकें है जिन्होंने जनता से सिर्फ और सिर्फ झूठ बोला है। लोकंतत्र में चुनाव सिर्फ झूठ के सहारें ही जीते जाते है, आज तक कोई भी सच बोलकर चुनाव नहीं जीता है।

कुलश्रेष्ठ ने कहा कि दुनिया में एक मात्र धर्म सनातन है, बाकि सभी मजहब है। यह सृष्टि के साथ पैदा हुआ और उसी के साथ समाप्त होगा। धर्म किसी पूजा पद्धति का नाम नहीं है। मजहब समाप्त हो जायेगा लेकिन धर्म नहीं। सनातन एक विज्ञान है। यदि सनातन परिवार का हाथ पकड़ लेंगे तो जीवन में किसी के पैर छूने की नौबत नहीं आयेगी।

कुलश्रेष्ठ ने कहा कि 70 वर्षो में आपने डरना और उन्होंने डराना नहीं छोड़ा। स्थायी शान्ति के लिये शक्ति प्रदर्शन की जरूरत होती है। जिन्होंने 1947 नहीं देखा, वे भाग्यवान है कि उन्होंने 2019 देखा है। मुबंई से लेकर

कलकत्ता तक देश में कलाकार, चिंतक,राईटर्स सभी को डर लग रहा है लगना भी चाहिये। हमारें पुरूषार्थ में कमी क्यों आयी उस पर मनन करना चाहिये। उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर हमला बोलते हुए कहा कि संसद पटल पर जो बिल पवत्रास हो गया, उस पर कहते है कि उसे हम नहीं मानेंगे। 1976 में देश में इमरजेंसी लगा कर इन्दिरा गांधी ने जघन्य अपराध किया था। उस समय संविधान के प्रिएम्बल में बदलाव कर दिया जब कि ऐसा किसी भी सूरत में नहीं होता है।

उन्होंने कहा कि यह बहुत कम लोंगों को मालूम होगा कि 1947 से पूर्व ऑल इण्डिया मुस्लिम लीग पर भी बैन लगा था।इसी पार्टी के कारण देश का विभाजन हुआ। आज इस पार्टी का नाम बदल पर इण्डियन यूनियन मुस्लिम लीग हो गया है। उन्होंने कहा कि मेरे केन्द्र में एक मात्र एजेन्डा राष्ट्र ही है। जम्मू कश्मीर से धारा 35 ए नहीं हटी,वहां से आतंक को खत्म करने का सिलसिला शुरू हो गया।

इस अवसर पर मुख्य कार्यक्रम संयोजक सत्यनारायण माहेश्वरी ने कहा कि भारत में 2 करोड़ घुसपैठियें आ गये,उस पर कोई नही बोलता लेकिन यदि 1 लाख हिन्दुओं को नागरिकता देने की बात की जाती है तो देश में बसें जला दी जाती है। राज्य के मुख्यमंत्री धमकी देते है कि देश के टुकड़े हो जायेंगे। प्रारम्भ में भारत विकास परिषद प्रताप के अध्यक्ष लोकेश कोठारी ने अतिथियों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

समारोह में मुख्य अतिथि राजसमंद विधायक श्रीमती किरण माहेश्वरी,विशिष्ठ अतिथि सांसद अर्जुनलाल मीणा, एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस कम्पनी के चेयरमेन विनोद जैन तथा रॉलजैक एशिया लि. के निदेशक सिद्धार्थ जैन,महापौर जी.एस.टांक, उप महापौर पारस सिंघवी सहित अनेक अतिथि मौजूद थे। आयोजन में सचिव मनोज जैन, सह संयोजक नरेन्द्र पोरवाल सहित अनेक सदस्यों की भूमिका रही।

विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए निशुल्क कोचिंग शुरु

बाप, 4 जनवरी (निसं)। समता सैनिक दल जिला अध्यक्ष ईमाराम मेघवाल के निर्देशानुसार कस्बे के मेघवालों के बास मे एसएसडी तहसील शाखा बाप के तत्वावधान में एससी-एसटी के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के उद्देश्य को लेकर कक्षा 1 से 8 तक के अध्यनरत 30 विद्यार्थियों को निःशुल्क कोचिंग दी गयी। जहां गणित, विज्ञान, अंग्रजी सामान्य-ज्ञान, सामाजिक-विज्ञान आदि विषयो पर कोचिंग शुरू की गई है । तथा कक्षा 10 की दो बालिकाओं के लिएअंग्रेजी विषय की कोचिंग जारी है। अभिभावकों की मांग पर आगे जारी रही कोचिंग-शाखा अध्यक्ष गणपत भाट ने कहा की शिक्षा मे गुणवत्तापूर्ण होना जरूरी है। आज कंपीटीशन का युग है, दुर्बल वर्गो के सशक्तीकरण के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त बच्चे प्रगति करेंगे,तो बाबा साहब के स्लोगन शिक्षित बनो साकार होगा।

शिविर में सेवा जोधपुर। उम्मेद राजकीय स्टेडियम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दिव्यांग जनों को अंग उपकरण प्रदान किए गए। व्यवस्था में जोधपुर रोवर्स एवं रैंजर्स ने उल्लेखनीय सेवाएं दी। सुश्री सुयश लोढा ने बताया कि व्यवस्था में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जोधपुर के निर्देशन में पुष्टिकर महाविद्यालय, केएन कॉलेज, एश्वर्या कॉलेज, जेएनवीयू, मरूधर ओपन क्रू व सरस्वती बाल वीणा भारती, सूरसागर के करीब सौ स्काउट गाइड व रोवर्स, रेंजर्स ने जिला प्रशासन का सहयोग किया।

विश्व पुस्तक मेले में सनातन संस्था की ग्रंथ-प्रदर्शनी

नई दिल्ली, 4 जनवरी । यहां के प्रगति मैदान में 4 से 12 जनवरी 2020 के बीच हो रहे विश्व पुस्तक मेले में सनातन संस्था द्वारा आध्यात्मिक ग्रंथों की प्रदर्शनी लगाई गई है। आज दीप प्रज्वलित कर इस ग्रंथ प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। यहां हिंदी के ग्रंथ हाल क्र. 12 ए में स्टॉल क्र. 66-67 पर उपलब्ध हैं, और अंगेजी ग्रंथ हाल क्र. 8-11 में स्टॉल क्र. 268 पर उपलब्ध हैं। सनातन संस्था द्वारा विविध विषयों पर ग्रन्थ प्रकाशित किए गए हैं, जैसे अध्यात्म, राष्ट्ररक्षण, धर्म, धर्म पर होने वाले आघात, साधना, धार्मिक कृतियां, आचार पालन, बालसंस्कार, बच्चों का पालन पोषण किस प्रकार करें, आयुर्वेद, इत्यादि। 322 ग्रंथों की 17 भाषाओं में 78 लाख 54 हजार से अधिक प्रतियाँ प्रकाशित हो चुकी हैं 7 जीवन में आनंद पाने हेतु शास्त्रोक्त धर्म आचरण तथा उचित साधना आवश्यक है । सनातन के ग्रंथ धर्म आचरण एवं साधना का उपदेश देते हैं। धर्म राष्ट्र की नींव है । इस हेतु राष्ट्र जागृति एवं धर्मरक्षा संबंधी ग्रंथ भी हैं । सनातन संस्था से जुड़ी कृतिका खत्री के अनुसार सनातन के ग्रन्थ की प्रमुख विशेषताएं हैं , कि अध्यात्म सम्बन्धी प्रत्येक कृत्य के विषय में क्यों और कैसे के शास्त्रोक्त उत्तर इन ग्रंथों में उपलब्ध हैं। इनमें वैज्ञानिक परिभाषा में वैज्ञानिक उपकरणों के लिए परीक्षणों का समावेश किया गया है। बुद्धि से परे का अध्यात्म सिखाने वाले शिक्षण परीक्षण भी इन ग्रंथों में अंतर्भूत किए गए हैं। इस कारण ये परिपूर्ण अध्यात्म सिखाने वाली ग्रंथमालिका है।

विभिन्न क्षेत्रों में कल बाधित रहेगी जलापूर्ति

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। छह जनवरी की रात्रि 12 बजे से 7 जनवरी की रात्रि 12 बजे तक चौपासनी फिल्टर हाउस एवं 7 जनवरी को प्रातः 8:00 बजे से 8 जनवरी की प्रातः 8 बजे तक झालामण्ड फिल्टर हाउस पर अति आवश्यक रखरखाव एव सफाई के कारण दोनो फिल्टर प्लान्टों से जुडे विभिन्न जोन एवं क्षेत्रों में जलापूर्ति बाधित एवं कम दबाव से होगी एवं 7 जनवरी को की जाने वाली सप्लाई 8 को एवं 8 को की जाने वाली जलापूर्ति 9 जनवरी को की जायेगी। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग नगर खण्ड तृतीय के अधिशाषी अभियंता सुनिल दत्त हर्ष ने बताया कि इससे ज्यूडिश्यिल एकेडमी हाईकोर्ट, सांगरिया फाटा क्षैत्र, जाटो की ढाणी के उच्च जलाशय से जुडे क्षेत्र रिको कृष्णा नगर, करणी नगर, मीरा नगर, झालामण्ड क्षेत्र के आस-पास के क्षेत्र, कुडी भगतासनी सेक्टर 1 से 9 से संबधित क्षेत्र, जनता कॉलोनी, रामेश्वर नगर मधुबन सरस्वती नगर, गंगा विहार, के.के.कॉलोनी, भगत की कोठी, रातानाडा पम्पिग स्टेशन से जलापूर्ति होने वाले सभी क्षेत्र, रातानाडा पम्पिग स्टेशन से जलापूर्ति होने वाले सभी क्षेत्र, शिव मंदिर एस.आर, कमला नेहरू नगर जीएसआर सुथला जीएसआर से संबधित क्षेत्र, कमला नेहरू नगर सेक्टर ए,बी,सी,डी, एवं विस्तार, डिफेंस कॉलोनी, चांदणा भाखर, ज्योति नगर, राजीव गांधी कॉलोनी, सुथला, ज्वाला विहार, हिंगलाज नगर, डीआईजी फिरोजखां कॉलोनी, जोशी कॉलोनी, शिव कॉलोनी, हुडको क्वार्टर, गुरो का तालाब का कुछ क्षेत्र, चौपासनी फिल्टर हाउस से जुडे क्षेत्र, महावीर पुरम, शिक्षक कॉलोनी, पठानकोट, विजयनगर, चौपासनी हाउसिग बोर्ड सेक्टर 1 से 25, देवनगर, भटटी की बावडी, देवनगर चौकी से संबधित क्षेत्र, शास्त्री नगर समस्त सेक्टर, न्यू पॉवर हाउस रोड, हैवी इण्डस्ट्रीयल एरिया, हडडी मिल, मिल्कमैन कॉलोनी, सुभाष नगर, खेमे का कुआं, बासनी II फेस, पालरोड के आसपास का सम्पूर्ण क्षेत्र, डीपीएस चौराया, कनिष्का, आशापुर्णा, एम्स रोड कॉलोनियां रतन नगर, रूपरजत, रविनगर, कृष्णा नगर एसआर से जुडी कॉलोनियां वैष्णव नगर, शंकर नगर, पीएफआफिस के क्षेत्रों में जलापूर्ति बाधित एवं कम दबाव से की जाएगी।

रेल गाड़ियों के विस्तार के लिए उच्च स्तरीय प्रयास की मांग

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के पूर्व सदस्य नगेन्द्र संचेती ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को रेल गाड़ियों के विस्तार के संबंध में ज्ञापन दिया उन्होंने कहा कि इस संबंध उच्च स्तर पर प्रयास कर यात्रियों को सुविधाएं दी जा सकती है। उन्होंने गाडी संख्या 19715/19716 लखनऊ जयपुर एक्सप्रेस को जोधपुर तक गाडी संख्या 22481/224482 जोधपुर दिल्ली सराय रोहिल्ला सुपरफास्ट को हरिद्वार तक गाडी संख्या 22477/22478 जयपुर जोधपुर सुपरफास्ट को बालोतरा तक तथा गाड़ी संख्या 22483 22484 जोधपुर गांधीधाम सुपरफास्ट को जयपुर तक विस्तारित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि जोधपुर सिटी रेलवे स्टेशन पर सवारी गाड़ियों व माल गाड़ियों का आवागमन बहुत अधिक रहता है इसलिए बनाड़ से सालावास बाईपास रेलवे लाईन बनाई जाए। नगेन्द्र ने लूणी जंक्शन से मारवाड़ जंक्शन तक दोहरीकरण मेडता से पुष्कर नई रेलवे लाइन, पिण्डवाडा सिरोही से जालोर को जोड़ा जाए तथा सर्वे करवाने फालना से जालोर नई रेलवे लाईन का सर्वे हो चुका है। कार्य प्रारंभ करवाने तथा राईकाबाग से फुलेरा तक दोहरीकरण के स्वीकृत कार्य के लिए केंद्र स्तर पर प्रयास करने का अनुरोध किया है।

हावड़ा एक्सप्रेस में किशोर ने लगाया फंदा

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। हावड़ा एक्सप्रेस के एक कोच के बाथरूम में एक किशोर ने मफलर से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। हावडा ट्रेन के जोधपुर पहुंचने पर मिली सूचना पर रेलवे पुलिस ने बाथरूम में मिली लाश को शिनाख्तगी के लिए एमजीएच की मोर्चरी में रखवाया। जीआरपी थानाधिकारी रविन्द्र बोथरा ने बताया कि शुक्रवार को रेलवे स्टेशन जोधपुर के स्टेशन मास्टर ने थाने में सूचना दी कि हावड़ा एक्सप्रेस के एसएलआर कोच के बाथरूम में एक किशोर का शव मिला है।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मौके की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी करवाई। मृतक ने ट्रेन के बाथरूम में मफलर से फंदा बनाकर आत्महत्या की थी। मृतक की उम्र करीब 17 वर्ष है। मृतक ने काले कलर की पेंट, ग्रे रंग की बंद गले की टीशर्ट पहनी है। उसकी पहचान लायक कोई दस्तावेज नहीं मिले है। शव को एमडीएमएच की मोर्चरी में रखवाया गया है।

विवाह में शामिल होने देश- विदेश से आये मेहमान

जोधपुर डिस्कॉम पीआरओ टीम क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। जोधपुर डिस्कॉम की गणतंत्र दिवस खेलकूद प्रतियोगिता में शनिवार को मयूर चौपासनी स्कूल के क्रिकेट मैदान पर खेले गए मैच में पीआरओ की टीम ने मथानिया को 44 रन से हराकर प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया, वही सुरेंद्र चौधरी की घातक गेंदबाजी एवं मनोहर सिंह की अर्धशतकीय पारी के बदौलत ओपीएच ए ने बिलाड़ा टीम को 74 रन से हराकर प्रतियोगिता के चार्टर फाइनल में प्रवेश किया। तिंवरी की टीम पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुकी है। जनसंपर्क अधिकारी राजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि पीआरओ की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 127 रन बनाए। जवाब में मथानिया की टीम 84 रन ही बना पाई। दूसरे मैच में एम एंड पी की टीम ने पहले खेलते हुए 68 रन बनाए। जवाब में एचटीएम द्वितीय की टीम ने 6 विकेट खोकर विजयी लक्ष्य हासिल कर लिया। हनवंत चौपासनी स्कूल के क्रिकेट मैदान पर खेले गए मैच में ओपीएच ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मनोहर सिंह की अर्धशतकीय पारी के बदौलत 172 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में बिलाड़ा की टीम 98 रन ही बना पाई। प्रतियोगिता के अगले मैच 11 जनवरी को खेले जाएंगे।

अमेरिका के प्रवासी राजस्थानियों के बच्चों ने चुना शादी के लिए अपनी मातृभूमि व अपनी संस्कृति को

अमित-प्रियंका राजस्थानी रीति रिवाज के साथ विवाह बंधन में बंधे

जयपुर, 4 जनवरी(विसं)। सात समुंदर पार अमेरिका में जन्में प्रवासी राजस्थानियों के बच्चों ने अपने विवाह के लिए अपनी माटी और अपनी संस्कृति को चुना। ये दर्शाता है कि इन प्रवासी राजस्थानियों ने आज भी अपने बच्चों में वहीं संस्कार संजो रखे हैं जो उन्हें अपनी मातृभूमि से हमेशा जोड़े रखते हैं। वे कितने भी आधुनिक और धनी क्यों न हो जाए। उनका मन इसी संस्कृति और रीति रिवाजों से यानि अपनी जमीन से हमेशा जुड़ा रहना चाहता है।

जोधपुर में जन्में, अमेरिका के ख्याति प्राप्त डॉ. अजय लोढ़ा जो कि अमेरिका में भारतीय डॉक्टर्स की एसोसिएशन आपी व राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका-राना के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं, उनकी धर्मपत्नि डॉ स्मिता लोढ़ा के पुत्र अमित लोढ़ा ने राना के ही एक कार्यक्रम में प्रियंका चौरड़िया से मिले। प्रियंका अमेरिका में ही प्रवासी राजस्थानी और सुप्रसिद्ध जैम्स व ज्वैलरी व्यवसायी संजय चौरड़िया व प्रीति चौरड़िया की पुत्री है।

दोनों की मुलाकात आगे बढ़ी। दोस्ती हुई। फिर पेरेंट्स के आर्शीवाद व इच्छा के अनुरूप अपनी मातृभूमि राजस्थान आ कर शादी की। दोनों परिवारों को मिलाने व शादी में अहम भूमिका प्रवासी राजस्थानी कनक गोलिया सहित राना के पदाधिकारियों ने भी निभाई।

जयपुर में राजस्थानी रीति रिवाज से हुई शाही शादी

जयपुर के जेडब्ल्यू मैरियट में हुई इस शाही शादी में की राजस्थानी रीति रिवाज से मेहमानों का स्वागत हुआ। दुल्हा व दुल्हन सहित मेहमानों ने मेंहदी रचाई। राजस्थानी सूट, लेहंगे, कुर्ते पजामें व साफे से सतरंगी संस्कृति उभर आई। कई विदेशी राजस्थानी पोशाकों में नजर आये। शादी के एक दिन पहले महिला संगीत में भी पूरे परिवार ने जोश खरोश के साथ नृत्य में भाग लिया। भोजन में भी राजस्थानी हलवे, मालपुए, गुलाब जामुन सहित राजस्थानी सब्जियां व पकवान शामिल थे।

देश-विदेश से आये मेहमान

इस भव्य शादी में शामिल होने देश-विदेश से कई नामी हस्तियां जयपुर पहुंची। जयपुर फुट यूएसए के चेयरमैन प्रेम भंडारी, राना अमेरिका

के वर्तमान अध्यक्ष हरिदास कोटावाला, अमेरिका के सुप्रसिद्ध परफ्यूम व्यवसायी कनक गोलिया, सीपीए व होटल व्यवसायी के.के.मेहता, राना के कोषाध्यक्ष चंद्र सुखवाल, राना के कई पूर्व अध्यक्ष, सपत्नी मौजूद रहे। हास्य कवि व तारक मेहता फेम शैलेष लोढ़ा, पूर्व गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया, कई मंत्री, कई आईएएस, कई नामी डॉक्टर्स, व्यवसायी, उद्योगपति, ज्वैलर्स आदि भी शादी में शामिल हुए।

महाराजा गंगा सिंह विवि के भादू बने रोड़ किंग

बीकानेर, 4 जनवरी (निसं)। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय साईक्लिंग (पुरूष) प्रतियोगिता तीसरे दिन की 100 किमी. रोड़ रेस प्रतियोगिता हुई ` रेलवे के अधिकारी सुनील महला ने हरी झण्डी दिखाकर प्रतियोगिता शुरू की। नेशनल हाइवे-15 पर हुई साईक्लिंग रोड़ रेस प्रतियोगिता में 35 विश्वविद्यालयों के 142 खिलाड़ी शामिल हुए। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के खिलाड़ी भागीरथ भादू ने सभी साईक्लिस्ट को पछाड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। भादू ने 100 किलोमीटर की रेस सबसे कम समय 2 घण्टे 24 मिनट 31 सैकण्ड में पूरी कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया। गुरू नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर के रोहित ने 2 घण्टे 24 मिनट 32 सैकण्ड में रेस पूरी कर दूसरा स्थान व तीसरें नम्बर पर चण्डीगढ़ विश्वविद्यालय, मोहाली (पंजाब) के हरजीत सिंह पन्नू रहे। पन्नू ने यह रेस 2 घण्टे 24 मिनट 33 सैकण्ड में पूरी की। भादू की उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भगीरथ सिंह ने टीम एवं कोच किशन कुमार पुरोहित, श्रवण डूडी को बधाई दी।

चिकित्सक की लापरवाही से गई प्रसूता की जान, 18 घंटे प्रदर्शन के बाद किया एपीओ

भीलवाड़ा, 4 जनवरी (निसं)। जिले के जहाजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के दौरान प्रसूता की मौत का मामले 18 घंटे चले प्रदशन के बाद इलाज करने वाले चिकित्सक को एपीओ करने, मामले की जांच तीन सदस्य टीम को सोपे जाने और मुआवजा दिलाने के बाद शांत हो पाया।

जानकारी के अनुसार बोराणी निवासी सीमा (30) पत्नी लादूराम मीणा को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन शुक्रवार सुबह 6 बजे जहाजपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले आए। चिकित्साकर्मियों ने सीमा को कई घंटों तक नहीं संभाला और परिजनों के बार-बार गुहार लगाने पर साढ़े आठ घंटे बाद दोपहर 2.30 बजे उसे भर्ती कर डिलीवरी कराई। इसके बाद डॉक्टर महावीर जैन व नर्सिंग स्टाफ घर चले गए। थोड़ी देर बाद सीमा के रक्त स्त्राव शुरू हो गया। इस पर परिजन डॉक्टर को बुलाने की मांग करने लगे। आधे घंटे बाद डॉक्टर आया और सीमा को भीलवाड़ा रैफर कर दिया। परिजन सीमा को लेकर जिला अस्पताल पहुँचे जहा डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इस पर परिजनो ने डॉ. महावीर जैन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सीमा की मौत का जिम्मेदार ठहराया और शव को वापस जहाजपुर ले आए। परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर शव रख रातभर प्रदर्शन किया।ग्रामीणों के धरने-प्रदर्शन की सूचना मिलने के बाद सीएमएचओ डॉ. मुश्ताक खान रात को ही जहाजपुर पहुंच गए। उन्होंने ग्रामीणों से बात भी की और डॉ. जैन को एपीओ कर जांच करने और दोषी पाए जाने पर खिलाफ कार्यवाही करने का भरोसा भी दिलाया, लेकिन मुआवजे की मांग को लेकर परिजनों का प्रदशन रात भर जारी रहा। शनिवार की सुबह फिर से पुलिस व प्रशासन के आलाधिकारी ने परिजनों से समझौता वार्ता शुरू की इस दौरान जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा ने ग्रामीणों को भामाशाहों के सहयोग से एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। धरना प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों को समझाने के लिए भीलवाड़ा पुलिस उप अधीक्षक राजेश मीणा भी जहाजपुर पहुंचे। एसडीएम उम्मेदसिंह राजावत, तहसीलदार मुकुंदसिंह शेखावत, सीएमएचओ डॉ. मुश्ताक खान, विधायक मीणा, प्रधान शिवजीराम मीणा, पूर्व चैयरमेन गेगाराम मीणा आदि की मौजूदगी में करीब 6 घंटे चली वार्ता के दौरान डॉ जेन को एपीओ कर दिया गया।

भवन का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री। जलतेदीप

गहलोत ने किया नेत्रहीन विकास संस्थान के महाविद्यालय भवन का लोकार्पण

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि राजस्थान और विशेषकर जोधपुर के लोग उदारमना और मानवता के लिए समर्पित हैं। समाज सेवा यहां की तासीर में है। यहां के लोगों ने प्रदेश, देश और विदेश में कई रूपों में समाज सेवा के कार्य किये हैं। गहलोत शनिवार को चौखा क्षेत्र में नेत्रहीन विकास संस्थान द्वारा नवनिर्मित 'अजय लीला विशिष्ट शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय' भवन का लोकार्पण के अवसर पर आमजन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संस्थान की संचालक श्रीमती सुशीला बोहरा ने जज्बे के साथ नेत्रहीनो के लिए कार्य किया है। उनकी अगुवाई में इस संस्थान ने नेत्रहीनों, मूक-बधिरों के लिए समर्पित भाव से बेहतरीन काम किया है। इसी प्रकार बासनी तंबोलियान में भी मूक-बधिरों की सहायतार्थ काम हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से दिव्यांगों को हर संभव सुविधाएं दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांग भी कंप्यूटर, मोबाइल फोन और अन्य उपकरणों का कुशलतापूर्वक संचालन करते हैं। ऐसे विशेष योग्यजनों को और अधिक सुविधाएं तथा अवसर देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बचपन से ही मूक-बधिर बच्चों को उपकरण सहित अन्य सुविधाएं मुहैया करवा रही है। दिव्यांग जनों की सहायता के लिए किसी तरह के धन की कमी आने नहीं दी जाएगी। गहलोत ने बताया कि जोधपुर में कार्यरत स्वयंसेवी संगठनों तथा दिव्यांगों के लिए काम करने वाली संस्थाओं के साथ जयपुर में बैठक करके उनकी आवश्यकताओं पर विचार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने पूर्व में भी दिव्यांगों की संस्थाओं के शिक्षकों को राजकीय सेवा में समायोजित कर लिया था। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री मास्टर भंवरलाल मेघवाल ने कहा कि श्रीमती सुशीला बोहरा ने नेत्रहीनों के कल्याण के लिए परमार्थ के कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि नेत्रहीन विकास संस्थान, जोधपुर के साथ राज्य सरकार के सहयोग पर विचार किया जाएगा। संस्थान की संचालक श्रीमती सुशीला बोहरा ने कहा कि 42 वर्ष पूर्व इस संस्थान की स्थापना के समय से ही संस्थान को अशोक गहलोत का सानिध्य प्राप्त है। संस्थान में सभी तरह के दिव्यांग शिक्षा प्राप्त करते हैं। होनहार विद्यार्थियों की इस संस्था ने देशभर में अपना मुकाम बनाया है और इस विद्यालय पढ़ने वाले छात्रों ने बेहतरीन पैकेज के साथ नौकरियां हासिल की हैं। जैन संत चन्द्रप्रभ सागर ने कहा कि संस्थान की संचालक श्रीमती बोहरा ने हजारों दिव्यांग बच्चों को नया जीवन दिया है। ऐसी महिलाएं कमजोर, दीन-दुःखी, नेत्रहीन बच्चों के लिए समर्पण भाव से कार्य करके अप्रतिम उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। संत सागर ने संबोधि धाम की ओर से नेत्रहीन विकास संस्थान के लिए सवा लाख रूपए प्रदान करने की घोषणा की।

दिव्यांगों के कल्याण के लिए सरकार पूरी तरह संवेदनशील

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगों के कल्याण के लिए लगातार पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्यरत है। सरकार द्वारा जन्म से बधिर बच्चों के लिए कॉकलियर इम्प्लांट निःशुल्क उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। श्री गहलोत शनिवार को नवज्योति मनोविकास विशेष शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के अमृतलाल छगनकंवर गांधी कॉलेज भवन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जोधपुर में स्वयं सेवी संस्थाओ और दानदाताओं की कोई कमी नही है। मुख्यमंत्री ने मानसिक विमंदित बच्चों से आत्मीयता से मुलाकात और बातचीत की। उन्होंने नवज्योति विद्यालय का दौरा किया और नवज्योति मनोविकास विशेष शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की दूसरी मंजिल पर निर्मित नवीन भवन का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में सामाजिक एवं अधिकारिता मंत्री मास्टर भंवरलाल मेघवाल, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री भंवरसिंह भाटी, विधायक महेन्द्र विश्नोई, हीराराम मेघवाल, जसवंत सिंह कच्छवाहा, नवज्योति मनोविकास संस्था के नवीन भवन का निर्माण करवाने वाले भामाशाह सुरेश गांधी और माणक मेहता सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पाक विस्थापितों ने गहलोत से मुलाकात कर सीएए पर समर्थन मांगा

मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस में आमजन से मुलाकात की

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने जोधपुर प्रवास के दूसरे दिन सुबह सर्किट हाउस में जनसुनवाई की। यहां सुनवाई के दौरान कई फरियादियों ने अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री को सुनाई। इस पर मुख्यमंत्री ने जल्द कार्यवाही का आश्वासन दिया। जनसुनवाई के दौरान ज्यादातर लोग शहर पुलिस के रवैये से पीड़ित नजर आए। उन्होंने पुलिस थानों में तैनात अधिकारियों द्वारा मुकदमा दर्ज नहीं करने और फरियादियों से दुर्व्यवहार की शिकायतें की। मुख्यमंत्री ने जनसुनवाई के दौरान सभी लोगों से बारी-बारी से मुलाकात की। गहलोत ने किसी से आवेदन लिया तो किसी के कंधे पर हाथ रख उनकी पीड़ा सुन वहां मौजूद अधिकारियों से हाथों-हाथ समस्या समाधान के आदेश दिए।

जनसुनवाई से पहले सूरसागर विधायक सूर्यकांता व्यास ने सीएम से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि चौपासनी क्षेत्र में अस्पताल बनाया जाना है। इसके लिए 5 करोड़ की राशि एकत्रित कर ली गई है लेकिन भूमि नहीं मिलने के कारण कार्य अटका हुआ है। ऐसे में सीएम से भूमि प्रदान की जाने की मांग की गई है। मलखान सिंह विश्नोई की माता अमरी देवी भी मुख्यमंत्री से मुलाकात करने पहुंची। मुख्यमंत्री ने कुलपति जेएनवीयू डॉ. बीआर चौधरी, रजिस्ट्रार जेएनवीयू चंचल वर्मा, कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की निदेशक कैलाश कौशल, कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की छात्रसंघ अध्यक्ष प्रियंका सिंह नरूका को मुख्यमंत्री कोष से 5 लाख रुपए की राशि का चैक महात्मा गांधी ई लाइब्रेरी के लिए प्रदान किया। वहीं मुख्यमंत्री द्वारा सर्किट हाउस में सिंगर वालों की ढाणियां झालामंड स्थित जितेन्द्र पुत्र चन्द्रा राम प्रजापत की मकान निर्माण कार्य करने के दौरान बिजली के तार छू जाने से हुई मृत्यु की दुर्घटना पर मृतक की माता लीलादेवी को जोधपुर डिस्कॉम नगर वृत द्वारा दी जाने वाली 5 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में पाक विस्थापित भी सर्किट हाउस पहुंचे। उन्होंने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के धुर विरोधी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से इस मसले पर समर्थन की मांग की। गहलोत ने मुस्कराते हुए धैर्य के साथ पाक विस्थापितों की बात सुनी। हालांकि उन्होंने इस मसले पर किसी तरह का आश्वासन नहीं दिया, लेकिन कहा कि इस कानून में भेदभाव उन्हें स्वीकार्य नहीं है। जनसुनवाई के दौरान मसूरिया क्षेत्र निवासी एक महिला अपनी पीड़ा बताते हुए रो पड़ी। महिला ने बताया कि कुछ समय पूर्व उसने अपने देवर के खिलाफ लज्जा भंग का मामला दर्ज कराया था। इसे वापस लेने का दबाव बनाकर समाज के लोगों ने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। एक बार उसके घर पर हमला कर दिया गया। इसके बाद उसे समाज से बहिष्कृत कर दिया गया। अब समाज के पंच व ससुराल पक्ष के लोग मुकदमा वापस लेने के साथ पचास हजार रुपए का हर्जाना मांग रहे है। इस पर गहलोत ने पुलिस अधिकारियों को बुलाकर मामले की शीघ्र ही निष्पक्षता के साथ जांच करने के आदेश दिए। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदेश उपाध्यक्ष रूपा राम रलिया के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा। संघ के जिलाध्यक्ष रुपाराम खोजा ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के प्रारंभिक तथा माध्यमिक शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षकों के विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा गया जिसमें माह जुलाई 2018 से बकाया 5 प्रतिशत महंगाई भत्ता शीघ्र जारी कराने की मांग की। साथ ही जोधपुर शहर में कार्यरत शिक्षकों का सातवां वेतन आयोग का वेतन जारी करने, संबंधित मुख्यालय ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जोधपुर के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने, मिड डे मील में कुकिंग कन्वर्जन राशि, दूध का बकाया राशि, कुक कम हेल्पर का पिछले 6 माह से बकाया मानदेय भुगतान शीघ्र कराने की मांग की।

ज्ञापन लेते गहलोत। जलतेदीप

गहलोत का आभार जताया- सरदारपुरा विधानसभा के भदवासिया स्थित सन्त रविदास राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय भदवासिया को उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत करने पर आज सर्किट हाउस में सरदारपुरा विधानसभा के सचिव विक्रम जटिया के नेतृत्व में रैगर जटिया समाज की और से गहलोत का अभिनंदन कर सन्त शिरोमणि रविदास महाराज की तस्वीर भेट कर धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डॉ हस्तीमल आर्य, कालूराम कुर्डिया, घनश्याम बंशीवाल, जेपी नारायण, जगदीश मालवीय, कालूराम चोमिया, श्रवण सुखाडिया, गौतम नवल सहित अनेक गणमान्य मौजूद थे।

डायरी का विमोचन किया- रियल एस्टेट में गत 27 वर्षो से सक्रिय सहयोग एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से प्रकाशित डायरी का विमोचन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किया। डॉयरेक्टर सुनिल भण्डारी व बीएलजी चौधरी ने बताया कि कंपनी की ओर से अनेक बडे प्रोजेक्ट पर कार्य चल रहा है।

मुख्यमंत्री के मोबाइल पर धमकी देने वाला गिरफ्तार

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। कुड़ी भगतासनी पुलिस ने नेताओं को जन समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर धमकियां देने वाले मानसिक रूप से अस्वस्थ एक युवक को शांतिभंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया। इस युवक पर सीएम को भी मोबाइल नम्बर पर धमकियां देने का आरोप है। कुड़ी पुलिस ने बताया कि तनावड़ा सालावास क्षेत्र में रहने वाला करण पिण्डेल पुत्र कुभाराम पिण्डेल को पुलिस ने शांतिभंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया। आरोप है कि उसने मुख्यमंत्री के मोबाइल नम्बर पर उनको शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में टूटी सड़कों और अन्य समस्याओं को लेकर अपशब्दों का उपयोग करते हुए धमकी दी थी। पुलिस के अनुसार उसे बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया। यह कार्रवाई एटीएस और जोधपुर कमिश्नरेट पुलिस ने संयुक्त रूप से की है। युवक की चिकित्सक से भी जांच करवाई गई है। एटीएस और जोधपुर कमिश्नरेट के मुताबिक गुरुवार रात करीब पौने दस बजे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के मोबाइल पर आरोपी युवक ने फोन किया था। इसके कुछ घंटों बाद ही जोधपुर पुलिस ने युवक को गुरुवार देर रात करीब तीन बजे पकड़ा। आरोपी के मोबाइल में मुख्यमंत्री का नंबर भी मिला। उसके मोबाइल को चैक किया तो उसमें हथियारों के साथ उसकी फोटो भी मिली। पूछताछ में युवक ने जोधपुर के एक नामचीन व्यक्ति द्वारा हथियार दिए जाने की बात कही और उसी व्यक्ति के हथियारों के साथ फोटो खिंचवाना भी बताया है। युवक की दिमागी हालत सही नहीं है। उसके परिजनों ने इलाज के दस्तावेज भी दिए है। चिकित्सकों से उसका मेडिकल करवाया गया है।

संबोधि धाम में आर्ट ऑफ हैप्पी लाइफ प्रोग्राम आज

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। कायलाना रोड स्थित संबोधि धाम में रविवार को सुबह 8 से 10.30 बजे तक आर्ट ऑफ हैप्पी लाइफ प्रोग्राम का आयोजन होगा। कार्यक्रम संयोजक उम्मेद सिंह भंसाली के अनुसार संत चंद्रप्रभ जी के सानिध्य में होने वाले प्रोग्राम में शहर वासियों को जीवन जीने के खुशनुमा तरीकों से अवगत करवाया जाएगा। संत प्रवर तन, मन और चेतना के आरोग्य के लिए योगाभ्यास और पावरफुल मेडिटेशन के साथ कैसे जिए हैप्पी फुल लाइफ विषय पर संबोधन देंगे।

संबोधि धाम के महामंत्री अशोक पारख ने बताया कि हैदराबाद से 800 श्रद्धालुओं का संघ कल जोधपुर पहुंचेगा जो संतों से 2020 का आगामी चातुर्मास हैदराबाद में करने की विनती करेगा। कल दोपहर 4 से 7 तक संबोधि धाम में सत्संग सभा का आयोजन होगा।

रोग जांच शिविर आज

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। चौपासनी रोड चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पहला पुलिया स्थित जय विजय मेडिकल परिसर में रविवार को प्रात 9 से 11 बजे तक रोग जांच शिविर का आयोजन किया जायेगा। प्रवक्ता शांतिलाल कोठारी ने बताया कि शिविर में डॉ गोपाल राज प्रजापित निशुल्क परामर्श सेवाएं देंगे। जय विजय मेडिकल के निदेशक विजय प्रजापत ने बताया कि शिविर में निशुल्क परामर्श सेवा के साथ, रोग की जांच की जाएगी। बीपी, शुगर, कैलोस्ट्रोल, हडिडयों की कमजोरी, मौसमी बीमारियां, हिमोग्लोबीन की कमी, सिरदर्द, थाइराईड आदि बीमारियों की जांच कर उचित उपचार किया जाएगा।

दस्तावेजों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने एक आदेश जारी कर पंचायत आम चुनाव-2020 में पंच एवं सरपंच चुनाव के लिए रिटर्निंग अधिकारी को नाम निर्देशन पत्र एवं उसके साथ प्रस्तुत किए गए समस्त दस्तावेज (निक्षेप राशि एवं रसीद बुक के अलावा) जिला निर्वाचन कार्यालय में प्रस्तुत करने पर इन दस्तावेजों को प्राप्त करने एवं जांच के लिए प्रत्येक पंचायत समिति के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किये गए है। आदेश के तहत नियुक्त नोडल अधिकारी दस्तावेज को बक्सों में सीलबंद कर कोषाधिकारी शहर जोधपुर को उपलब्ध करवाएंगे तथा रिटर्निंग अधिकारी से प्रारूप-5 में (निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी) की सूची प्राप्त कर प्रभारी अधिकारी मतपत्र कोषाधिकारी शहर को उपलब्ध करवाएंगे। नियुक्त नोडल अधिकारी सरपंच पद के लिए ई वी एम में लगाये जाने वाले मतपत्र एवं निविदत मतपत्र तैयार करवाने तथा पंच पद के लिए प्रयुक्त होने वाले मतपत्र में अभ्यर्थी के नाम एवं उनके प्रतीक सहित मुद्रण का कार्य करवाएंगे तथा इनकी प्रूफरिडिंग स्वयं करेगें ताकि त्रुटिरहीत मतपत्र तैयार किया जा सकें। इस संपूर्ण कार्य का पर्यवेक्षण प्रभारी अधिकारी स्टोर (जिला रसद अधिकारी) करेंगे।

सावित्री बाई फुले की जयंती मनाई

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। देश की पहली महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले की जयंती को राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत द्वारा महिला शिक्षिका सप्ताह के रूप में मां सरस्वती बीएड कॉलेज में संभाग संयोजक भंवरलाल काला की अध्यक्षता में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सावित्रीबाई फुले को पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि देकर की। संगठन 30 दिसंबर से 5 जनवरी तक बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सेमिनार आयोजित कर रहा है। संभाग संयोजक त्रिलोक राम नायल ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में भवानी सिंह फडक, मांगीलाल मेघवाल, जगदीश दांगी, जरूरी लाल बिश्नोई, दयाल राम चौधरी, राजाराम व भंवरलाल मौजूद रहे।

ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। नेहरू युवा केंद्र जोधपुर, युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार दूसरे दिन ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक कुंभाराम प्रजापत व प्रेम प्रकाश द्वारा बाप ब्लॉक के बारु गांव में किया गया जिसमें कबड्डी खो-खो, वॉलीबॉल फुटबॉल का फाइनल मुकाबला हुआ। इसमें वॉलीबॉल में धोलिया टीम विजय रही।

खो-खो में बारू टीम विजेता रही कबड्डी में खींवज क्लब विजेता रही। फुटबॉल में फलोदी टीम विजेता रही। इसके साथ दो दिवसीय बाप ब्लॉक स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का समापन समारोह में मुख्य अतिथि आरएएस राजेंद्रसिंह ने कहा कि खेल से एकाग्रता बढ़ती है जिससे मानसिक विकास होता है। मुख्य अतिथि आरएएस राजेंद्र सिंह, खींवसिंह, पदमसिंह, खेत सिंह फौजी बाबर खान की मौजूदगी में आयोजन हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक कुंभाराम प्रजापत, प्रेमप्रकाश नथाणी, प्रद्युम्न सिंह, रघुवीर सिंह, चतुर सिंह, शिवजीत सिंह, शैलेंद्र सिंह, शंभू सिंह व पूनम सिंह मौजूद थे।

मुख्यमंत्री को प्रतिमा की फोटो भेंट करते पुजारी। जलतेदीप

गहलोत ने गजानन मंदिर में दर्शन किए

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रातानाड़ा स्थित प्रकट गणेशजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मंदिर के पुजारी आनंदस्वरूप, कृष्ण मुरारी, महेश, नरेश ने बताया कि गहलोत ने मंदिर में पूजा अर्चना कर राज्य व देश में खुशहाली की कामना करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर के सुरेश अबोटी, उमेश अबोटी कमल किशोर, प्रदीप, मोतीलाल व सुनील ने बताया कि मंदिर परिसर में पुजारी परिवार ने मुख्यमंत्री का माला, साफा एवं प्रतिमा की फोटों भेंट कर स्वागत करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

मेडिकल कॉलेज को वेबसाईट अप टू डेट का अंशदान

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। अमेरिका में कार्यरत चिकित्सक डॉ विनोद संचेती ने शनिवार को डॉ संपूर्णानंद मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों कार्यरत स्टाफ एवं शोधार्थियों के उपयोग के लिए वेबसाइट अप टू डेट का दो वर्ष का अंशदान प्रदान किया।

राजमाई एसोसिएशन राजस्थान के अमेरिका में बसे हुए चिकित्सकों

की संस्था हैं। यह अंशदान एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ एसएस राठौड़ को दो वर्ष के लिए वेबसाईट अप टू डेट के लिए प्रदान किया गया। इसकी प्रति वर्ष कीमत 800 ए एस डॉलर होती है। डॉ राठौड़ ने बताया कि आज के इलेक्ट्रोनिक युग में यह वेबसाईट चिकित्सकीय शोध के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस वेबसाईट में चिकित्सा शिक्षा एवं शोध से संबंधित विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा नियमित रूप से संशोधित एवं परिष्कृत लेख प्रकाशित किए जाते है। उल्लेखनीय है डॉ एसएन मेडिकल कॉलेज के 1981 बैच के चिकित्सक डॉ विनोद संचेती वर्तमान में अमेरिका में कार्यरत है। इस अवसर पर वर्ष 1981 बैच के चिकित्सक डॉ हर्ष भाटी, डॉ अनुराग गुप्ता, डॉ प्रदीप भादिया, डॉ विनय अभिचंदानी, डॉ संदीप देवड़ा, डॉ मुकेश गुप्ता एवं डॉ सुनील बिष्ट उपस्थित थे।

हेल्थ एंड वेलनेस डे आज

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। पावटा बी रोड स्थित विद्याश्रम पब्लिक स्कूल में 5 जनवरी को हेल्थ एण्ड वेलनेस डे का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य खेलों द्वारा बच्चों कां विकास कैसे हो, इस पर प्रकाश डाला जाएगा। स्कूल डायरेक्टर निहाली जैन ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 7.30 बजे मैत्री मिनी मैराथन से होगी जो विद्यालय प्रांगण से प्रारंभ होकर मीरा बाग पर समाप्त होगी जिसमें कक्षा प्रथम व द्वितीय के बच्चे और उनके अभिभावक भाग लेंगे। इसके बाद योगा, जुम्बा, एरोबिक्स की विभिन्न मुद्राएं व आसन सिखाए जाएंगे। कार्यक्रम को पांच भागों जिसमें बौद्धिक विकास, शारीरिक विकास, भावनात्मक विकास, संज्ञानात्मक विकास व सामाजिक विकास में विभाजित गया है।

प्रसारण निगम जोधपुर ज़ोन की खेलकूद प्रतियोगिताएं शुरू

जोधपुर, 4 जनवरी(कासं)। प्रसारण निगम जोधपुर जोन के कर्मचारियों व अधिकारियों की खेलकूद

प्रतियोगिताओ का आज मुख्य अभियंता बी पी चौहान ने न्यू पावर हाउस में किया । इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष एम के सोनी, उप निदेशक शेलेन्द्र वशिष्ट, इंटक नेता व आयोजन समिति सदस्य मण्डल दत्त जोशी सहित प्रतियोगी उपस्थित थे। आज केरम, शतरंज व बैडमिंटन के मुकाबले शुरू हुए। जिसमे कॉम्युनिकेशन के जगदीप सोलंकी शतरंज में विजेता व एस के वर्मा उप विजेता बने।

पंचायती चुनाव के लिए प्रशिक्षण शुरू

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। पंचायती राज आम चुनाव के लिए रिटर्निंग व मतदान अधिकारियों का प्रशिक्षण शनिवार से शुरू हो गया। प्रशिक्षण शाखा के प्रभारी अधिकारी सोहन लाल शर्मा ने बताया कि शनिवार को शनिवार को पंचायती राज आम चुनाव 2020 के लिए रिटर्निंग व मतदान अधिकारियों को प्रथम प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम जयनारायण व्यास स्मृति भवन में आयोजित किया गया। अब सात और बारह जनवरी को दो पारियों में प्रातः 10 बजे से दोपहर एक बजे तक द्वितीय प्रशिक्षण व दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक प्रथम प्रशिक्षण के साथ 19 जनवरी को एक सत्र में प्रातः 10 से एक बजे तक द्वितीय प्रशिक्षण जयनारायण व्यास स्मृति भवन में आयोजित किया जाएगा। प्रभारी प्रशिक्षण शाखा द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुसार 10, 11 व 13 जनवरी को प्रातः 10 से एक बजे व दोपहर 2 से 5 बजे तक डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज में मतदान दलों का प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित होगा। इसी के साथ 14 जनवरी को प्रातः साढे ग्यारह बजे से जयनारायण व्यास स्मृति भवन में सेक्टर अधिकारियों व पुलिस अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित होगा। वहीं 16, 21 व 28 जनवरी को राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में मतदान दलों का अंतिम प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

छात्रा ज्योति फ्रांस जाएगी

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। राजमाता कृष्णा कुमारी गर्ल्स पब्लिक स्कूल की छात्रा ज्योति कंवर का चयन एशिया, यूरोप के बीच आपसी ज्ञान और समझ को बढ़ावा देने, औपचारिक और गैर औपचारिक वैश्विक जागरूकता व शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए फ्रांस जाने के लिए हुआ है। प्राचार्या नीरासिंह ने बताया कि ज्योति कंवर फ्रांस में तीन महीने रहकर अनेक परियोजनाओं का हिस्सा बनेगी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रतिभागी ज्योति कंवर को सांस्कृतिक, लिंग, विश्वास व अन्य मतभेदों के बारे में जानने, समझने और सम्मान करने के लिए एक अलग संस्कृति से परिचित कराया जायेगा, जो अपने व्यक्तित्व, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और राष्ट्रीयता से परे दुनिया के बारे में जागरूकता बढ़ाएगा। उन्होंने बताया कि छात्राओं को हर वर्ष ग्लोबल सिटीजन के रूप में पहचान बनाने के लिए एक मौका दिया जाता है।

नींव खोदते समय मिट्टी ढहने से श्रमिक की मौत

घायल युवक ने दम तोडा, चार जुआरी गिरफ्तार, चाकू सहित एक युवक गिरफ्तार

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम नींव खोदते समय मिट्टी ढहने से दबे एक श्रमिक की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने आज मृतक के भाई की रिपोर्ट पर कार्रवाई की और दोपहर में शव का पोस्टमार्टम करवाया। पुलिस ने बताया कि प्रतापगढ के कानगढ़ सलमगढ़ निवासी रामू (30) पुत्र दूलिया मीणा शुक्रवार देर शाम को दाऊ की ढाणी प्रतापनगर क्षेत्र में एक प्लॉट पर नींव खोद रहा था।

इस बीच वहां पर अचानक मिट्टी भरभरा कर ढह गई। हादसे में वह मिट्टी में दब गया। तब साथ काम करने वाले श्रमिकों की मदद से उसे मिट्टी से बाहर निकाला गया। उसे तत्काल मथुरादास माथुर अस्पताल लाया गया लेकिन कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार सुबह कार्रवाई की और शव परिजनों को सौंपा। फिलहाल इस बारे में मर्ग की कार्रवाई की गई है।

घायल युवक ने तोड़ा दम- छह दिन पूर्व खेजड़ी से गिरकर घायल हुए एक युवक की इलाज के दौरान एमडीएम अस्पताल में मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि चूरू जिले के सांडवा थानान्तर्गत लालगढ़ निवासी हरदेवाराम पुत्र घीसाराम मेघवाल गत वर्ष 29 दिसंबर को अपने खेत में खेजड़ी छांग रहा था। तब खेजड़ी से सिर के बल गिरने पर गंभीर रूप से घायल हो गया था। परिजन पहले उसको इलाज के लिए नागौर अस्पताल और वहां से रैफर करने पर एमडीएम अस्पताल लेकर गए जहां पर उसने आज सुबह दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतक के भाई शिवराम मेघवाल की रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज किया।

चार जुआरी गिरफ्तार- सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बासनी थाने के हैड कांस्टेबल ईश्वरसिंह ने ट्रांसपोर्ट नगर बासनी में ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे रूपसिंह पुत्र भंवरसिंह, मुराद पुत्र सफी खान, प्रभुराम पुत्र मांगीलाल को गिरफ्तार कर 710 रुपए की राशि और ताश की जोड़ी जब्त की। इसी तरह सदर कोतवाली थाने के हैडकांस्टेबल खरताराम ने घंटाघर परिसर में गुब्बाखाई कर रहे सूरजसिंह पुत्र मांगीसिंह को गिरफ्तार कर 2180 रुपए की राशि और पर्चियां जब्त की।

चाकू सहित युवक गिरफ्तार- सदर बाजार थाने के हैडकांस्टेबल चंचलप्रकाश ने गश्त के दौरान घंटाघर घुमटी के पास धारदार चाकू लेकर घूम रहे मोहम्मद असफाक पुत्र मजीद खां को गिरफ्तार किया।

जिज्ञासा

क्या है सायक्लोन

बच्चो, जब तेज हवाएं चलती हैं, तो आपने देखा होगा कि कई जगह हवा के साथ गोल-गोल घेरे बन जाते हैं। मगर क्या आप जानते हैं कि इन घेरों को वैज्ञानिक भाषा में क्या कहा जाता है और धरती व पानी में बनने वाले इन चक्रवातों में क्या अंतर है?

अलग-अलग जगहों पर बनने वाले इन घेरों को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। असल में हवा जब तूफानी तरीके से घेरा बनाकर चलती है, तो उसे सायक्लोन कहते हैं। यह घेरेदार तूफान अपने बीच पड़ने वाली सारी चीजों को उलट-पलटकर रख देता है। अब सायक्लोन भारत के तटीय प्रदेशों के किनारों से उठने वाले तूफान के लिए उपयोग में लाया जाता है। हरिकेन और टायफून भी इसी तरह के तूफान के लिए प्रयोग में आते हैं बस जगह का अंतर है। फ्लोरिडा के तट से उठने वाला तूफान हरिकेन कहलाता है, जबकि फिलीपीन्स के तट पर आकर यह टायफून हो जाता है। हरिकेन अटलांटिक महासागर से उठता है और टायफून प्रशांत से। हरिकेन और टायफून जलीय तूफान है, जो पानी की सतह से उठते हैं, वहीं दूसरी ओर टोरनेडो जमीन पर उठने वाले तूफान को कहते हैं। वैसे हर तूफान अपने साथ बर्बादी लाता है, फिर भी हरिकेन और टायफून के मुकाबले, टोरनेडो कम बर्बादी मचाता है। अमरीका में टोरनेडो को बोलचाल की भाषा में ट्विस्टर कहते हैं।

डाक टिकटों का खजाना

डाक टिकटों का जादू बेमिसाल है। शायद ही कोई व्यक्ति हो, जो किसी न किसी दौर में इस तिलिस्म से होकर न गुजरा हो। तो चलें, खोलें कुछ रोचक रहस्य और जानें डाक टिकटों के बारे में...

डाक टिकटें सिर्फ चिट्ठियों की रसीदें नहीं हैं। इनसे बहुत से विषयों पर कई प्रकार की जानकारी मिलती है। ये अनेक देशों और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की सांझा धरोहर हैं। ये टिकटें विभिन्न देशों के इतिहास, प्राकृतिक सौंदर्य और संस्कृतियों की सांझा अमानत हैं। डाक टिकट खरीदना और बेचना एक व्यवसाय भी है। अमरीका में डाक टिकट इकट्ठे करना सबसे प्रसिद्ध हॉबी है। बहुत से बच्चे जिन्होंने जीवन में कभी टिकट जमा नहीं किए, शायद यह लेख पढ़ने के बाद इस शौक में डूबेंगे।

पहली डाक टिकट

1840 में इंग्लैंड में पहली डाक टिकटें 'द पैनी ब्लैक' जारी की गईं। इनका यह नाम इसलिए पड़ा, क्योंकि इन टिकटों की कीमत एक पैनी थी और टिकट का रंग काला था। इस टिकट पर महारानी वि टोरिया का चित्र अंकित था। 6 मई 1840 को दुनिया की सबसे पहली डाक टिकट के जन्म दिवस के तौर पर याद रखा जाता है। इसलिए इस दिन को वर्ल्ड्स फर्स्ट स्टैंप डे के तौर पर मनाया जाता है।

पहली आधुनिक डाक टिकट अमरीका द्वारा 1847 में जारी की गई। कुछ लोगों का मानना है कि इसे अमरीका के पहले पोस्ट मास्टर जनरल बैंजमिन फ्रैंकलिन ने मान्यता दी, जबकि कुछ मानते हैं कि इसे पहले राष्ट्रपति जार्ज वशिंगटन ने मान्यता दी।

स्टैंप क्लैक्शन

एक अनुमान के मुताबिक अमरीका में 20 मिलियन लोग डाक टिकट इकट्ठी करते हैं। कुछ देशों में तो डाक टिकट केवल स्टैंप क्लैक्शन के शौकीन लोगों के लिए ही जारी किए जाते हैं। इनका इस्तेमाल पत्रों पर नहीं होता। ये देश सिर्फ पैसा कमाने के लिए ही इन डाक टिकटों की छपाई करते हैं।

गलत छपाई

साल 1918 में कई डाक टिकटों पर भूलवश हवाई जहाज की उल्टी छपाई हो गई थी। उन्हें 'विचित्र जेनी' डाक टिकट के नाम से जाना जाता है। उन डाक टिकटों में से केवल 100 ही मिल पाई हैं, जोकि अमूल्य हैं।

1903 में आईलैंड के सैंट कीट्स ने डाक टिकट पर क्रिस्टोफर कोलंबस का एक चित्र अंकित किया, जिसमें उन्हें टैलिस्कोप में देखते हुए दर्शाया गया था। लेकिन इसमें भी चूक हो गई, क्योंकि टैलिस्कोप की खोज कोलंबस की मृत्यु के बाद ही हुई थी।

हूबहू चित्र

ऐसे टिकट बहुत ही कम देखने में आते हैं, जिनमें चित्र हूबहू एक हो, पर देशों के नाम अलग-अलग हों। इनमें से एक टिकट पर थाईलैंड का नाम अंकित है और दूसरे पर कैनेडा का। डाक टिकटों की दुनिया में यह एक विशेष उदाहरण है जब कैनेडा और थाईलैंड ने संयुक्त रूप से एक-से डाक टिकटों का प्रकाशन कर दो देशों के बीच सहयोग के नए दस्तावेज पर मोहर लगाई थी। कैनेडा पोस्ट के अध्यक्ष आंद्रे ओले ने इन्हें जारी करते हुए कहा था, 'ये टिकटें न केवल हमारे दोनों महान् देशों के, बल्कि दोनों देशों के डाक-विभाग के बीच अद्वितीय सहयोग की भी प्रतीक हैं। ये दोनों देशों और उनकी जनता के बीच राजदूत की भूमिका अदा करेंगी।'

मजेदार तथ्य

- एक सर्वे के मुताबिक 200 देशों में डाक टिकटों की छपाई पिछले 150 सालों से हो रही है। अलग-अलग तरह की करीब 5 लाख डाक टिकटें दुनिया भर में हर साल जारी की जाती हैं।
- 1973 में भूटान में म्यूजिक रिकॉर्ड्स जैसी डाक टिकटें जारी की गईं। ये सचमुच बहुत रोचक थीं, क्योंकि जब आप इस डाक टिकट को किसी रिकॉर्ड प्लेयर पर लगाते थे, तो यह भूटान का राष्ट्रीय गीत बजाती थी।
- फरवरी 1964 में सियरा लियोन ने पहली सैल्फ-एडहैसिव स्टैंप्स जारी की।
- डाक टिकट पर पहली व्यक्तिगत फोटो विलियम शेक्सपियर की छपी थी। इससे पहले केवल शाही लोगों के ही चित्र टिकटों पर अंकित होते थे।
- साल 1993 में अमरीका के रॉक स्टार एलविस प्रैसली की तस्वीर वाली डाक टिकट बहुत मशहूर हुईऔर उसी साल 120 मिलियन डाक टिकटें बिक गई थीं।
- ब्रिटेन एकमात्र ऐसा देश है जिसकी डाकटिकटों पर उसका नाम अंकित नहीं किया जाता।
- पैसिफिक आइलैंड टोंगा में केले के आकार की डाक टिकटें जारी की गई थीं।
- 1863 में कोलंबिया के राज्य बोलिवर ने सबसे छोटी डाक टिकट जारी की, जोकि 9.5×3.8 एमएम की थी।
- ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसी डाक टिकट जारी की गई, जो एकदम रत्न जैसी दिखती थी। इसे बनाने के लिए विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया गया। ओपेल जैसी दिखने वाली डाक टिकट 1995 में जारी की गई और 1996 में असली हीरे जैसी दिखने वाली डाक टिकटें जारी की गईं।
- स्पैशल क्रिसमस स्टैंप्स सबसे पहले 1966 में जारी की गईं, जिसकी छपाई करने वाली कंपनी रॉयल मेल हर साल 480 मिलियन स्टैंप्स तैयार करती है।
- राष्ट्रीय टिकट संग्रहालय दिल्ली में है। यहां दुनिया भर के डाक टिकटों का अनूठा संग्रह है। यह संग्रहालय डाक भवन, सरदार पटेल चौक, नई दिल्ली में स्थित है। यहां स्टैंप कलैक्शन के शौकीन दुनिया भर की टिकटें खरीद भी सकते हैं।

अजंता-एलोरा की गुफाएं

अजंता-एलोरा की गुफाएं हमारे इतिहास की अमूल्य धरोहर हैं। महाराष्ट्र के औरंगाबाद के निकट स्थित चट्टानों को काट कर बनाई गईं ये गुफाएं दुनिया भर में विख्यात हैं। अजंता औरंगाबाद से 106 किमी दूर है, तो एलोरा मात्र 26 किमी।

इन गुफाओं का वास्तुशिल्प और चित्रकला देख कर आप दंग रह जाएंगे। इसी विशेषता के कारण क़रीब डेढ हजार साल पुरानी ये गुफाएं आज भी पर्यटकों को प्रभावित करती हैं।

अजंता में कुल 29 गुफाएं हैं, जो कि नदी द्वारा निर्मित एक प्रपात के दक्षिण में स्थित हैं। इनकी नदी से ऊंचाई 35 से 110 फुट तक की है। अर्धवृत्ताकार पहाड़ी में स्थित इन गुफाओं को चट्टानें काटकर बनाया गया है। ये सभी बौद्ध धर्म को समर्पित हैं। इनमें कुछ मूर्तियां भी विद्यमान है।

एलोरा गुफाएं अपने मूर्तिशिल्पों के कारण ही प्रसिद्ध हैं। एलोरा में कुल 34 गुफाएं हैं। पत्थरों को काट कर बनाई इन गुफाओं में 12 बौद्ध धर्म से जुड़ी हैं, 5 जैन तथा शेष 17 गुफाएं हिंदू मंदिरों के रूप में हैं। एलोरा की सभी गुफाएं छठीं से 10वीं शताब्दी के मध्य बनी हैं। ये भव्य गुफाएं और यहां के मूर्तिशिल्प महान कलासाधक शिल्पियों के अथक प्रयास के परिणाम हैं।

पत्थर पर उकेरे गए जीवन के विभिन्न आयामों को प्रदर्शित करते खजुराहो के देवालय आज दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। चंदेल राजाओं द्वारा इन भव्य मंदिरों का निर्माण एक हजार साल पहले करवाया गया था। उत्कृष्ट वास्तुकला और भित्तियों पर सजी सर्वोत्तम मूर्तिकला के कारण इन मंदिरों को आज विश्व विरासत का दर्जा प्राप्त है। इन मंदिरों की दीवारों पर जड़ी मूर्तियां भी इनकी विश्व में ख्याति का कारण हैं।

आज यहां केवल 22 मंदिर शेष हैं। इनमें से कुछ पंचायतन, तो कुछ सप्तरथ शैली में बने हैं। इनमें मतंगश्वर मंदिर सबसे प्राचीन है। खजुराहो के मंदिर तीन हिस्सों में बंटे हैं। यहां के महत्वपूर्ण मंदिर पश्चिमी समूह में विद्यमान हैं। पूर्वी मंदिर समूह में तीन हिंदू तथा चार जैन मंदिर हैं।

लघुकथाएँ

बहुरूपिया

काले भैंसे पर बैठे सजे-धजे यमराज ने मेरे दरवाजे पर जोर से आवाज लगाई, 'खबरदार मैं तुझे लेने आया हूँ। तेरी जान लूँगा।'

मैंने कहा- 'नहीं दूँगा। अभी मैं स्वस्थ और जवान हूँ।'

वह बोला- 'तेरी माँ को ले जाता हूँ। वह बूढ़ी है?'

मैंने कहा- 'नहीं ले जाने दूँगा। उसे नाती-पोते का ब्याह, देखना है।'

वह बोला- 'तो पाँच सौ का नोट निकाल।'

मैंने कहा- 'नहीं दूँगा।'

वो बोला 'चल महीने का आखरी दिन है, पचास का ही नोट दे।'

मैंने कहा- 'नहीं दूँगा।'

फिर बोला- 'ला एक कटोरी देशी घी दे दे।'

मैंने कहा- 'नहीं दूँगा। इससे तो अच्छा मेरी जान ही ले लो।'

यमराज बोले- 'जान लेने से मेरा पेट नहीं भरेगा। अच्छा तो एक कटोरी आटा ही दे दे।'

तब मैंने कहा- 'अभी लाता हूँ' और मेरे आटा देते ही वह बहुरूपिया दुआ देकर अगले घर को चला गया।

जीप का प्रचलन कैसे हुआ?

बच्चो, किसी चीज का नाम कैसे पड़ता है, यह जानना अपने आप में बहुत रौचक है। कई ऐसे शब्द हैं, जिनका प्रचनल बस यूं ही खेल-खेल में हो गया। आज हम आपको ऐसे शब्द के बारे में बताने लगे हैं, जो आपने अक्सर सुना होगा। सुना ही नहीं आपने इसे देखा भी होगा। यह शब्द है 'जीप'। युवाओं की यह पसंदीदा सवारी मानी जाती है। यह शब्द कैसे अस्तित्व में आया, आइए जानें-

इसके प्रचलन में आने में कई रोचक बातें शामिल हैं। यह शब्द सबसे पहले अमरीका में प्रयोग किया गया।

जीप यानी ऐसी गाड़ी, जो आज से पहले सबसे अधिक दिखने वाले वाहनों में आती थी और जिसे आज भी लोग तथा सेना में फौजियों और सामान को लाने ले जाने में प्रयोग किया जाता है। मगर फौजियों को ढोने से पहले इसके बारे में कई रोचक बातें भी प्रचलित हुईं। जब यह अजीब-सा बक्सानुमा वाहन अपनी उत्पत्ति के दौर से गुज़र रहा था उसी दौरान यह शब्द 'जीप' अपने नए-नए अर्थों में सामने आ रहा था।

चार पहियों वाली इस आधा टन भारी गाड़ी को अमरीकी फौज के खास उद्देश्य के लिए सितंबर 1940 में तैयार किया गया, लेकिन इस के डिजाइन की तैयारी और इसके नाम की शुरुआत 30 के दशक में ही शुरू हो चुकी थी। वास्तव में इसी तरह की एक गाड़ी का डिजाइन एक टैंक कैप्टेन ने 1932 में तैयार किया था, लेकिन उसने उसका कोई नाम नहीं रखा था। उसके बाद से इस पूरे दशक में इसकी तैयारी में कम से कम तीन विभिन्न निर्माता शामिल रहे। इसी बीच शब्द जीप भी अपने विकास के चरणों से गुजरता रहा। पहले-पहल फौजी शब्दावली में इसका अर्थ 'रंगरूट' लिया गया, फिर इसे एक बेढ़ब और अनुपयुक्त या न फिट होने वाले कोट के अर्थ में लिया जाने लगा, और फिर इसे थोड़े दिनों तक पाइलटों के सहप्रशिक्ष को के लिए भी इस्तेमाल किया गया।

उसी जमाने में 16 मार्च 1936 में 'यूजीन दी जीप' (Eugene the Jeep) का पात्र पोपाइ कॉमिक्स (Popeye Comics) में शामिल किया गया। यह पात्र यूजीन देखने में यूं तो छोटा था, लेकिन वह बहुत शक्तिशाली प्राणी था, जोकि 'जीप जीप' चिल्लाया करता था। शब्द जीप की इस पृष्ठभूमि और इसके विभिन्न अर्थों में प्रयोग ने फौजी और आम जनता के इस नए वाहन को जीप का नाम दे दिया, जोकि आने वाली नई नस्ल के लिए दुनिया भर में एक ही अर्थ में प्रयोग होने वाला शब्द बन गया। दूसरे विश्व-युद्ध में अमरीकी फौजियों ने जीप और उसके अर्थ को पूरे विश्व में फैला दिया। विश्व-युद्ध के बाद जीप ने सामान्य नागरिक में अपनी पकड़ बनाई और इस डब्बे-नुमा चार पहिया वाहन (जो चारों ओर से खुला हुआ होता था) का सामान्य और जोखिम भरे कार्यों के लिए प्रयोग होने लगा। आज यह गाड़ी बहुत पसंद की जाती है। इसका प्रयोग अधिकतर भारी कामों और दुर्गम रास्तों पर अधिक होता है।

सबसे बड़ी पुस्तक

म्यांमार देश में पत्थर से बनी एक विशाल पुस्तक है। यह संगमरमर से बनी हुई है। माली भाषा में लिखी इस पुस्तक में कुल 1460 पन्ने हैं। प्रत्येक पेज की लंबाई 5 फुट, चौड़ाई 3.5 तथा मोटाई आधा फुट है।

कंप्यूटर की-बोर्ड बनाने वाला

कंप्यूटर कीबोर्ड के अक्षरों की सैटिंग क्वार्टी यानी QWERTY ने की थी। अपने कंप्यूटर कीबोर्ड पर नजर डालिए। अंग्रेजी अक्षरों की पहली पक्ति के पहले छह अक्षर यही हैं।

हम बताएं, आप बनाएं

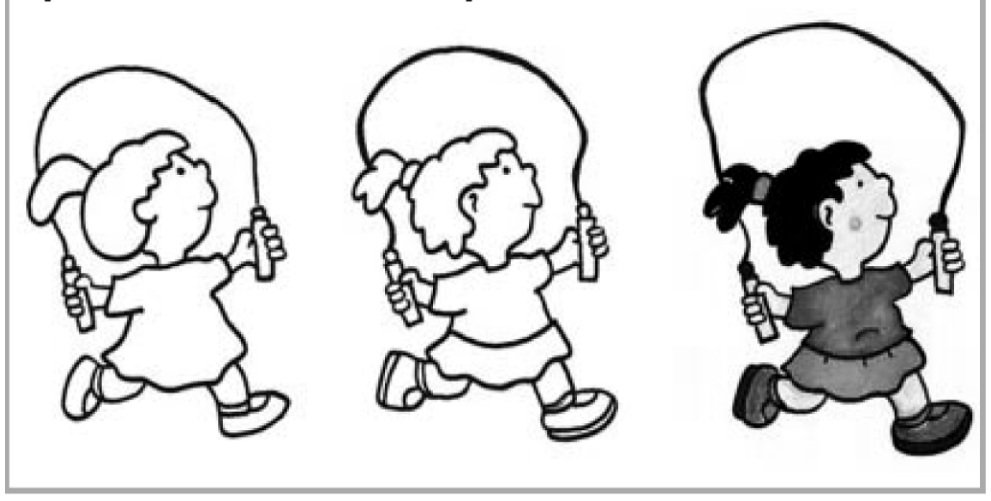

रास्ता ढूंढो

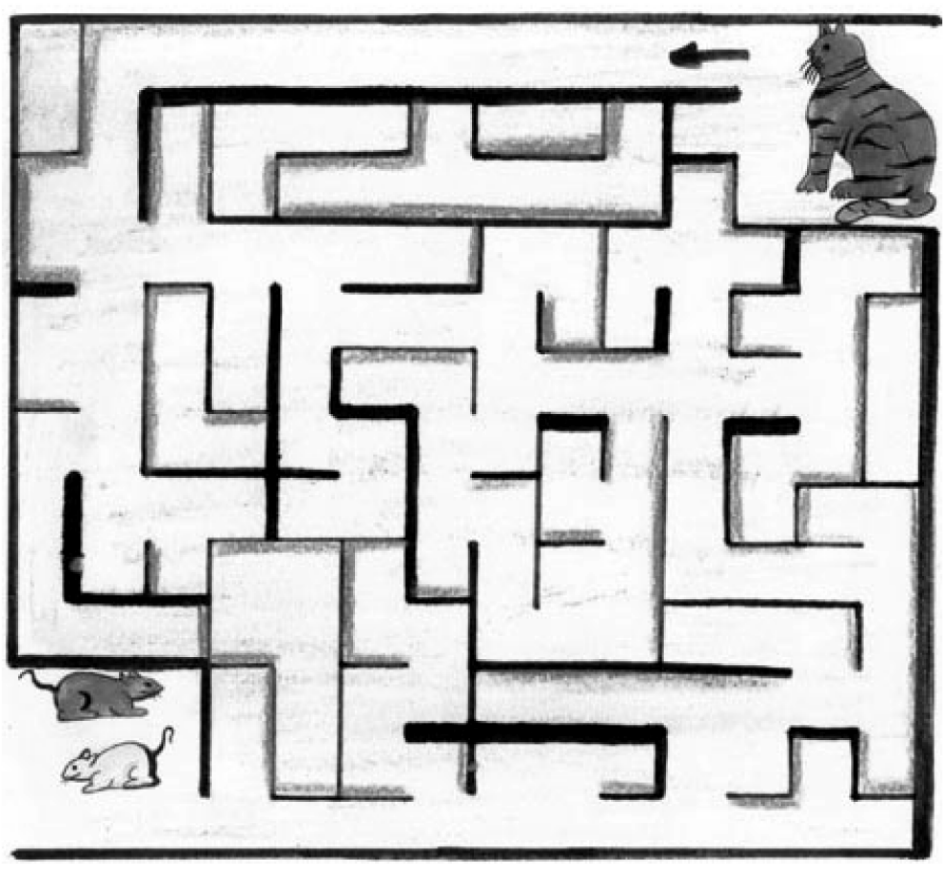

हफ्तावारी चित्र

काव्या, जोधपुर

सुझाव

घरेलू उपायों से करें पेट के कीड़े साफ

गलत खान-पान की वजह से पेट में कीड़े की समस्या हो जाती है। यह समस्या ज्यादातर बच्चों में देखी जाती है लेकिन कई बड़े लोगों के पेट की आंतों में भी कीड़े हो सकते हैं। इस वजह से रोगी को बेचैनी, पेट में गैस, बदहजमी और बुखार जैसी कई प्रकार की परेशानियां हो सकती हैं। ऐसे में रोगी को कुछ खाने-पीने का मन नहीं करता और चक्कर आने लगते हैं। गंदी और अशुद्ध हाथों से बनी चीजें खाने से यह समस्या हो सकती है। इसके लिए लोग डॉक्टरों के पास जाकर इलाज करवाते हैं लेकिन कुछ घरेलू उपचार करके भी इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।

काला नमक

काला नमक और अजवायन का इकठ्ठा सेवन करने से भी फायदा होता है। इसके लिए चुटकी भर काले नमक में आधा ग्राम अजवायन का चूर्ण मिलाएं और रोजाना रात के खाने के बाद इसका सेवन करें।

अजवायन

पेट की किसी भी प्रकार की समस्या होने पर अजवायन काफी फायदेमंद रहती है। ऐसे में पेट के कीड़ों को मारने के लिए भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आधा ग्राम अजवायन में समान मात्रा में गुड़ लेकर दोनों को पीस लें और चूर्ण बना लें। दिन में 3 बार इस चूर्ण का सेवन करने से कीड़े पूरी तरह खत्म हो जाते हैं।

अनार के छिलके अनार के छिलकों को सूखाकर इसका चूर्ण बना लें और दिन में 3 बार 1-1 चम्मच लें। कुछ दिन तक लगातार इसका सेवन करने से फायदा होता है।

नीम के पत्ते नीम के पत्तों में एंटीबॉयोटिक होता है जो पेट के कीड़ों को नष्ट करने में मदद करता है। इसके लिए नीम के पत्तों को पीसकर उसमें शहद मिलाकर रोज सुबह पीने से कीड़े नष्ट हो जाते हैं।

तुलसी पेट के कीड़ों को दूर करने के लिए तुलसी के पत्तों को पीस कर इसका रस निकाल लें। दिन में दो बार 1 चम्मच इस रस को पीने से पेट के कीड़े मर जाते हैं। इसके अलावा यह पेट की आंतों को भी अच्छे से साफ करने में मदद करता है।

लहसुन लहसुन को पीस कर उसकी चटनी बना लें और उसमें थोड़ा-सा सेंधा नमक मिलाकर सुबह-शाम खाने से पेट के कीड़े नष्ट हो जाते हैं।

फेस्टिव सीजन में अगर आप भी दिखना चाहती है फैशनेबल

आज की भारतीय महिलाएं वैश्विक फैशन से प्रेरित हैं और प्रयोग करने में बिल्कुल हिचकिचाती नहीं हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस त्योहार के सीजन में परंपरागत शैली के आभूषण को आधुनिक शैली के आभूषणों के साथ पहनना चलन में है। इशर्या (कन्फलयूएसं बाई स्वारोस्की) ब्रांड की गौरी और राधिका टंडन, आम्रपाली ज्वैर्ल्स की सीईओ **आकांक्षा अरोड़ा** और चार्म्सडे की सीईओ पारुल नागपाल ने कुछ इस सीजन चलन में रहने वाले आभूषणों के बारे में ये जानकारियां दी है...

अपनी व्यक्तिगत स्टाइल और सिग्नेचर लुक के अनुसार तैयार होना आजकल फैशन में है और पारंपरिक आभूषणों को आजकल चलन में बने हुए आभूषणों के साथ संयोजन कर पहनने से आपको सबसे अलग अपना स्टाइलिश लुक पाने में मदद मिलती है। इस त्योहार के सीजन में अलग अंदाज में नजर आने के लिए आप गले के लंबे हार के साथ एक कम लंबाई वाला हार और परंपरागत कड़े के साथ कफ्स या चौड़ा ब्रेसलेट पहन सकती हैं। आप ब्रेसलेट के साथ प्रयोग कर सकती हैं। आप स्नेक चेन ब्रेसलेट, बैंगल या लेदर ब्रेसलेट पहन सकती हैं। ये भारतीय और पश्चिमी परिधान दोनों के साथ जंचते हैं।

बैकलेस ब्लाउज पहनने से पहले इन बातों का रखें ख्याल

शादी हो या पार्टी या फिर चाहे कोई खास फंक्शन ज्यादातर महिलाये बैकलेस ब्लाउस ही पहनना पसंद करती है और ऐसे ब्लाउस में महिलाएं काफी खूबसूरत भी नजर आती है इसलिए बैक यानी पीठ भी खूबसूरत दिखना जरुरी है। क्योकि अगर पीठ खूबसूरत होगी तो आपकी सुंदरता और भी झलकेगी और आपका लुक भी सब से डिफरेंट दिखेगा। तो इसलिए पीठ को खूबसूरत रखने के लिए इन बातों पर जरूर ध्यान दे।

बैकलेस कपड़ों का लुक तभी निखरता है जब पीठ सुन्दर हो इसलिए हफ्ते में तीन दिन पीठ की स्क्रबिंग जरूर करे। इसके लिए आप त्वचा के अनुसार ही स्क्रब का चुनाव करे। स्क्रब करने से त्वचा के रोम छिद्र खुल जाते है और गंदगी साफ हो जाती है, साथ ही पीठ खूबसूरत होने के साथ-साथ दमकने लगती है। पीठ के लिए जितना स्क्रबिंग जरुरी है उतना ही मॉश्चयुराइजिंग करना भी जरुरी है, इससे त्वचा में नमी बनी रहती है।

अगर पीठ पर दाग या दाने हो तो इनसे छुटकारा पाने के लिए आप केमिकल पील का प्रयोग कर सकते है साथ ही माइक्रोडर्माब्रेशन जैसी विधियों का इस्तेमाल कर सकते है। ऐसा करने से पीठ की सुंदरता में निखार आने के साथ-साथ चमक भी आएगी और आप आसानी से बैकलेस ब्लाउस पहन सकते है।

एग व्हाइट की मदद से हमेशा के लिए गायब करें अपर लिप हेयर

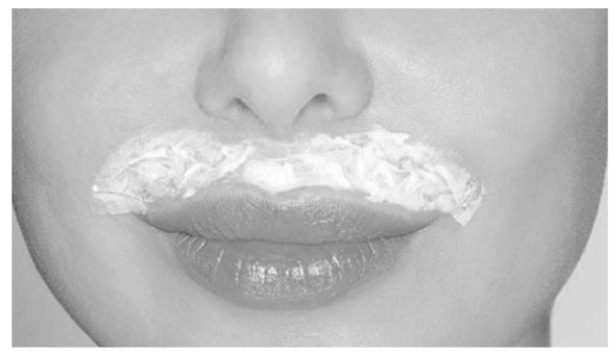

अक्सर महिलाएं अपर लिप करवाने के लिए हेयर रिमूव या थ्रेड का सहारा लेती हैं, लेकिन इसकी बजाए आप घरेलू तरीकों से भी अपर लिप कर सकती हैं। एग व्हाइट की मदद से आप होठों के ऊपर के बालों को हमेशा के लिए गायब कर सकती हैं। इससे कोई नुकसान भी नहीं होता और आपको दर्द भी नहीं झेलना पड़ता। आइए जानते हैं कि किस तरह एग व्हाइट की मदद से आप अपर लिप के हेयर आराम से रिमूव कर सकती हैं।

ऐसे बनाएं पेस्ट

अपर हेयर रिमूव पेस्ट बनाने के लिए सबसे पहले आप एक अंडे के व्हाइट वाले हिस्से, एक चम्मच कॉर्न फ्लोर और एक चम्मच चीनी को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। स्टीकी होने जाने पर इसे 30 मिनट तक लिप्स पर लगाएं। अच्छी तरह सूखने पर इसे वैक्स की तरह उतार लें। इसे एक हफ्ते में दो बार इस्तेमाल करने पर ही आपकी ग्रोथ में कमी आने लग जाएगी।

अन्य फायदे

इस पैक को 10 मिनट चेहरे पर लगाकर रखने से स्किन सॉफ्ट होती है। इसके अलावा इसका इस्तेमाल आप चेहरे पर आ रहे बालों को उतारने के लिए भी सकती हैं।

अन्य प्राकृतिक उपाए

आप चना दाल का आटा, चीनी, दही, ग्रेम और हल्दी का मिश्रण से भी अपर हेयर लिप्स रिमूव कर सकती हैं।

काले कपड़ों की सफाई

काले रंग के कपड़े घर की हर अलमारी में पाए जाते हैं। इसे पहनना काफी लोग पसंद करते हैं, लेकिन यह बहुत ही जल्दी धुलने के बाद फेड भी हो जाते हैं। हमेशा काले रंग के कपड़ों को अलग से साफ करें। गहरे और हल्के रंग के कपड़ों को नहीं मिलाना चाहिए वरना उन पर एक दूसरे का रंग चढ़ जाएगा।कभी भी काले रंग के कपड़ों को 10-15 मिनट से ज्यादा पानी में नहीं भिगोए रखना चाहिए। इससे गहरे रंग के कपड़े जल्दी ही फेड होते हैं। हमेशा काले रंग के कपड़े को धोते वक्त उन्हें उल्टा कर लें। इससे वे बाहर की ओर फेड नहीं होंगे। कपड़े को दो या तीन बार पहनने के बाद ही धोएं। कपड़ों को सूख जाने के बाद उठा लेना चाहिए। ज्यादा देर धूप में कपड़ों का रंग फेड हो जाता है।

बाल पतले हैं तो कोई बात नहीं...

ज्यादातर महिलाएं पतले बाल होने के कारण बालों को खुला रखने में या किसी भी प्रकार का हेयर स्टाइल अपनाने में हिचकती हैं। ऐसे ही पलते व हल्के बालों को खूबसूरत लुक देने के लिए कुछ खास हेयर स्टाइल हैं जो व्यक्तित्व में चार चांद लगा सकते हैं।

घने स्ट्रेट फ्रिंज: यह हेयर स्टाइल बालों को हेवी लुक देता है। इस कट में सामने के बालों को इस प्रकार काटते हैं कि माथे पर सीधे फ्रिंज लटकते हैं जो भौंहों तक हो सकते हैं। यह कट कम उम्र की महिलाओं के लिए बिल्कुल परफेक्ट हो सकता है।

लेयर्स कट: पतले बालों पर बहुत ज्यादा प्रयोग करने की कोशिश न करें। अगर आप सॉफ्ट लेयर्स के साथ शोल्डर लेंथ तक कट करवाएंगी तो आपके बाल थोड़े घने दिखेंगे। आप सॉफ्ट वेव्स या पर्म भी करा सकती हैं। बालों को घना दिखाने के लिए हाईलाइट्स करा सकती हैं। सॉफ्ट टेक्सचर्ड बॉब भी आपके बालों पर अच्छा दिखेगा।

साइड बैंग्स: स्ट्रेट फ्रिंज जैसे ही कट को जब आप तिरछी मांग से सेट करती हैं तो यह साइड बैंग्स हो जाता है। इसमें बाल आंखों पर नहीं पड़ते इसलिए इसमें आराम भी अधिक महसूस होता है।

साइड पार्टिंग: अगर आपके आगे के बाल लंबे हैं तो यह हेयरस्टाइल आप पर अधिक अच्छी लगेगी। इसमें बाल तिरछी मांग से निकालकर माथे को ढंकते हुए पीछे ले जाते हैं। चाहें तो पीछे से इन्हें पिन करके चोटी कर लें, खुला छोड़ दें या फिर पफ का इस्तेमाल करें।

आड़े-तिरछे फ्रिंज: अगर सिर पर बाल बहुत ही हल्के हैं और माथा अधिक चौड़ा है तो आड़े-तिरछे फ्रिंज फबेंगे। इसमें फ्रिंज यानी लेयर्स को कुछ इस तरह काटते हैं कि बालों का कोई एक आकार न दिखे। यानी अलग-अलग आकार के ढेर सारे फ्लिप्स।

मेस्सी बॉब: बॉब कट तो हल्के बालों पर अच्छे लगते ही हैं लेकिन इन्हें शॉर्ट फ्रिंज के साथ बनाया जाए तो ये और भी अच्छे लगेंगे। साथ ही आपके बाल घने भी दिखेंगे।

मेस्सी ब्लंट कट: इसमें ढेर सारे छोटे फ्रिंज के साथ ब्लंट कट दिया जाता है। इसे कैरी करना जितना आसान है, आपके मैच्योर लुक को छिपाने में यह उतना ही कारगर है।

संकेतों से जानें कि शरीर में है कैल्शियम की कमी

शरीर के अलग-अलग हिस्सों के लिए कैल्शियम का अपना काम होता है। इसकी कमी से जोड़ों में दर्द जैसी कई समस्याएं हो जाती हैं। इसके अलावा कैल्शियम की कमी से और भी कई तरह के संकेत देखने को मिलते हैं। कैल्शियम की कमी से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और अक्सर जोड़ों में दर्द होने लगता है। कुछ लोगों को तो इस पोषक तत्व की कमी के कारण रिकेट्स नाम की बीमारी भी हो जाती है।

रेसिपी

ओट्स टिक्की

सामग्री

200 ग्राम ओट्स, 200 ग्राम उबले मैश आलू, 80 ग्राम गाजर कद्दूकस, 1 टेबल स्पून हरी मिर्च, 1/2 टी स्पून अदरक, 2 टेबल स्पून धनिया, 1/2 टी स्पून हल्दी, 1 टी स्पून लाल मिर्च, 1/2 टी स्पून जीरा पाउडर, 1/2 टी स्पून सौंफ, 1 टी स्पून गर्म मसाला, 1 टी स्पून चाट मसाला, 1 टेबल स्पून नींबू का रस, 1 टी स्पून नमक, 2 टेबल स्पून मैदा, 70 मिलीलीटर पानी

विधि

एक पैन में ओट्स लें और इन्हें लाइट ब्राउन होने तक रोस्ट करें। फिर इनमें से 100 ग्राम ओट्स अलग रख दें। एक बाउल में 100 ग्राम रोस्टेड ओट्स लें और उसमें मैश उबले आलू ,गाजर,हरी मिर्च,अदरक,धनिया,हल्दी,लाल मिर्च,जीरा पाउडर,सौंफ,गर्म मसाला,चाट मसाला,नींबू का रस और नमक मिक्स करके मुलायम आटे की तरह तैयार कर लें। हाथ पर इस मिश्रण को थोड़ा सा लें और घोल टिक्की की शेप दें। एक कटोरी में मैदे को पानी में घोलकर मुलायम पेस्ट तैयार कर लें। मैदे के मिश्रण में टिक्की को डिप करके अलग रखे हुए रोस्टेड ओट्स में रोल करें। पैन में तेल गर्म करें और टिक्की को इसमें मीडियम आंच पर दोनों तरफ से गोल्डन ब्राउन होने तक फाई करें। फिर इसे नैपकिन पेपर पर निकाल लें। गर्म-गर्म टिक्की को कैचअप के साथ परोसें।

इडली मंचूरियन

सामग्री

10 पीस इडली, 1/2 कप कॉर्नफ्लोर, 1/2 कप मैदा, 1 चम्मच सोया सॉस, 1 चम्मच चिल्ली टोमेटो सॉस, 1/2 चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, तेल तलने के लिए, ग्रेवी के लिए सामग्री, 1 प्याज (कटा हुआ), 1 हरी मिर्च (कटी हुई), अदरक, 1 कप शिमला मिर्च (कटी हुई), सोया सॉस, तेल, कॉर्नफ्लोर, 1 कप स्प्रिंग ऑनियन

विधि

सबसे पहले इडली को छोटे पीस में काट लें। अब एक बाउल में मैदा, कॉर्नफ्लोर, अदरक-लहसुन पेस्ट, नमक और पानी डालकर पेस्ट तैयार कर लें। अब इडली के पीस को इस घोल में डुबो कर डीप फाई कर लें। एक कड़ाही में थोड़ा सा तेल डाल कर गर्म करें। अब इसमें प्याज, शिमला मिर्च, हरी मिर्च और अदरक डालकर भून लें। इसके बाद इसमें आधा चम्मच सोया सॉस,चिल्ली टोमेटो सॉस मिलाक फ्राइड इडली डाल दें। अब इसमें कार्नफ्लोर को 2 कप पानी के साथ मिक्स करें। जब यह उबलने लगे तो आंच से हटा दें। स्प्रिंग ऑनियन के साथ गार्निश करके सर्व करें।

मेहंदी से पूरा करें सोलह श्रृंगार

भारतीय परंपरा में शादी-विवाह और त्योहारों के अवसर पर मेहंदी लगाना शुभ माना जाता है। सुहागिनों के लिए मेहंदी सौभाग्य की निशानी है। करवाचौथ के त्योहार पर महिलाएं इसे लगाकर शगुन करती है। इस त्योहार के आने में अब कुछ ही दिन बचे हैं।

बाजारों में काफी भीड़-भाड़ दिखाई देनी शुरू गई है। इस पर्व के 3-4 दिन पहले ही गली-मोड़ पर मेहंदी आर्टिस्ट महिलाओं के हाथ-पांव पर तरह-तरह के डिजाइन बनाते दिखाई देंगे। वहीं ब्यूटी पार्लर में भी कई तरह के ब्यूटी ऑफर दिए जाते हैं।

मेहंदी के डिजाइन्स

मेहंदी लगाने का फैशन भी अब मॉडर्न हो गया है। अब महिलाएं मेहंदी की डिजाइनिंग सिर्फ हाथ-पैरों पर ही नहीं बल्कि कंधे, कमर, पैरों के तलवे, गर्दन की पिछली तरफ पर भी करवा रही हैं। अगर आप बैकलेस ड्रेस पहनने वाली हैं तो बैक साइड पर भी मेहंदी की डिजाइन्स या टैटू स्टाइल मेहंदी लगवा सकती है।डिजाइनिंग में आप किसी भी तरह की फूल-पत्तियां, पति का नाम, जाली, बेल, ज्योमेट्रिकल डिजाइन, अरेबिक डिजाइन आदि बना सकते हैं।

अलग-अलग तरह की मेहंदी

वैसे तो हीना मेहंदी ही सबसे बेस्ट रहती है और हाथों पर गहरा रंग छोड़ती है, लेकिन बाजारों में आपको बहुत तरह के स्टाइल की मेहंदी मिलेगी। अगर आपके पास समय नहीं है तो आप इन्हें ट्राई कर सकती हैं।

छापे वाली डिजाइन

इसे लगाना सबसे आसान हैं। बस अलग-अलग तरह की कलरफुल डिजाइनिंग वाली छापों को हाथ-पैरों पर छापते जाएं।

कलरफुल मेहंदी

यह मेहंदी कैमिकल से तैयार होती है। इसे लगाकर आप 10 मिनट में गहरा रंग पा सकती हैं, लेकिन सेंसेटिव स्किन पर यह एलर्जी भी कर सकती हैं, इसलिए इसे लगाने से पहले एक बार हल्का सा ट्राई जरूर कर लें। अगर जलन-खुजली हो तो इसे ना लगाएं।

स्पार्कल या गिलटरी

बाजारों में आपको स्पार्कल या गिलटर वाली मेहंदी कीप भी मिल जाएंगी, जिसे आप अरेबिक स्टाइल में भी लगवा सकती हैं।

टैटू स्टाइल स्टीकर

इन दिनों बाजारों में आपको टैटू स्टाइल मेहंदी के भी ढेरों डिजाइन मिल जाएंगे। महिलाएं ज्यादातर इसे कमर, नाभी के आस-पास, गर्दन, कंधों पर बनवाना पसंद करती हैं। इसे लगाना भी कोई मुश्किल काम नहीं है, बस जहां टैटू लगाना है, वहां स्टीकर रखें और अच्छे से प्रेस करें और टैटू की ऊपरी परत उतार दें। टैटू चिपक जाएगा।

कांग्रेस ब्लॉक कमेटियों की बैठक आज

बालोतरा, 4 जनवरी (निसं)। पचपदरा विधानसभा के दोनों ब्लॉकों की कांग्रेस कमेटियों की संयुक्त बैठक रविवार को होगी। पंचायत राज चुनाव की तैयारी के लिए पचपदरा विधानसभा के बालोतरा ब्लॉक व पचपदरा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की संयुक्त बैठक पचपदरा रोड गोविंद नगर रत्नेश्वर महादेव मंदिर के समीप स्थित रिसोर्ट में पचपदरा विधायक मदन प्रजापत के मुख्य आतिथ्य एवं बालोतरा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष भगवत सिंह जसोल तथा पचपदरा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष टीलाराम गोदारा की अध्यक्षता में 5 जनवरी रविवार को दोपहर 1 बजे आयोजित की जाएगीद्य पंचायत राज चुनावों में चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों से अनुरोध है कि बैठक में अपने बायोडाटा सहित आवेदन पत्र साथ लेकर आवेद्य चुनाव के लिए निर्धारित पात्रता की जानकारी अपने आवेदन में आवश्यक रूप से लिखकर अपना फोटो तथा संबंधित दस्तावेजों की प्रतिलिपि संलग्न कर ले।

गणतंत्र दिवस तैयारी बैठक 8 को

पाली, 4 जनवरी (निसं)। गणतंत्र दिवस समारोह 2020 की पूर्व तैयारी की समीक्षात्मक बैठक 8 जनवरी को आयोजित होगी। जिसमें समारोह की पूर्व तैयारी व सुझाव आमंत्रित के लिए 8 जनवरी को प्रातः 10:30 बजे जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय सभागार में आयोजित की जाएगी। जिसमें सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहेंगे।

इंडो स्टेडियम की प्रस्तावित भूमि पर कचरा डालने का विरोध

शिवगंज, 4 जनवरी (निसं)। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल व गोसेवा जीवदया मिशन के कार्यकर्ताओं ने तहसील कार्यालय के सामने एवं न्यायालय के पास इंडो स्टेडियम की प्रस्तावित भूमि पर कचरा डालने का विरोध किया।

साथ ही चेतावनी दी कि अगर कचरा डालना बंद नहीं किया तो धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। गोसेवा जीवदया मिशन के अध्यक्ष भरत प्रजापति ने बताया कि इंडो स्टेडियम की प्रस्तावित भूमि के चार दीवारी का निर्माण किया हुआ है, जिसमें नगर पालिका की ओर से इस समय पॉलीथिन व कचरा डाला जा रहा है। दरवाजा खुला छोडने से खुले घूम रहे गोवंश अंदर प्रवेश कर पॉलीथिन व कचरा खा रहे है, जिससे वह बीमार होकर जान गंवा रहे है। जहां पर कचरा डाला जा रहा है, उसके सामने ही उपखंड व तहसील कार्यालय भी स्थित है। ऐसे में आम नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी बूरा प्रभाव पड़ने की संभावना है। प्रजापति ने बताया कि गुरुवार को संगठन के प्रकाश कुमावत, विहिप के सह संयोजक श्रीपालसिंह देवड़ा, मंत्री अशोक माली, बजरंगदल के उपाध्यक्ष जेठमल रावल, राजवीर परिहार, हेमंत अग्रवाल, ओम प्रकाश बोराणा, मांगीलाल कुमावत, भंवर सोनी, भगाराम गाडोलिया ने इंडो स्टेडियम की प्रस्तावित भूमि पर डाले गए कचरे को लेकर विरोध जताया।

भगवान कृष्ण ने धर्म और संस्कृति का संदेश दिया : पंडित मनमोहन

शिवगंज, 4 जनवरी (निसं)। पंडित मनमोहन कृष्ण महाराज ने कहा कि भगवान कृष्ण अवतारी महापुरुष थे और उन्होंने धर्म के लिए लड़ाई लड कर अधर्मियों का विनाश किया और पूरे जगत को धर्म और संस्कृति की रक्षा करने का संदेश दिया। महाराज गुरुवार को शिवगंज में अग्रसेन सडक़ पर स्थित अग्रवाल पंचायत भवन में आयोजित भागवत कथा के आयोजन में प्रवचन दे रहे थे। भागवत कथा के आयोजन में छठे दिन कई श्रोताओं ने भाग लिया। कथा वाचक पंडित मनमोहन कृष्ण महाराज ने कहा कि भगवान कृष्ण ने अपने बाल जीवन में ही कई बड़े-बड़े असुरों का वद्य कर प्राणी जीवन की रक्षार्थ के लिए कार्य किए और धर्म व संस्कृति को बचाया। उन्होंने कहा धर्म सबसे बड़ी शक्ति है और इस पर चलने वाले व्यक्ति की सदैव जीत होती है। भगवान कृष्ण की बाल कथा का वाचन भी किया एवं उनके आदर्शों की जानकारी दी। महाराज ने भगवान कृष्ण के आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए प्रेरणा लेने एवं गोमाता की सेवा करने का आह्वान भी किया।

शिविर के अंतिम दिन किया श्रमदान

सिरोही, 4 जनवरी (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल पुराना भवन में चल रहे एनएसएस शिविर के सातवें और अंतिम दिन स्वयं सेवकों ने स्कूल परिसर में श्रमदान किया। शिविर के सहायक कार्यक्रम अधिकारी नारायणसिंह परिहार ने बताया कि श्रमदान के दौरान स्वयं सेवकों ने कंटीली झाडियों तथा बरसात के दौरान उगे खरपतवार को काटकर जलाया। स्वयं सेवकों ने लाइब्रेरी पहुंच सदस्यता अभियान के बारे में बताया। इस दौरान पुस्तकालय में लगी प्रदर्शनी की जानकारी दी। इस दौरान सभी स्वयं सेवकों ने शिविर के दौरान सात दिनों के अनुभव के बारे में बताया।

मंत्री को बताई समस्याएं

आबूरोड, 4 जनवरी (निसं)। राजकीय महाविद्यालय के छात्र संघ के पदाधिकारियों ने खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री रमेशचंद मीणा से मुलाकात कर राजकीय महाविद्यालय में विज्ञान व वाणिज्य वर्ग में स्नातकोत्तर खुलवाने की मांग की। इस मौके छात्र संघ भावेश सिंदल, महासचिव दिलीप कुमार, पूर्व अध्यक्ष शाहरुख मोहम्मद, एनएसयूआई प्रदेश सचिव इमरान खान, नगर अध्यक्ष राहुल चौहान, सोशल मीडिया संयोजक शाहरुख कायमखानी आदि मौजूद थे।

सुरक्षा जवान एवं सुपरवाईजर भर्ती केम्प का आयोजन

जालोर, 4 जनवरी (निसं)। जिले में शिक्षित बेरोजगार आशार्थियों को रोजगार प्रदान करने के लिए 6 से 13 जनवरी तक विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा जवान एवं सुपरवाईजर भर्ती केम्प का आयोजन किया जाएगा।

रिजनल ट्रेनिंग सेन्टर उदयपुर के भर्ती अधिकारी बृजमोहन बेसरा ने बताया कि भारत सुरक्षा दक्षता परिषद, नई दिल्ली एवं जिला शिक्षा अधिकारी जालोर के सहयोग से भर्ती केम्प का आयोजन किया जा रहा हैं जिसमें शिक्षित बेरोजगार आशार्थियों को रोजगार प्रदान करने के लिए सिक्योरिटी स्किल काउंसिल ऑफ इण्डिया द्वारा 6 जनवरी को रा.उ.मा.वि. सांचौर में, 7 जनवरी को राउमावि बागोड़ा में, 8 जनवरी को राउमावि भीनमाल में, 9 जनवरी को राउमावि आहोर में, 10 जनवरी राउमावि सायला में, 12 जनवरी को राउमावि रानीवाड़ा में तथा 13 जनवरी को राउमावि जालोर में भर्ती केम्प का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि भर्ती केम्प में आवेदन करने के लिए सुरक्षा जवान पद के लिए बेरोजगार आशार्थी की शैक्षणिक योग्यता 10वीं कक्षा उत्तीर्ण, उम्र-20 से 35 वर्ष व लम्बाई 168 सेमी होनी चाहिए वही सुपरवाईजर के लिए आशार्थी बारहवीं उत्तीर्ण, उम्र-20 से 35 वर्ष व लम्बाई 170 सेमी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि जो बेरोजगार आशार्थी उक्त तिथियों में अपनी 10वीं व 12वीं कक्षा उत्तीर्ण की अंकतालिका, दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं आधार कार्ड के साथ केम्प में भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के उपरान्त आशार्थी को एसबीआई बैंक, यश बैंक, ओरियंटल बैंक, मणिपुरम गोल्ड, रिलाइंस, जल महल, गागरोन का किला, मेहरानगढ़, दिल्ली, गुडगांव, हिरोहोण्डा कम्पनी में मासिक वेतन पर रखा जाएगा।

पेंशनर्स समाज का जिला अधिवेशन 12 को

पाली, 4 जनवरी (निसं)। पाली जिला पेंशनर समाज पाली की कार्यकारिणी की जिला स्तरीय बैठक मंगलवार को पेंशनर समाज सभा भवन में जिलाध्यक्ष हस्तीमल अरोडा के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। जिसमें 12 जनवरी को सुमेरपुर में जिला अधिवेशन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। पेंशनर अध्यक्ष अरोडा ने बताया कि सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता में एवं केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत के आतिथ्य में आयोजित किया जाएगा। जिले के सभी विधायक भी इस अधिवेशन में भाग लेंगे। सम्मेलन में पेंशनर समाज की समस्याओं पर चर्चा की जाएगी। पाली जिले से करीब 1500 राज्य सरकार के पेंशनर भाग लेंगे।

गढ़ सिवाना के स्थापना दिवस पर अनेक कार्यक्रम आयोजित

सिवाना, 4 जनवरी (निसं)। गढ़ सिवाना के 1000 वे स्थापना दिवस को लेकर आयोजित सिवाना सहस्त्राब्दी उत्सव के अंतिम दिन स्थानीय राजकीय बालिका उमावि प्रांगण में कवि सम्मेलन, गौरव पुरस्कार व समापन समारोह का आयोजन अशोककुमार भंसाली के मुख्य आतिथ्य मे किया गया। समारोह की अध्यक्षता विधायक हमीरसिंह भायल ने की। आयोजन समिति के संरक्षक व इतिहासकार जीवराज वर्मा ने सिवाना के गौरवशाली इतिहास के बारे में जानकारी दी।

इनका हुआ सम्मान- सिवाना कस्बे के शुरुआती दौर में सात दशकों पूर्व कस्बे के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाले स्वर्गीय दानदाताओ समाजसेवी व जनप्रीतिनिधियो का आयोजन समिति द्वारा उनके परिवार सदस्यों का सम्मान किया जिसके तहत समाजसेवी स्वर्गीय प्रेमचंद भंसाली, सिवाना के प्रथम सरपंच स्वर्गीय मिश्रीमल हुंडिया, प्रथम विधायक स्वर्गीय मोटाराम चौधरी मेली, प्रथम प्रधान स्वर्गीय बलवन्तसिंह देवन्दी, दानदाता स्वर्गीय सोहनलाल चौधरी, स्वर्गीय सुमेरमल जैन, समाजसेवी स्वर्गीय रिकबचन्द जिनानी, पूर्व प्रधान स्वर्गीय रतनचंद बालड़, पूर्व विधायक स्वर्गीय जैसाराम मेघवाल,पूर्व प्रधान स्वर्गीय मूलसिंह भायल, पुर्व सरपंच स्वर्गीय तेजसिंह भायल, ठेकेदार स्वर्गीय गफूरखान पठान, पीटीआई स्वर्गीय रुगनाथसिह भायल, शिक्षाविद स्वर्गीय हेमराज सोनी के परिवार के प्रतिनिधियो का सम्मानित किया गया। संयोजक महेन्द्र छाजेड़ के नेतृत्व में समिति की टीम के सदस्यों ने मुख्य अतिथि अशोककुमार भंसाली को युवा गौरव 2020 का सम्मान देते हुए बहुमान किया गया। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में दीर्घकालिक सेवाए देने वाले समारोह में भंवरसिंह भायल, रूगनाथ राम चौधरी, मोहनलाल त्रिवेदी, महेशकुमार सोनी, जाकिर हुसैन बेलिम, पुरुषोत्तम रामावत का बहुमान किया गया। इस दौरान आयोजित कवि सम्मेलन में वीररस, हांस्य रस व देशभक्तिरस से ओत प्रोत कविताओं की प्रस्तुतियां देकर देर रात्रि तक श्रोताओं को बैठने पर मजबूर कर दिया।

गौरव पुरस्कार व कवि सम्मेलन में झलका देशभक्ति का उत्साह

इस मौके डॉ अनामिका मेरठ, सोहनदान भुतास, मुन्ना बैटरी मंदसौर, छैलूदान चारण व अब्दुल गफ्फार जयपुर ने देशभक्ति की कविताओं की प्रस्तुतिया दी। संचालन कवि अशोक सुंदरानी सतना ने किया। समारोह में विभिन्न प्रतियोगिता में अव्वल रहे प्रतिभागियों को व उत्सव में सहयोग कर्ता दानदाताओ का बहुमान किया गया। इस मौके पर अतिथि के बतौर पूर्व विधायक मोटाराम मेघवाल, सरपंच मंजूदेवी बागरेचा,व्यापारी एसोसिएशन अध्यक्ष झनकारमल चोपड़ा, समाजसेवी रायचन्द भंसाली, डूंगरचंद चोपड़ा, हीराचन्द हुंडिया, समाजसेवी गणपत भंसाली, फिरोज खान पठान, मेली पूर्व सरपंच वगताराम चौधरीआयोजन समिति के नरेन्द्रसिंह भायल, सुरेंद्रसिंह पादरली,जीत जांगिड़, हितेश अग्रवाल, हरीश जैन, जगदीश प्रजापत, हनुमान प्रसाद दवे अजयसिंह परमार मौजूद थे। संयोजक महेन्द्र छाजेड़ ने आभार जताया। संचालन सुरेंद्रसिंह राजपुरोहित व हितेश अग्रवाल ने किया।

पंच-सरपंच चुनाव के नामांकन 23 व मतदान एक को

जैसलमेर, 4 जनवरी (निसं)। राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायतीराज संस्थाओं (पंच एवं सरपंच) के आम चुनाव के अन्तर्गत चतुर्थ एवं अंतिम चरण का चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया है। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) नमित मेहता ने बताया कि चतुर्थ चरण के लिए घोषित कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचन की लोक सूचना 22 जनवरी को जारी होगी। नाम निर्देशन पत्र 23 जनवरी को प्रातः 10.30 से शाम 4.30 तक प्रस्तुत किए जा सकेंगे। 24 जनवरी को प्रातः 10.30 बजे से इनकी संवीक्षा का काम शुरू होगा तथा इसी दिन अपराह्न 3 बजे तक नाम वापसी हो सकेगी। इसके तुरन्त बाद चुनाव प्रतीकों का आवंटन एवं चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा। मतदान दलों का प्रस्थान-पहुंच 31 जनवरी को निर्धारित है। मतदान एक फरवरी शनिवार को प्रातः 8 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। मतदान समाप्ति के तुरन्त पश्चात पंचायत मुख्यालय पर मतगणना होगी। उप सरपंच का चुनाव 2 फरवरी, रविवार को होगा। पंच पद के लिए आम चुनाव मतपेटियों तथा सरपंच पद के लिए आम चुनाव इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन(ईवीएम) से होंगे। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही संबंधित पंचायत क्षेत्रों में आदर्श आचरण संहिता भी तुरन्त प्रभाव से लागू हो गई है। सभी संबंधितों से कहा गया है कि वे इसकी अक्षरशः पालना सुनिश्चित करें।

518 वार्डों के लिए 161 पोलिंग बूथ- उप जिला निर्वाचन अधिकारी(एडीएम) ओपी विश्नोई ने बताया कि पंच-सरपंच चुनाव के चौथे और अंतिम चरण में जैसलमेर जिले की 56 ग्राम पंचायतों में चुनाव होंगे। जिले की 7 पंचायत समितियों की 56 ग्राम पंचायतों में होने वाले चतुर्थ चरण के चुनावों के अन्तर्गत 518 वार्डों के लिए 161 पोलिंग बूथ स्थापित किए जाएंगे।

टिड्डी दल ने बाली व सिरोही की 150 हैक्टेयर की फसल चट की

पाली, 4 जनवरी (निसं)। जिले में चार दिनों से टिड्डी दल लगातार खेतों में फैली फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है। टिड्डियों का दल दोपहर तक बाली क्षेत्र में रहता है। इसके बाद वह हवा के रुख के साथ सिरोही क्षेत्र में प्रवेश कर जाता है। इसके पीछे-पीछे कृषि विभाग इनको भगाने के लिए प्रयास करता दिखाई देता है। लक्ष्मणपुरा गांव सहित आसपास के खेतों में टिड्डियों ने पेड़ों की टहनियों और फसलों से लेकर कंटीली झाडियों तक पर अपना कब्जा कर रखा था। टिड्डी दल को मारने के लिए कृषि विभाग के साथ प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। अधिकारियों के निर्देश पर ग्रामीणों ने इन टिड्डियों को मारने व भगाने के लिए खेतों में धुआं किया, खूब ढोल-थाली भी बजाई, लेकिन यह सभी बेअसर रहा। इस मौके पर फायर बिग्रेड, ट्रैक्टर, पानी के टैंकरों से पेड़ों व झाडियों पर पानी का छिड़काव किया गया। जैसे ही दल उडने लगा तो प्रशासन ने भी गांव के नदी किनारे फैले टिड्डी दल को मारने के लिए कीटनाशक स्प्रे का छिड़काव किया। उपखंड के आदिवासी क्षेत्र के गांव आमलिया जंगल, पटेल कंपा व शिविरा के बीच व लक्ष्मणपुरा जंगल के कुछ दूरी पर टिड्डी दल ने चार दिनों में 150 हैक्टेयर से अधिक फसल को चट कर दिया है। कृषि विस्तार निदेशक बाली माधोसिंह चंपावत ने बताया कि टिड्डी दल पर काबू पाने के लिए आमलिया के लक्ष्मणपुरा जंगल में पहाड़ी क्षेत्र में 5 ट्रैक्टर व जेसीबी लगाकर सुबह 7 से 8 बजे तक करीब 50 हैक्टेयर में रसायनिक दवाई का छिड़काव किया गया। इससे कई टिड्डियों ने शिविरा गांव के पास डेरा डाल दिया। इस मौके पर कृषि अधिकारी शंकरलाल, सहायक कृषि अधिकारी दाऊसिंह देवड़ा आदि मौजूद थे।

ग्रामीणों की टीम का किया गठन- टिड्डी दल पर नियंत्रण लाने के लिए पटेल कम्पा के ग्रामीणों की टीमों का भी गठन किया गया। समाजसेवी रतनलाल मीणा आमलिया ने बताया कि टिड्डियों के दल ने 50 हैक्टेयर में नुकसान पहुंचाया। यहां गेहूं बोया हुआ था। नेकाराम गरासिया ने बताया कि नाणा व आमलिया के बीच में पटेल कंपा में व तणी, पारला कुण्डाल, उपला भीमाणा में अधिक नुकसान किया है। इन्होंने गेहूं व चना की फसलों का नुकसान पहुंचाया। रतनलाल ने बताया कि टिड्डियों का दल आमलिया से निकलकर बालदा क्षेत्र में निकला है। टिड्डियों से फसलों को बचाने के लिए अब तक जो भी परंपरागत जतन हो रहे हैं वे सभी नाकाम रहे हैं। पांच दिनों में 5 से अधिक गांव प्रभावित हुए हैं। बाली क्षेत्र के आमलिया, नाणा, चामुंडेरी, कुंडाल, लक्ष्मणपुरा आदि गांवों में टिड्डियों के दल ने हमला किया है।

भंडारी मीडिया प्रभारी नियुक्त

भीनमाल, 4 जनवरी (निसं)। संत कोंकण केशरी आचार्य लेखेन्द्रसूरीशवर मसा ने माणकमल भंडारी को भागली तीर्थ का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है। भंडारी पिछले पचास वर्षो से पत्रकारिता क्षेत्र में कार्यरत हैं तथा उन्होंने जिन शासन की शोभा बढ़ने के लिए सदैव तत्पर रहते है। मुनिराज ललितेश विजय, मुनिराज मृगेन्द विजय, जैन साध्वी अनंतगुणा, अक्षयगुणा, समकितगुणा एवं भावितगुणा ने भंडारी के उत्तरोतर प्रगति की कामना की।

लैंस प्रत्यारोपण एवं चिकित्सा शिविर 9 को

जसोल, 4 जनवरी (निसं)। लायंस एवं लियो क्लब जसोल के द्वारा स्वर्गीय मूलचंद कोठारी एवं स्व. श्रीमती जड़ावदेवी कोठारी की स्मृति में लायन पुष्पराज कैलाशचंद कोठारी जसोल तथा जिला अंधता नियंत्रण सोसायटी बाड़मेर एवं सोसायटी फॉर ऑप्टीकल हेल्थकेयर के सहयोग से मोतियाबिंद एवं कालापानी के इलाज हेतु आंखों का निःशुल्क लेंस प्रत्यारोपण एवं चिकित्सा शिविर नाकोडा रोड स्थित तेरापंथ भवन में आयोजित किया जाएगा। संयोजक गौतम भंसाली ने बताया की शिविर में पालीवाल आई हॉस्पिटल बालोतरा के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विकास पालीवाल द्वारा आधुनिक विधि से बिना टांके से लेंस लगाकर ऑपरेशन किये जायेंगे।

राजहंस मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमडा

बाडमेर, 4 जनवरी (निसं)। कुशल वाटिका में विश्व का द्वितीय राजहंस मन्दिर में शनिवार को मेले में श्रद्धा का सैलाब उमड पडा। ट्रस्ट के बाबूलाल टी बोथरा ने बताया कि श्रद्धालुओं ने मुनिसुव्रत स्वामी भगवान मन्दिर, दादावाडी, नवग्रह मन्दिर, गुरू मन्दिर देवी-देवताओ के आदि मन्दिरो के दर्शन व पूजा-अर्चना कर खुशहाली की कामना की। मेले में द्वारकादास डोसी, शंकरलाल धारीवाल,रतनलाल संखलेचा, कैलाश कोटड़िया, कैलाश धारीवाल, पारसमल धारीवाल, पार्षद महावीर बोहरा, रमेश आचार्य, चम्पालाल बोथरा, चंद्रप्रकाश बोथरा, नरेश लूणिया, पत्रकार अशोक राजपुरोहित, लालचंद टिकडी, सम्पतराज छाजेड़, सम्पतराज मेहता, राजू मालू, प्रकाश लूणिया, कपिल धारीवाल, बाबूलाल बोथरा, अशोक सेठिया, सम्पतराज श्रीश्रीमाल, हरिराम छाजेड़, कपिल मालू, प्रकाश विश्नोई, हितेश डूंगरवाल, पवन पटूड़ा, राणूलाल खत्री, मुकेश छाजेड़, सुरेश नाहटा, पारसमल भंसाली, अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद शाखा बाड़मेर व कुशल वाटिका मित्र मण्डल व ट्रस्ट मण्डल सहित कई भक्तगण उपस्थित थे।

ट्रस्ट की बैठक सम्पन्न-कुशल वाटिका ट्रस्ट की बैठक द्वारकादास डोसी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। केवलचन्द छाजेड़ ने बताया कि बैठक में 27 जनवरी को वाटिका की सप्तम वर्षगांठ की तैयारियों पर चर्चा की गई।

मतदान दलों का प्रथम प्रशिक्षण आज व कल

पाली, 4 जनवरी (निसं)। पंचायत आम चुनाव के लिए मतदान दलों का प्रथम प्रशिक्षण 5 व 6 जनवरी को नगर परिषद में आयोजित होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेशचंद जैन ने बताया कि रिटर्निंग अधिकारी, मतदान अधिकारी एवं सैक्टर मजिस्ट्रेट का प्रथम प्रशिक्षण 5 व 6 जनवरी को नगर परिषद में आयोजित किया जाएगा। 5 जनवरी को प्रातः 10 बजे आयोजित होने वाले प्रशिक्षण में रिटर्निंग अधिकारी व मतदान अधिकारी क्रम संख्या एक से 132 तक तथा सेक्टर मजिस्ट्रेट क्रम संख्या एक से 120 का सैद्धांतिक प्रशिक्षण नगर परिषद हॉल में प्रातः 10:30 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण अपरान्ह 3 बजे से सांय 5 बजे तक होगा। इसी प्रकार 6 जनवरी को प्रातः 10 बजे रिटर्निंग अधिकारी व मतदान अधिकारी क्रम संख्या 133 से 291 तक तथा सैक्टर मजिस्ट्रेट क्रम संख्या 121 से 229 का सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रातः 10:30 से अपराहं 3 बजे तक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण अपराहं 3 बजे से सांय 5 बजे तक नगर परिषद में आयोजित होगा।

मुख्यमंत्री गहलोत आज पाली जिले के गिरी गांव आएंगे

पाली, 4 जनवरी (निसं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की 5 जनवरी को जिले की रायपुर पंचायत समिति के गिरी गांव में प्रस्तावित यात्रा को देखते हुए जिला मजिस्ट्रेट दिनेशचन्द जैन ने शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किए है।

जिला मजिस्ट्रेट ने आदेश जारी कर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट वीरेन्द्रसिंह चौधरी को सम्पूर्ण कार्यक्रम का प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया है। उपखण्ड मजिस्ट्रेट रायपुर भंवरलाल जनागल व नायब तहसीलदार रायपुर को सभा स्थल एवं सम्पूर्ण कार्यक्रम, उपखण्ड मजिस्ट्रेट जैतारण डॉ भास्कर विश्नोई एवं प्रशिक्षु आर.ए.एस लाखाराम को सभा स्थल के अंदर, तहसीलदार मारवाड जंक्शन सुरेन्द्र कुमार शर्मा तथा प्रशिक्षु आर.ए.एस श्रीमती मधुलिका सीवर को पण्डाल के पीछे की ओर, तहसीलदार सोजत वीरेन्द्रसिंह भाटी को सभा स्थल के बाहर तथा तहसीलदार जैतारण सुरेश कुमार को हैलीपेड स्थल एवं सेफ हाउस के लिए कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री की सम्पूर्ण यात्रा के दौरान अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट पुलिस अधिकारियों एवं अन्य अधिकारियों से आपसी समन्वय बनाए रखते हुए अपने क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। गहलोत की यात्रा को देखते हुए उपखण्ड अधिकारी भंवरलाल को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

परिवहन मंत्री खाचरियावास भी आएंगे- परिवहन एवं सैनिक कल्याण मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास 5 जनवरी को एक दिवसीय यात्रा पर गिरी आएंगे। निर्धारित कार्यक्रमानुसार परिवहन मंत्री प्रातः 8 बजे जयपुर से प्रस्थान कर प्रातः 11 बजे रायपुर तहसील के गिरी सुमेल रणस्थली पहुंचेगे वे यहां बलिदान दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लेकर दोपहर 2 बजे जयपुर के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

रानी व रायपुर की ग्राम पंचायतों में चुनाव एक को

पाली, 4 जनवरी (निसं)। जिले में पंचायतीराज संस्थाओं के चतुर्थ चरण में पंचायत समिति रानी की एक ग्राम पंचायत एवं रायपुर पंचायत समिति की तीन ग्राम पंचायतों में पंच व सरपंच के चुनाव एक फरवरी को होंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेशचन्द जैन ने बताया कि चतुर्थ चरण में रानी पंचायत समिति की एक ग्राम पंचायत एवं 13 वार्डों तथा रायपुर पंचायत समिति की तीन ग्राम पंचायत एवं 23 वार्डों में पंच व सरपंच के चुनाव करवाए जाएंगे। जिसके तहत रानी पंचायत समिति के घेनडी एक सरपंच व 13 वार्ड पंच तथा पंचायत समिति रायपुर के बाबरा में एक सरपंच व 7 वार्ड पंच, ग्राम पंचायत पाटन में एक सरपंच व 11 वार्ड पंच तथा ग्राम पंचायत देवगढ़ में एक सरपंच व 5 वार्ड पंचों का निर्वाचन होगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 22 जनवरी बुधवार को लोक सूचना जारी होगी। 23 जनवरी को प्रातः 10:30 से 4:30 तक नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत किया जाएगा, 24 जनवरी को प्रातः 10:30 बजे से नाम निर्देशन पत्रों की समीक्षा, दोपहर 3 बजे तक नाम वापसी, उसके पश्चात चुनाव चिन्हों का आवंटन, 31 जनवरी को मतदान दलों का प्रस्थान व पहुंच, एक फरवरी को प्रातः 8 बजे से सांय 5 बजे तक मतदान तथा मतदान समाप्ति के पश्चात पंचायत मुख्यालय पर मतगणना की जाएगी। 2 फरवरी को उप सरपंच का चुनाव होगा।

नामांकन पत्रों की जांच के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

पाली, 4 जनवरी (निसं)। पंचायत राज संस्थाओं के आम चुनाव में नाम निर्देशन पत्रों की जांच के लिए संबंधित उपखण्ड अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेशचन्द ने आदेश जारी कर पंच व सरपंच चुनाव के दौरान रिटर्निंग अधिकारी को प्रस्तुत किए जाने वाले नाम निर्देशन पत्र एवं उसके साथ प्रस्तुत दस्तावेजों की प्राप्ति व जांच के लिए जिले के सभी उपखण्ड अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके साथ ही यूआईटी सचिव देशलदान को पर्यवेक्षण अधिकारी एवं सहायक कलक्टर (प्रशिक्षण) सुश्री मधुलिका सीवंर, लाखाराम एवं विनित कुमार सुखाडिया को सहायक पर्यवेक्षक अधिकारी नियुक्त किया गया है।

साहित्यकार महेचा का निधन

जैसलमेर, 4 जनवरी (निसं)। शिक्षाविद् एवं साहित्यकार मनोहर महेचा का शनिवार को निधन हो गया। 66 वर्षीय महेचा पिछले दो साल से बीमार चल रहे थे। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। बहुआयामी शिक्षकीय जीवन से परिपूर्ण व्यंग्यात्मक लेखन और काव्य धाराओं के साथ ही गद्य और पद्य की विभिन्न विधाओं में साहित्य सृजन, मंच संचालन और लोक सांस्कृतिक परम्पराओं एवं आयोजनों में अहम् भूमिका निभाने वाले महेचा का जन्म 25 मई 1954 को हुआ था। उनकी व्यंग्य कृति 'शर्म-बेशर्म' ने साहित्य जगत में खासी छाप छोड़ी। साहित्य और संस्कृति जगत की उल्लेखनीय सेवाओं के लिए उन्हें कई पुरस्कारों और सम्मानों से नवाजा गया। उनके चर्चित रूपक 'घोड़ा कीजै काठ का' पर वर्ष 1994 में नई दिल्ली में उन्हें मैरट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

विद्यार्थी आत्म निरीक्षण कर निर्णय लें

बालोतरा, 4 जनवरी (निसं)। डीआरजे राजकीय कन्या महाविद्यालय में शनिवार को प्राचार्य-विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्राचार्य अर्जुन राम पूनिया ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि आज विद्यार्थियों के पास डिग्रियां होने के बावजूद अच्छे रोजगार के लिए विषय के ज्ञान के साथ आकर्षक और सौम्य व्यक्तित्व, शीघ्र निर्णय लेने की क्षमता, व्यवहार कुशलता, स्पष्ट दूरदृष्टि तथा हिंदी और अंग्रेजी में संवाद करने का कौशल, व्यक्तित्व अभिरुचि और बौद्धिक स्तर पर ध्यान देना होता है ऐसे में विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व विकास का आत्म निरीक्षण एवं विश्लेषण स्वयं करें क्योंकि अवसरों की उम्मीद में बैठना निराशा और निरर्थकता को जन्म देने वाला साबित होता है। अतः आगे बढ़कर अवसरों का लाभ उठाएं और उनका सृजन करें।

उपाध्याय प्रवर मानचन्द्र महाराज के निधन पर श्रद्धा सुमन अर्पित

बालोतरा, 4 जनवरी (निसं)। उपाध्याय प्रवर मानचन्द्र महाराज के निधन पर श्री वर्धमान जैन स्थानकवासी संस्थान द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए स्थानक भवन में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में संघ मंत्री ओम बांठिया ने महाराजश्री का जीवन परिचय देते हुए कहा कि 56 वर्षों के संयम जीवन में सहजता, सरलता, सौम्यता एवं गुणों के प्रति अनुपम भाव देखने को मिले।

उन्होंने अपने संयम पर्याय में हजारों श्रावक सेविकाओं को धर्म के प्रति प्रेरित कर सामायिक स्वाध्याय से जोड़ा। पूर्व मंत्री गौतम एम तातेड, महिला मंडल अध्यक्षा सुमन देवी ने उपाध्याय परिवार के प्रति श्रद्धा भाव एवं गुणानुवाद प्रस्तुत किया।

खोया पाया

मैं दिनांक 28.12.2019 (शनिवार) को खेमे का कुआ से श्रीराम हॉस्पिटल पाल रोड जा रहा था। उस समय मेरा मध्यप्रदेश नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल भोपाल से उतीर्ण किया गया जी.एन.एम. नर्सिंग डिप्लोमा प्रमाण पत्र संख्या वी.32902 रास्ते में गिर गया। काफी कोशिश के बावजूद नही मिला। किसी को मिलने पर सूचित करावे।
श्री ओमप्रकाश पुत्र हनुमानराम विश्नोई
ग्राम कान्धी की ढाणी,
त. गुड़ामालानी (बाड़मेर)
मो. 8290499011

बीकानेर संभाग

गांवों में ढूंढ रहे समस्याओं का समाधान

चूरू (ए.)। युवा समाज का वह हिस्सा है, जिसके द्वारा किसी देश का भविष्य निर्मित होता है। बड़े सपने लेकर मैदान में उतरे युवा हर जोखिम को उठाने के लिए तैयार हैं। कुछ ऐसा ही काम प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में पढ़कर ग्रामीण क्षेत्रों में आए युवा कर रहे हैं। ये युवा जिले के अलग-अलग ब्लॉक में कार्यकर क्षेत्र की समस्याओं के समाधान कर रहे हैं। युवाओं के इस प्रकार के कार्य को देखते हुए गांव के लोग भी इनके साथ जुडऩे शुरू हो गए हैं। गांधी फैलो का बैच 11 तारानगर, सुजानगढ़ एवं रतनगढ़ तथा बैच 12 चूरू एवं राजगढ़ में ऐसा ही कार्यकर रहे हैं।

अखिलेश प्रताप पहुंचे शिशु अस्पताल, बाद में प्रशासन ने बांटे नए कम्बल

■ बीकानेर (ए.)

भारतीय जनता पार्टी के शहर जिला अध्यक्ष अखिलेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में शनिवार को पीबीएम अस्पताल के शिशु विभाग का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में कई खामियां कमियां पाई गई। किसी बेड पर दो शिशु तो किसी पर तीन को लेटाकर उपचार किया जा रहा है। बेड भी बदहाल स्थिति में मिले। मरीजों से पूछताछ में पता चला कि कई दिन से बेडशीट तक नहीं बदली गई। डॉक्टरों के कक्ष में रूम हीटर लगे मिले लेकिन, शिशु विभाग जहां 2 से 3 महीने के बच्चों को रखा जाता है, वहां सर्दी से बचाव की कोई व्यवस्था नहीं है।

जिला कलक्टर के दौरे के बाद जिला प्रशासन की ओर से कुछ शिशु अस्पताल के भर्ती मरीजों को वितरण किए गए। भाजपा नेताओं ने अस्पताल प्रबंधन को चेताया गया कि कोटा में छोटे शिशुओं की मृत्यु हो रही है। यहां पर समय रहते पूरी व्यवस्था की जाए।

निरीक्षण में भाजपा जिला उपाध्यक्ष वेदव्यास,

भाजपा नेता भगवान सिंह मेड़तिया, विक्रम सिंह राजपुरोहित, अनिल हर्ष, हेमंत कच्छावा, जसराज सींवर, सोहन सिंह परिहार आदि शामिल हुए।

ठिठुरते लोगों को रैन बसेरों तक पहुंचाने में जुटी प्राधिकरण की टीम

बीकानेर. राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर व जिला एवं सेशन न्यायाधीश, बीकानेर मदनलाल भाटी के निर्देशानुसार सड़क व फुटपाथ पर ठिठुरते लोगों को रैन बसेरों पर पहुंचाने के लिएजिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारियों की 3 टीमों का गठन किया गया। यह टीम ठिठुरते लोगों को रैन बसेरों तक पहुंचाने के कार्य में जुट गई है। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने एक आदेश जारी कर प्रदेश के सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों को कहा है कि रैन बसेरों तक जरूरत मंदों को पहुंचाने का कार्य करें तथा किसी भी प्रकार के पहचान पत्र के अभाव में व्यक्ति को प्रवेश से वंचित न किया जाए।

ऐसे में बीकानेर प्राधिकरण की टीम के सदस्यों ने शुक्रवार व शनिवार को तथा फुटपाथ व सड़कों पर बैठे बेसहारा लोगों को रैन बसेरों तक पहुंचाने का काम शुरू किया। बेसहारा लोगों को रैन बसेरों में मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। अहमद अली (स्टेनों) की टीम ने एक ऐसे व्यक्ति को प्रवेश दिलाया जिसके पास किसी भी प्रकार का कोई पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं था। इसी क्रम में सचिव पवन कुमार अग्रवाल अपर जिला एंव सेशन न्यायाधीश द्वारा आयुक्त नगर निगम को पत्र जारी कर उक्त निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया।

कृषि आदान-अनुदान के भुगतान की मांग

चूरू (ए.)। हांसियावास के ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन भेजकर कृषि आदान-अनुदान के भुगतान की मांग की है। महावीरसिंह सिहाग व अन्य ग्रामीणों की ओर से भेजे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम पंचायत ढिगारला के दोनों गांव वर्ष 2018-19 में अकालग्रस्त थे और 75 प्रतिशत फसलें खराब हो चुकी थी। उक्त खराबे का मुआवजा दिया जाना शेष है। पटवारी के पास किसानों द्वारा आवश्यक कागजात जमा करवाने के बावजूद दोनों गांवों के करीब 200 किसानों का भुगतान एक वर्ष बीत जाने पर भी नहीं हो पाया है। इस संबंध में तहसील स्तर पर कोई सही जानकारी नहीं मिल रही है। ज्ञापन में कलेक्टर से भुगतान तुरंत करवाने की मांग की गई है।

कॉलेज छात्रा को भगाकर ले जाने का मुकदमा दर्ज

चूरू (ए.)। गांव रामपुरा पट?टा झारिया से 26 दिसंबर, 2019 को कॉलेज का कहकर घर से निकली युवती के लापता होने को लेकर थाने में एक युवक के खिलाफ उसे भगा ले जाने का मामला दर्ज हुआ। इससे पहले युवती की गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज हुई थी। पुलिस के अनुसार रामपुरा पट्टा झारिया गांव के एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दी कि बेटी के लापता होने के बाद पूछताछ किए जाने पर पता चला कि आशीष पुत्र सुखाराम जाट निवासी ढाणी डीएसपुरा उसकी बेटी को भगा ले गया है। वह अपने परिवार के लोगों के साथ आशीष के घर गया तो आरोपी की मां ने कहा कि कानूनी कार्रवाई मत करना, आपकी बेटी को वापस भेज देंगे। आरोपी आशीष अपराधी प्रवृति का व्यक्ति है, जिससे उसकी बेटी को खतरा है।

देश की प्रथम महिला शिक्षक सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाई

हनुमानगढ़ (ए.)। जिला सैनी समाज समिति एवं सैनी वर्ल्ड इकोनॉमी फॉर्म के तत्वावधान में जंक्शन स्थित सैन फोर्ट स्कूल में देश की प्रथम महिला शिक्षक सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सैनी समाज समिति के अध्यक्ष भारतेंदु सैनी ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि देश की प्रथम महिला शिक्षक सावित्रीबाई फुले समाज का गौरव है और यह गौरव अनंतकाल तक समाज के प्रत्येक व्यक्ति एवं देश की हर महिला के साथ जुड़ा रहेगा। मुख्य अतिथि व्यापारी शिवशंकर खडगावत, विशिष्ट अतिथि पार्षद मनोज सैनी, माली समाज के अध्यक्ष रामचंद्र भाटी, सैनी वर्ल्ड इकोनामिक फॉर्म जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश बालान एवं दुर्गादत्त सैनी थे। पार्षद मनोज सैनी के तीसरी बार पार्षद निर्वाचित होने पर उनका माला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। इस मौके राजकुमार सैनी, विजय सिंह, दीपक तंवर, राजकुमार तंवर, मेघराज तंवर, दुर्गादत्त तंवर, किशोर गहलोत, रामचंद्र माहवार, किरोड़ी लाल सैनी आदि मौजूद थे। **नोहर.** सावित्रीबाई फूले आश्रम में शुक्रवार को सावित्रीबाई फूले जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर तहसीलदार कौशल्या जांगिड़, एसीबीईओ मनोज आर्य, प्राचार्य प्रो. एमपी काला, सोहनलाल वर्मा, सैनी समाज समिति के अध्यक्ष हरदत्त सैनी, संतलाल सैनी, पार्षद रामस्वरूप सैनी, पवन सुथार, आरिफ टाक, सुंदरलाल आदि उपस्थित थे। इस मौके पर वक्ताओं ने आश्रम में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले बच्चों को सावित्रीबाई फूले के जीवन से अवगत करवाया और बच्चों को विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अपना भविष्य बनाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। मंच संचालन दिलावर सुथार ने किया। आश्रम के प्रबंध निदेशक जयकिशन वर्मा ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रभुदयाल मायल, दीपक सुथार, अमित धनवानी सहित अनेक नागरिक उपस्थित थे।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा, इस बार हमारे कार्यकर्ता करेंगे रीलाइनिंग कार्य की निगरानी

हनुमानगढ़ (ए.)। गत वर्ष बंदी के दौरान इंदिरागांधी नहर राजस्थान भाग में हुए मरम्मत कार्य में अमानक सामग्री लगाने व निर्धारित मापदंडों का उल्लंघन करने के मामले में एसीबी में प्रकरण दर्ज हो गया है। इसके बाद यह मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शुक्रवार को भाजपा जिलाध्यक्ष बलवीर बिश्नोई ने प्रेसवार्ता कर इस मामले में दोषी अभियंताओं के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने पार्टी कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार में जिन अभियंताओं को एपीओ किया गया था, उसे वर्तमान सरकार ने पदोन्नति देकर नवाजा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नकारा अफसरों को बड़ी जिम्मेदारी मिलने के कारण गुणवत्ता युक्त निर्माण नहीं हुए। जिलाध्यक्ष ने कहा कि विभाग के पास इस बार बड़ा बजट होने के कारण सीएम ने विभागीय मंत्री ही नहीं बनाया। जो राजस्थान के इतिहास में शायद पहली बार हुआ है। सीएम के पास विभाग रहते हुए नहर मरम्मत के कार्य में इस तरह का भ्रष्टाचार होना निंदनीय है। भविष्य में बंदी के दौरान होने वाली रीलाइनिंग कार्य के दौरान क्वालिटी कंट्रोल की जिम्मेदारी तय करने की मांग की। उन्होंने कहा कि आगे बंदी में जो काम होंगे, उसकी निगरानी के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं की टीमें बनाई गई है। जो पूरी बंदी के दौरान नहरों की निगरानी करेंगे। इस टीम में सेवानिवृत्त अभियंताओं को भी शामिल किया गया है। जिलाध्यक्ष बिश्नोई ने कहा कि सीएम गहलोत इतने संवेदनहीन हो गए हैं कि वह दिल्ली में हाजिरी ज्यादा लगा रहे हैं, लेकिन प्रदेश में लगातार बच्चों की हो रही मौत को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुशील गोदारा ने कहा कि नहरों की रीलाइनिंग का काम होने के बाद काफी मात्रा में पानी बचने से सिंचित क्षेत्र का रकबा बढऩे की उम्मीद है। लेकिन अमानक निर्माण होने पर ऐसा नहीं हो सकेगा। इसे लेकर सरकार को सोचने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय विधायक और प्रभारी मंत्री लगातार शिकायत के बावजूद नहरों की निगरानी को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। जबकि पूर्व मंत्री डॉ.रामप्रताप के कार्यकाल में बंदी के दौरान जब काम हुए थे, उस दौरान तत्कालीन मंत्री ने लगातार नहरी क्षेत्र का दौरा किया था। उन्होंने बताया कि यह नहर प्रदेश के दस जिलों की प्यास बुझाती है। ऐसे में इसकी गंभीरता को सरकार को समझने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि कर्ज लेकर करीब 3291 करोड़ की राशि से नहर की रीलाइनिंग करवाई जा रही है। ऐसे में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखने पर इसका कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। गत दिनों इंदिरागांधी नहर रीलाइनिंग मामले में भ्रष्टाचार होने के कथित मामले को लेकर शुक्रवार को भाजपा की ओर से बुलाई गई प्रेसवार्ता को पूर्व जल संसाधन मंत्री डॉ. रामप्रताप को संबोधित करना था। इसके तहत निर्धारित समय पर पूर्व मंत्री भाजपा कार्यालय पहुंचे जरूर लेकिन एनवक्त पर उन्होंने प्रेसवार्ता से किनारा कर लिया। किन कारणों से पूर्व मंत्री ने किनारा कर लिया, इसका जवाब खुद पार्टी के पदाधिकारी भी ढूंढ़ते नजर आए। प्रेसवार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष बलबीर बिश्नोई के अलावा मीडिया प्रभारी दीपक खाती, जुगलकिशोर गौड़ आदि मौजूद रहे।

गंगनहर में फिर बहकर आया मृत गोवंश, नहीं पहुंचे सिंचाई विभाग के अधिकारी

हनुमानगढ़ (ए.)। गंगनहर में एक बार फिर बड़ी संख्या में मृत गोवंश बहकर आया है। मृत गोवंश के नहर में आने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने इसकी सूचना जल संसाधन विभाग के अधिकारियों व पुलिस को दी। लेकिन विभाग के अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे। हालांकि सूचना मिलने पर रायसिंहनगर तहसीलदार प्रियंका बुडानियां व मुकलावा नायब तहसीलदार मौके पर पहुंच गई। दोनों महिला अधिकारियों ने आक्रोशित ग्रामीणों को शांत करने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीणों ने उनकी एक नहीं सुनी। देर शाम तक डाबला हैड पर ना तो मुकलावा पुलिस पहुंची तथा ना ही जल संसाधन विभाग के अधिकारी पहुंचे। आक्रोशित ग्रामीणों ने दोनों अधिकारियों को खरी खोटी सुनाई। ग्रामीणों के अनुसार तीन दर्जन से अधिक गोवंश के शव बहकर आए है। ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व में भी बड़ी संख्या में मृत गोवंश बहकर आया था जिसकी जांच अभी तक नहीं हो पाई है। मृत गोवंश के बहकर आने की बारे में जल संसाधन महकमा अभी तक पता नहीं लगा पाया है। गंगनहर में बहकर आए मृत गोवंश के अधिकांश शव समेजा व करणी जी वितरिका में बहकर डाबला हैड से आगे निकल गए। इससे नहर का पानी भी दूषित हो गया है जबकि यह पानी इन नहरों पर बसे लोगों के लिए पीने के काम में भी लिया जाता है। आरोप है कि विभागीय अधिकारियों ने मृत पशुओं को निकलवाने के कोई प्रयास नहीं किए है।

चुनाव सामग्री के बैग तैयार, सात को होंगी मतदान अधिकारियों की रवानगी

पहले चरण का मतदान 17 को, आठ को प्रत्याशी कर सकेंगे नामांकन

■ हनुमानगढ़ (ए.)

जिले की सभी 269 ग्राम पंचायतों में सरपंच व वार्ड पंचों के निर्वाचन को लेकर तीन चरणों में मतदान करवाया जाएगा। जिले में पहले चरण का मतदान 17 जनवरी को होगा। पहले दौर में नोहर के 47 व भादरा के 49 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिए चुनाव होंगे। इसे लेकर आठ जनवरी को नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी। नामांकन लेने के लिए अधिकृत रिटर्निंग अधिकारी व मतदान अधिकारियों को सात जनवरी को केंद्रीय विद्यालय के नए भवन से रवानगी दी जाएगी। नामांकन लेने की प्रक्रिया के दौरान जिन सामग्रियों की जरूरत पड़ेगी, उससे संबंधित बैग तैयार करने में कार्मिक जुट गए हैं। जंक्शन में कृषि विभाग के आत्मा कार्यालय में शुक्रवार को मतदान कार्मिक नाम निर्देशन पत्रों का बैग तैयार करने में जुटे रहे। बताया जा रहा है कि पांच जनवरी तक सभी तरह के बैग तैयार कर लिए जाएंगे। आत्मा कार्यालय में राजकुमार स्वामी और धीरज राजवंशी के नेतृत्व में नाम निर्देशन पत्रों का बैग तैयार करवाया जा रहा है। जिला निर्वाचन स्टोर प्रभारी व जिला उद्योग केंद्र में महाप्रबंधक आकाशदीप सिद्धू की निगरानी में सभी तरह के काम हो रहे हैं। निर्वाचन शाखा प्रभारी हंसराज वर्मा ने बताया कि आठ जनवरी को नामांकन के बाद नौ को इसकी जांच की जाएगी। दोपहर तीन बजे बाद इसी दिन अंतिम सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा। इसके बाद 17 को सरपंच पद के लिए ईवीएम से मतदान करवाया जाएगा। इसी दिन चुनावी नतीजे भी जारी कर देंगे। इसके बाद अगले दिन उप सरपंच का निर्वाचन होगा। नाम निर्देशन पत्र भरने के लिए सरपंच पद के लिए प्रतिभूति निक्षेप राशि 500 रुपए निर्धारित की गई है। यदि अभ्यर्थी आरक्षित वर्ग में शामिल है तो उसे 250 रुपए जमा करवाने पड़ेंगे। उक्त राशि नामांकन के समय रिटर्निंग अधिकारी को जमा करवानी होगी। इसके अलावा संतान, क्रियाशील शौचालय होने की घोषणा भी नामांकन के समय अनिवार्य रूप से देने के निर्देश हैं। जिले में सर्वाधिक ग्राम पंचायतें भादरा तहसील में 49 हैं। जबकि हनुमानगढ़ में कुल 41, संगरिया में 26, टिब्बी में 30, पीलीबंगा में 40, रावतसर में 36 व नोहर तहसील में 47 ग्राम पंचायतें है। पहले जिले में ग्राम पंचायतों की संख्या 251 थी। जबकि अब 18 नई ग्राम पंचायतें बनाने से इनकी संख्या बढक़र 269 हो गई है। पहले चरण में 17 जनवरी को होने वाले मतदान को लेकर मतदान दलों को 16 जनवरी को रवानगी दी जाएगी। इससे पहले मतदान दलों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

कबड्डी में छात्र वर्ग में कला व छात्रा में विज्ञान संकाय ने मारी बाजी

चूरू (ए.)। राजकीय सुजला कॉलेज में शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में अंतर संकाय खेलकूद प्रतियोगिता शुरू हुई। अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. एचएस झूरिया ने स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा की भावना को सफलता का मूलमंत्र बताते हुए खिलाड़ियों को सतत रूप से अभ्यास करते रहना चाहिए। प्रतियोगिता आयोजन सचिव खेल अधिकारी नेमीचंद शर्मा ने बताया कि पहले दिन छात्र वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता में कला संकाय विजेता व वाणिज्य वर्ग उपविजेता रही। छात्रा वर्ग में विज्ञान संकाय ने विजेता रही। कला व वाणिज्य की संयुक्त टीम ने उपविजेता रहकर दर्शकों का दिल जीता। वॉलीबाल में कला संकाय व वाणिज्य संकाय के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ, जिसमें कला संकाय ने जीत हासिल की। प्रतियोगिता संयोजक एसआर बालान ने बताया कि इस सप्ताह में अंतर संकाय टीटी, चैस, बैडमिंटन व एथलेटिक्स मीट होंगी। इस दौरान संकाय सदस्य विनीता चौधरी, डॉ. प्रेम बाफना, डॉ. गजादान चारण, डॉ. वीके सिंघल, डॉ. सुमित, सीपी सैनी व रामचंद्र जाट ने हौसला अफजाई करते व्यवस्थाओं को संभाला।

एक ही दिन में टूटी सड़क, आक्रोशित लोग बोले सीसी के ऑर्डर और बना दी घटिया डामर सड़क

चूरू (ए.)। शहर के वार्ड 32 में सांड चौक से गोपीनाथ मंदिर तक नई बनी डामर सड़क बनने के एक दिन बाद ही टूटने लगी है। शिकायत है कि यहां सीमेंटेड सड़क पास हुई थी, जबकि मनमर्जी से डामर की सड़क का गलत तरीके से निर्माण कर दिया। इधर, निर्माण में घटिया सामग्री व अनियमितता को लेकर शुक्रवार को वार्ड के लोगों ने आक्रोश जताया। नगरपरिषद व एसडीएम कार्यालय के आगे प्रदर्शन भी किया। एसडीएम डॉ. रतनकुमार स्वामी को ज्ञापन देने के बाद नगरपरिषद में आयुक्त-सभापति के नहीं मिलने पर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। बाद में सभापति-आयुक्त को मौके पर बुलाया। पार्षद प्रदीप सिंह के नेतृत्व में दिए ज्ञापन में बताया कि यहां सीमेंटेड रोड पास हुई थी, परंतु ठेकेदार ने अपनी मनमर्जी से डामर की पीच रोड बना दी। सामग्री का स्तर काफी घटिया है व कमियां छुपाने के लिए उस पर भारी मात्रा में मिट्टी डाल दी गई। सड़क बनने के बाद ही जगह-जगह से उखड़ने लगी है। ज्ञापन में मामले की जांच करवा कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। इससे पूर्व मोहल्ले के लोगों ने सड़क निरीक्षण के लिए आए आयुक्त बसंत कुमार सैनी व सभापति सिकंदर अली खिलजी के सामने ने नाराजगी जाहिर की। मामले की जांच के आदेश देते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। सभापति ने कहा की इस मौसम में कोलतार की सड़क नहीं बनाने के निर्देश होने के बाद ही सम्बंधित फर्म ने आदेशों की अवहेलना की। पार्षद गणेश मंडावरिया, मंडल भाजपा अध्यक्ष बुद्धिप्रकाश सोनी, बनवारी ढाका, कमल दाधीच, विजय चौहान, भीकमचंद जोशी, त्रिभुवन लाटा, वैद्य भंवरलाल शर्मा, राजकुमार पारीक, अशोक तिवाड़ी, नवर7 पुरोहित व ओमप्रकाश पारीक सहित कई लोग मौजूद थे।

कॉलेज छात्रा को भगाकर ले जाने का मुकदमा दर्ज

चूरू (ए.)। गांव रामपुरा पट?टा झारिया से 26 दिसंबर, 2019 को कॉलेज का कहकर घर से निकली युवती के लापता होने को लेकर थाने में एक युवक के खिलाफ उसे भगा ले जाने का मामला दर्ज हुआ। इससे पहले युवती की गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज हुई थी। पुलिस के अनुसार रामपुरा पट्टा झारिया गांव के एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दी कि बेटी के लापता होने के बाद पूछताछ किए जाने पर पता चला कि आशीष पुत्र सुखाराम जाट निवासी ढाणी डीएसपुरा उसकी बेटी को भगा ले गया है। वह अपने परिवार के लोगों के साथ आशीष के घर गया तो आरोपी की मां ने कहा कि कानूनी कार्रवाई मत करना, आपकी बेटी को वापस भेज देंगे। आरोपी आशीष अपराधी प्रवृति का व्यक्ति है, जिससे उसकी बेटी को खतरा है।

67.600 किलो डोडा पोस्त सहित दो गिरफ्तार

चूरू (ए.)। सिटी पुलिस ने शुक्रवार देर रात्रि को किशनपुरा तिराहे पर दो व्यक्तियों को 67 किलो 600 ग्राम डोडा पोस्त सहित गिरफ्तार किया। इस मामले की जांच राजियासर थानाधिकारी सुरेश कस्वां को दी गई है। सिटी थाना के कार्यवाहक प्रभारी एसआई भूप सिंह ने बताया कि शुक्रवार रात्रि करीब ग्यारह बजे बडोपल रोड पर किशनपुरा तिराहे पर दो व्यक्ति पुलिस को देखकर तेज गति से चल रहे थे। इस दौरान उन्हें रोककर उनसे पूछताछ की तो उनकी पहचान हनुमानगढ़ जंक्शन के वार्ड 9 निवासी बबलू खां (19) पुत्र नूर नबी तथा मोहम्मद मुनाफ (25) पुत्र शाहिद खां के रूप में हुई।

नगर कीर्तन में उमड़ी श्रद्धा, गुरु महिमा का गुणगान

■ श्रीगंगानगर (ए.)

गुरु गोविंदसिंह जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार को नगर कीर्तन निकाला गया। गुरुद्वारा श्रीगुरु सिंह सभा की ओर से निकले नगर कीर्तन में पंज प्यारे व उनके पीछे पालकी में सजे श्रीगुरु ग्रंथ साहिब व सैंकड़ो श्रद्धालु साथ चल रहे थे। सेवादारों ने झाड़ू लगाकर गुरुग्रंथ साहिब के लिए मार्ग की साफ सफाई की। गतका पार्टी ने साहसिक करतब दिखाए। कस्बे के मुख्य मार्गों से होकर निकले नगर कीर्तन का अरोड़वंश गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी, गुरुद्वारा नानक दरबार व अन्य श्रद्धालुओं की ओर से भव्य स्वागत किया गया। सेवादार जगतार सिंह व प्रदीपसिंह अश्क ने बताया कि रविवार को अखंड पाठ भोग के बाद सुबह 11 बजे दीवान कीर्तन सजाए जाएंगे। इसमें ढाडी जत्था भाई शौकीन सिंह, भाई इकबाल सिंह, भाई छिंद्र सिंह व हुजूरी रागी जत्था गुरुद्वारा सिंह सभा की ओर से गुरु महिमा का गान

किया जाएगा। इस दौरान गुरु का अटूट लंगर बरताया जाएगा। लंगर सेवा के लिए स्त्री सत्संग सभा, श्रीसुखमणी साहब सेवा सोसायटी व भाई कन्हैया सेवा सोसायटी को दायित्व सौंपा गया है। सेवादार निहाल सिंह, जितेन्द्रसिंह जग्गू, जसपालसिंह बबला, जसविंद्रसिंह जस्सा व गुरप्रीतसिंह चहल आदि ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

भरतपुर संभाग

50 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने भी नहीं दी प्राध्यापक परीक्षा

भरतपढर (ए.)। कठ अठयेजन छठढक्रवठर के छठव्र केंंड्ड परफ्क्ष्ठठ केंदळ पर डकयठ गयठ। अभ्यडथलयें के पघ्ठन जठंच के बठद व्फकेंदळ म ां पळव ाछठ डदयठ गयठ। इपम ां देनें व्फ पठडरयें म ां अभ्यथफ्ल उपडस्थत र०।। पळथम चरण्ठ म ां पढब० नब बज। प। ड्ड0ऱ्ड्ड0 बज। तक पठमठन्य ज्ञ्ठठन तथठ डस्त्तफ्म्र चरण्ठ म ां देपव्र दे बज। प। छठठम पठंच बज। तक ए ाडच्छक डवजय कफपरफ्क्ष्ठठ व्ढइल। पढब० कफपठरफम ां ड्ड्ड6ड्डं म ां प।ं9ड्ड7 अभ्यथफ्ल उपडस्थत अबर 8698 अभ्यथफ्ल अनढपडस्थत र०।। इपफपळकठर छठठम कफपठरफम ां ड्ड0087

वेंटीलेटर मशीन किस तरह चलती है खुद पीएमओ को पता नहीं : डिडेल

■ भरतपुर (ए.)

जिले के सबसे बड़े अस्पताल आरबीएम की हालत देखकर खुद जिला कलक्टर नथमल डिडेल भी आश्चर्य में पड़ गए। पहली बार अस्पताल का हाल जानने पहुंचे कलक्टर डिडेल ने जब वेंटीलेटर के बारे में पूछा तो खुद पीएमओ भी संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इस पर कलक्टर ने कहा कि जब खुद पीएमओ को ही नहीं पता कि कितने वेंटीलेटर खराब पड़े हुए हैं तो बात और भी शर्मनाक है। इतना ही नहीं अस्पताल में जहां देखो वहां अव्यवस्थाओं का आलम सामने आया। उन्होंने दो नर्सिंक कार्मिकों को चार्जशीट देने के आदेश दिए। जिला कलक्टर नथमल डिडेल ने शुक्रवार दोपहर अचानक राजकीय बाबू राजबहादुर मैमोरियल हॉस्पीटल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रमुख चिकित्सा अधिकारी को हॉस्पीटल परिसर की साफ-सफाई एवं मरीजों के लिए गद्दे एवं

कम्बलों की समुचित व्यवस्था के निर्देश दिए। उन्होंने वार्डों में मरीज एवं उनके परिजनों से भी मुलाकात कर अस्पताल प्रशासन की ओर से उनके साथ किए जा रहे व्यवहार एवं उनकी सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की जिस पर दो नर्सिंग कार्मिकों की ओर से अपने कार्य में लापरवाही बरतने पर उन्हें चार्जशीट देने के निर्देश प्रमुख चिकित्सा अधिकारी को दिए। उन्होंने चिकित्सालय के नए भवन का भी अवलोकन कर राजस्थान राज्य सड़क विकास निगम को निर्देश दिए कि वे 15 जनवरी तक दोनों भवनों की लिफ्ट तैयार कर चिकित्सालय प्रशासन को सौंप दें। इससे वार्डों को नए भवन में स्थानांतरित किया जा सके। जिला कलक्टर ने सघन चिकित्सा ईकाई में भी वेंटीलेटर नहीं चलने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की एवं प्रमुख चिकित्सा अधिकारी अविलम्ब सही कराने के मौके पर ही निर्देश दिए। इस दौरान मेडिकल वार्ड, सर्जिकल वार्ड, ब्लड बैंक, ट्रोमा सेंटर एवं जांच केन्द्रों का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार के लिए निर्देश दिए। साथ ही पीएमओ को यह भी मालूम नहीं था कि वेंटीलेटर मशीन किस तरह चलती है। इस पर जिला कलक्टर ने उन्हें फटकार लगाई और कहा कि क्या यहां भी और जगह की तरह ही हादसे का इंतजार कर रहे हैं।

प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत की पूर्व तैयारी बैठक आयोजित

सवाई माधोपुर (नि.सं.)। प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत के सफ्ल संचालन के लिए शनिवार को एससी/एसटी न्यायाधीष मीना अग्रवाल की अध्यक्षता में ए.डी.आर. सेन्टर जिला न्यायालय परिसर में बैठक आयोजित की गई। एससी/एसटी न्यायाधीष मीना अग्रवाल ने बैठक में अधिकारियों से राष्ट्रीय लोक अदालत को सफ्ल बनाने के लिए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की बात कही। उन्होंने अधिकारियों को प्रकरणों को समय पर पेष करने के निर्देष दिए। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित सभी प्रकृति के राजीनामा योग्य प्रकरणों एवं बैंक, वित्तीय संस्थाओं के वसूली से संबंधित प्रिलिटिगेषन प्रकरणों का निस्तारण किया जायेगा। इससे पूर्व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्वेता शर्मा ने बैठक में प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन की पूर्व तैयारी बैठक पर अधिकारियों से चर्चा करते हुए आवष्यक दिषा निर्देष दिए। उन्होंने बैठक में अधिकारियों से लोक अदालत में दो हजार पांच सौ रूपये से कम एवं टाईम बार्ड के प्रिलिटिगेषन प्रकरण नही लाने की बात कही। बैठक में बैंक ऑफबड़ौदा सिटी के ऋणिराज मीणा, बैंक ऑफबड़ौदा मानटाउन के केदार लाल मीणा, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के मधु गुप्ता, इलाहाबाद बैंक से आषाराम मीना, एसबीआई सिटी से जे.आर मीणा सहित कार्पोरेषन बैंक के अरविन्द कुमार उपस्थित रहे।

चुनावी बूथों का निरीक्षण किया

बूंदी (ए.)। आगामी पंचायत चुनाव के मद्देनजर जिला कलक्टर एमएल यादव ने सम्भावित चुनावी बूथों का निरीक्षण किया। राजकीय उमा विद्यालय लांगरा में बूथों का निरीक्षण करने के दौरान यादव ने बूथ लेबल अधिकारी, पटवारी, ग्राम विकास अधिकारी को बूथों पर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। पोलिंग पार्टी के रहने, पीने का पानी, शौचालय, सफाई आदि पर ध्यान देने की बात कही। पोलिंग के लिए कमरों का भी चयन किया। एसडीएम रामनिवास मीना, तहसीलदार प्रकाशचंद्र मीना, विकास अधिकारी कन्हैयालाल और गिरदावर रसिकबिहारी शर्माभी मौजूद रहे।

चुनावी व्यवस्थाओं पर चर्चा

बूंदी (ए.)। यहां पंचायत समिति कार्यालय परिसर में गुरुवार को जिला कलक्टर डॉ. मोहन लाल यादव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पंचायत चुनाव पर चर्चा की। चुनाव के लिए अधिकारियों को अलग अलग जिम्मेदारी सौंपते हुए कार्य के प्रति गंभीरता बरतने व इलाके में शांतिपूर्ण मतदान कराए जाने के निर्देश दिए। चुनाव संपन्न होने तक उपखंड स्तरीय अधिकारी कर्मचारियों को मुख्यालय पर ठहरने के लिए पाबंद किया।

ग्राम पंचायतों में भ्रमण के निर्देश

बूंदी (ए.)। जिला कलक्टर ने उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, विकास अधिकारी व संबंधित थानाधिकारियों को ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने, चुनाव शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने, समाजकंटकों पर निगरानी रखने के निर्देश दिए। समाजकंटकों की सूची तैयार कर उपखंड अधिकारी व तहसीलदार के समक्ष पेश करने के निर्देश दिए।

मतदान केन्द्रों पर पुख्ता हो व्यवस्थाएं

बूंदी (ए.)। जिला कलक्टर ने मतदान केन्द्रों पर फर्नीचर, बिजली, पानी की व्यवस्थाएं व संसाधन उपलब्ध कराए जाने के निर्देश विकास अधिकारी कन्हैया लाल वर्मा को दिए। मतदान केन्द्र तक पहुंचने के मार्गों को दुरुस्त करने के निर्देश सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता को दिए। मतदान दिवस के दौरान चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने व दवा का प्रबंध करने के निर्देश चिकित्सा अधिकारी को दिए। इस दौरान पंचायत प्रसार अधिकारी विजय सिंह मीणा, थानाधिकारी महेन्द्र चौधरी, चिकित्साधिकारी डॉ गणेश मीणा आदि मौजूद रहे।

कनिष्ठ अभियंता निलम्बित

नागरिक संशोधन अधिनियम के संयोजक सीताराम गुर्जर ने कहा कि भारत सरकार ने पड़ोसी देश पाकिस्तान अफगानिस्तान तथा बांग्लादेश के अल्पसंख्यक समुदायों की पीड़ा को समझकर नागरिक संशोधन विधेयक जैसे महत्वपूर्ण कदम के माध्यम से उन्हें राहत देने का कार्य किया है। कुछ तथाकथित बुद्धिजीवी इस संदर्भ में लगातार भ्रम की स्थिति उत्पन्न करने का प्रयास कर रहे हैं।

गुर्जर ने कहा कि इस विधेयक को लेकर फैलाई जा रही अफवाह को जागरूकता के माध्यम से दूर किया जाएगा। इस दौरान मनमोहन सैनी, बिट्टू सैनी, लोकेश सैनी, बुधराम सैनी, राजेन्द्र, हरकेश, ब्रजमोहन, विष्णु, रामचरण, कमल, बुधराम, धर्मेन्द्र, मनराज, किशोर, खेमराज, धनराज, श्यामू, लाला, आशाराम, दिनेश, बलराम एवं दीपक आदि मौजूद रहे।

3 घरों से सोने-चांदी के जेवर और 45 हजार रुपए चोरी

गंगापुरसिटी (ए्.) ।थाना क्षेत्र के गांव तरगवां में 1 जनवरी की देर रात चोरों ने तीन घरों को निशाना बनाकर लाखों रुपए के जेवर एवं नगदी पार कर ले गए। जिसे लेकर पीडितों ने थाने में चोरी का मामला दर्ज करावा दिया। पीडितों द्वारा भुसावर थाना पर दर्ज करवायी गई रिपोर्ट में बताया है कि गांव तरगवां निवासी बदन सिंह पुत्र प्रकाश जाट एक जनवरी को अपनी ससुराल गया हुआ था। जहां पीछे से चोरों ने घर में घुसकर ताला तोड़ते हुए घर में रखे सोने चांदी के जेवरात एवं 5 हजार रुपए की नगदी पार कर ली। वहीं गांव के ही मंगतीराम पुत्र गिर्राज के घर से सोने चांदी के आभूषण सहित आठ हजार रुपए की नगदी पार कर ली। गांव तरगवां में उसी रात रूपकला प7ी जगन सिंह जाट के घर में भी चोरों ने घुसकर ताला चटकाये और घर में रखे सोने चांदी के जेवर सहित 45 हजार रुपए की नगदी पार कर ले गये। जिसका पता चलने पर पुलिस को सूचना दी गई। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बालिकाओं से की छेड़छाड़ तो खैर नहीं

धौलपुर (ए.)। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें आत्मरक्षा के लिए सशक्त बनाने के उद्देश्य से सात दिवसीय महिला शक्ति प्रशिक्षण शिविर के अन्तर्गत शुक्रवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पुरानी छावनी धौलपुर में पुलिस, शिक्षा एवं महिला अधिकारिता विभाग धौलपुर के संयुक्त तत्वावधान में ब्लॉक स्तरीय शिक्षिका, बालिका आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जिला कलक्टर राकेश जायसवाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने की। इस अवसर पर जिला कलक्टर राकेश जायसवाल ने कहा कि शिक्षिकाओं व बालिकाओं के आत्मबल को बढ़ाने तथा विषम परिस्थितियों में अपनी रक्षा स्वयं कर सके इसको लेकर महिला शक्ति आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत की हुई। इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर धौलपुर के सभी ब्लॉक में लगाए जाएंगे। पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने कहा कि शिक्षिकाओं व बालिकाओं को सशक्त बनाकर महिला अपराधों में कमी लाने के उद्देश्य से राजस्थान पुलिस की ओर से जनवरी 2020 से महिला शक्ति आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविरों की शुरुआत की गई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रशिक्षण केन्द्र पर महिलाओं व बालिकाओं के आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ ही कानून और अपने अधिकारों के बारे में जानकारी दी जाएगी। ताकि उनका मनोबल बढ़े। योजना का उद्देश्य महिलाओं व बालिकाओं को दैनिक जीवन में अत्याचार, छेड़छाड़, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीडन्, एसिड हमले आदि विपरीत परिस्थितियों का सामना आत्मविश्वास के साथ कर सके। प्रशिक्षण शिविर के दौरान विभिन्न विद्यालयों से आई शिक्षिकाओं व बालिकाओं को महिला कमांडो व प्रशिक्षित मास्टर ट्रैनरों द्वारा विषम परिस्थितियों में पडने् पर आत्मरक्षा सम्बन्धी प्रशिक्षण दिया गया। मुसीबत में पडने् पर किस प्रकार से अपने आत्मबल व विवेक के आधार पर विपरीत परिस्थितियों से बाहर आया जा सकता है।

13 साल पहले आठ लोगों का एक साथ अपहरण करने वाले 2 डकैत गिरफ्तार

करौली (ए.)। राजाखेड़ा के समौना गांव से 2007 में एक साथ आठ ब्राह्मणों का अपहरण करने वाले कुख्यात डकैत जगजीवन परिहार गैंग के दो बदमाशों को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। डकैत जगजीवन परिहार गैंग के सक्रिय सदस्य रहे सुरेन्द्र पर 30 हजार रुपए और बदमाश रवि उर्फ रविन्द्र उर्फ राघवेन्द्र पुत्र सुरेन्द्र ठाकुर निवासी होलापुरा थाना अम्बाह जिला मुरैना मध्यप्रदेश पर पुलिस ने 5 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था।

एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया है कि बदमाशों को पकड़ने में डिस्ट्रिक्ट स्पेशल टीम (छ्स्ज्ञ) के विनोद कुमार हैड कानि. के नेतृत्व में हैड कानि. जयदेव, कानि. दीनदयाल, कानि. बीरवल, कानि. जितेन्द्र, कानि. चालक दिलीप कुमार एवं साइबर सैल के कानि. विजय सिंह व कानि. नीरज की संयुक्त टीम ने कानि. जीतेन्द्र की सूचना पर दोनों ईनामी बदमाशों को राजाखेडा थाना क्षेत्र के समौना गांव के पास चम्बल के बीहडों से गिरफ्तार किया है। एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि दोनों ही बदमाश वर्ष 2000 से हत्या, लूट, अपहरण जैसे आधा दर्जन मामलों में वांछित चल रहे थे, जो पिछले पन्द्रह साल से पुलिस से छिपते हुए फरार चल रहे थे।

एक माह पहले तीन बार समौना घाट आने की मिली थी लोकेशन, मुखबिर बन पुलिस ने रखी नजर

जानकारी के अनुसार, करीब एक माह पूर्व दोनों बदमाशों की लोकेशन पुलिस को तीन बार समौना घाट पर मिली थी। जिसके बाद एसपी मृदुल कच्छावा के निर्देश पर डिस्ट्रिक्ट स्पेशल टीम दोनों बदमाशों को पकड़ने में लग गई। पुलिस के अनुसार, डकैतों को पकड़ने के लिए कुछ पुलिस कर्मियों ने मुखबिर बनकर लगातार समौना घाट पर निगरानी रखी। जिसके बाद कांस्टेबल जीतेंद्र को शुक्रवार को सटीक सूचना मिलने पर उसने डिस्ट्रिक्ट स्पेशल टीम को सूचना की। जिस पर टीम ने घेराबंदी कर बदमाशों को पकड़ लिया।

2007 में हेलिकॉप्टर से हुई थी बीहड़ों में सर्चिंग

डकैत जगजीवन परिहार गैंग ने राजाखेड़ा क्षेत्र के गांव समौना से एक साथ 8 ब्राह्मणों का अपहरण कर लिया था। जिसके बाद मामला प्रदेश भर में सुर्खियों में पहुंच गया। जिसके बाद राज्य के तत्कालीन गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया समौना गांव पहुंचे थे और अपहर्त के परिजनों को आश्वासन देकर चंबल के बीहड़ों में हेलिकाप्टर से डकैत के गैंग की सर्चिंग करवाई थी। इसके बाद भी पुलिस को कोई सफलता नहीं मिली थी। बता दें कि 14 मार्च-07 को मुरैना जिले के पोरसा थाना इलाके के गांव घड़ी बुधारा में 11 लाख के ईनामी कुख्यात डकैत

साथियों के साथ पैदल जा रहे युवक को बाइक ने मारी टक्कर

धौलपुर (ए.)। जिले के कंचनपुर थाना इलाके में पैदल जा रहे एक युवक को अनियंत्रित और तेज गति से जा रही बाइक ने टक्कर (ह्श्रड्डस्र ड्डुष्द्बस्रद्गठ्ठ द्बठ्ठ स्रद्धश्द्यश्च्ह्वह्ल) मार दी, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और गंभीर अवस्था में घायल हुए युवक को जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत को देखते हुए हायर सेंटर रैफर कर दिया। लेकिन दौरान इलाज युवक ने दम तोड़ दिया। युवक की मौत के बाद परिजन उसके शव को लेकर जिला चिकित्सालय पहुंचे जहां शव को पोस्टमार्टम के जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। जानकारी के मुताबिक मठ नीम खेड़ा गांव का रहने वाला युवक आशुतोष देर शाम को साथियों के साथ पैदल जा रहा था। तभी तेज गति से आ रही बाइक ने गलत दिशा में आकर उसको टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। देर रात युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। आशुतोष की मौत के बाद साथियों सहित पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई।

वर्किंग टाइम में सफाईकर्मी मिला चाय की दुकान पर कलेक्टर ने दिए निलंबन के आदेष

सवाई माधोपुर (नि.सं.)। जिला कलेक्टर डॉ. एस.पी.सिंह ने शनिवार को सुबह जिला मुख्यालय के विभिन्न स्थानों का औचक निरीक्षण कर सफ्फाई व्यवस्था का हाल जाना। वहीं वर्किंग टाइम में चाय की थडी पर गप्पे लडाते मिले कामचोर कार्मिक को निलंबित करने के निर्देष नगर परिषद आयुक्त को दिए। जिला कलेक्टर डॉ. सिंह शनिवार को सुबह साढे नौ बजे सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय की सफ्फाई व्यवस्था के औचक निरीक्षण पर निकले। उन्होंने शहर में विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर सफ्फाई की स्थिति का जायजा लिया। शहर के वार्ड नंबर 24 में पहुंचकर आरयूआईडीपी द्वारा करवाए जा रहे सीवरेज कार्य को जांचा। यहां उन्होंने आरयूआईडीपी के अधिषासी अभियंता को सीवरेज का कार्य सात दिन में पूरा करने के निर्देष दिए। वहीं कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने के साथ ही सीवरेज के लिए खोदी गई सडक का रिस्टोरेषन कार्य भी तुरंत करने के निर्देष दिए। गलियों में सडको पर जमा पानी तथा नालियों की सफ्फाई नहीं होने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए सफ्फाईकर्मियों को शहर को साफसुथरा बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने तथा तत्परता से कार्य करने के निर्देष दिए। इसके बाद जिला कलेक्टर ने आलनपुर में सफ्फाई व्यवस्था का जायजा लिया। यहां भी सफ्फाई कर्मियों एवं लोगों के साथ संवाद किया तथा लोगों को सफ्फाई के प्रति जागरूक किया। जिला कलेक्टर इसके बाद आवासन मंडल पहुंचे। यहां सफ्फाईकर्मी विनोद कार्य के समय में चाय की दुकान पर गप्पे लडाता मिला। कलेक्टर को देखकर उक्त सफ्फाईकर्मी भाग खडा हुआ। ऐसे में कलेक्टर डॉ. सिंह ने लापरवाह सफ्फाईकर्मी विनोद को निलंबित करने के आदेष नगर परिषद आयुक्त को दिए। उन्होंने आवासन मंडल में भी सफ्फाई कार्य का निरीक्षण किया। जिला कलेक्टर इसके बाद कलेक्ट्रेट परिसर में एडवोकेट्स के बैठने के स्थान पर पहुंचे। यहां गत दिवस निरीक्षण के दौरान दिए निर्देषों की पालना के संबंध में नगर परिषद आयुक्त से जानकारी दी। कलेक्टर डॉ. सिंह ने महावीर पार्क पहुंचकर सफ्फाईकर्मियों से संवाद किया। उन्होंने नगर को साफसुथरा रखने के लिए सफ्फाईकर्मियों को जुटकर कार्य करने के निर्देष दिए। उन्होंने सफ्फाईकर्मियों को नियमित रूप से सफ्फाई व्यवस्था के संबंध में निर्देष दिए। कलेक्टर ने लोगों को भी सफ्फाई के प्रति जागरूक किया तथा कचरे को निर्धारित कचरा पात्र में डालने एवं अपने आसपास सफ्फाई रखने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर आरयूआईडीपी के अधिषासी अभियंता, नगर परिषद के आयुक्त सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

चुनाव कार्मिकों का प्रथम प्रशिक्षण आज को

सवाई माधोपुर (नि.सं.)। पंचायती राज संस्था आम चुनाव-2020 से संबंधित चुनाव कार्मिकों को प्रथम प्रषिक्षण रविवार, 5 जनवरी को जिला मुख्यालय स्थित राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय, साहू नगर में प्रषिक्षण दिया जायेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. एस. पी. सिंह ने बताया कि क्रमांक 1 से 128 आर ओ तथा पीओ को सुबह साढे 10 बजे से दोपहर ढेड बजे तक तथा क्रमांक 129 से 256 आरओ तथा पीओ को दोपहर 2 बजे से षाम 5 बजे तक प्रषिक्षण दिया जायेगा। प्रषिक्षण 3 सत्रों में होगा। प्रथम सत्र में नाम निर्देषन प्रक्रिया, दूसरे सत्र में मतदान प्रक्रिया तथा तीसरे सत्र में ईवीएम कार्य प्रणाली आदि की जानकारी देकर लाइव डेमो दिया जायेगा।

अधिकारियों ने देखे मतदान केन्द्र

■ सवाईमाधोपुर (ए.)

पंचायत आम चुनाव के अन्तर्गत पंचायत समिति क्षेत्र गंगापुर के अधीन मतदान केन्द्रों का शनिवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर, उप जिला कलक्टर, पुलिस उपाधीक्षक एवं तहसीलदार ने निरीक्षण किया।

एडीएम नवरत्न कोली, एसडीएम विजेन्द्र कुमार मीना, सीओ किशोरीलाल एवं तहसीलदार ज्ञानचंद जैमन ने ग्राम पंचायत कुनकटा कलां एवं खेडाबाढ़ रामगढ़ का निरीक्षण किया। यहां मतदान केन्द्रों पर समस्त प्रगणक, ग्राम विकास अधिकारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पटवारी, गिरदावर, संस्था प्रधान व अन्य आमजन उपस्थित मिले। ग्राम पंचायत कुनकटा कलां के मतदान केन्द्र पर विद्युत व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालन के लिए संस्था प्रधान को निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम पंचायत खेडाबाढ़ रामगढ़ में रेम्प, खिडकियों व विद्युत व्यवस्था को सही कराने के लिए संस्था प्रधान को निर्देश दिए।

बूथ केन्द्रों का किया निरीक्षण

वजीरपुर . उपखंड मुख्यालय पर पंचायत चुनावों की तैयारियों को लेकर शनिवार को कार्यालय पदेन पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी मुकेशचंद मीना ने वजीरपुर में बूथ केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मीना ने आवश्यक निर्देश दिए।

मीना ने बताया पंचायत चुनाव के मद्देनजर वजीरपुर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के दस बूथ केन्द्रों पर जाकर कमरों के रखरखाव की स्थिति देखी। साथ ही बीएलओ से मिलकर जानकारी ली। सभी बीएलओ से चर्चा कर निर्वाचन संबंधी निर्देश स्पष्ट तरीके से बूथ केन्द्रों पर अंकित करने की बात कही। उन्होंने केन्द्रों पर शौचालय, रैंप एवं पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

धर्म भूल कमल ने रक्त देकर नगीना की बचाई जान

धौलपुर (ए.)। जिले में सोशल मिडिया से रोजाना कई जिन्दगीयां बचाई जा रही है। जिले के सामान्य चिकित्सालय में शुक्रवार को भर्ती प्रसूता नगीना को आपातकाल में ओ पोजिटिव रक्त की दरकार थी। ब्लड बैंक में ओ पोजिटिव रक्त का अभाव होने के कारण प्रसव महिला नगीना को रक्त नहीं मिल रहा था। नगीना के परिवारीजन बहुत परेशान थे। रक्त का अभाव होने के कारण रक्त की जरूरत का मैसेज ब्लड 24 गुना 7 हेल्प धौलपुर पर डाला गया। ग्रुप के संस्थापक गौरव श्रोती ने तत्काल कमल ठाकुर को फोन कॉल से सारी जानकारी उपलब्ध कराई। जानकारी मिलते ही कमल ने तत्काल जिला अस्पताल पहुंचकर रक्तदान किया ।इस अवसर पर कमल का कहना था कि रक्तदान करने से सुकून मिलता है यह मेरे जीवन का चौथा रक्तदान है। इस अवसर पर जयन्त ठाकुर, मनीष डंडोतिया मौजूद रहे।

प्रगणकों को निष्ठा शिविरों से तत्काल कार्यमुक्त करें : डीएम

धौलपुर (ए.)। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला परियोजना समन्वयक द्वारा जिले में निष्ठा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पंचायतीराज संस्थाओं की निर्वाचन नामावलियों की तैयारी के संबंध में नियुक्त प्रगणक भी भाग ले रहे है। जिले में राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव के सन्दर्भ में निर्वाचक नामावलियों का 3 जनवरी को अन्तिम प्रकाशन किया गया है जिसका अन्तिम प्रकाशन के पश्चात निरन्तर अद्यतन की कार्यवाही की जाएगी। पंचायतीराज संस्थाओं की निर्वाचक नामावलियों की तैयारी के संबंध में नियुक्त सभी प्रगणकों को निष्ठा शिविरों से तत्काल कार्यमुक्त कर उन्हें निर्वाचन नामावलियों के अन्तिम प्रकाशन एवं निरन्तर अद्यतन की कार्यवाही करने के लिए निर्देशित करे।

भाजपा के 4 विधायकों ने जेकेलोन के लिए 40 लाख रुपए दिए

कोटा (ए.)। जेकेलॉन शिशु एवं मातृ चिकित्सालय कोटा में जीवन रक्षक उपकरणो और संसाधनो के लिए भाजपा के 4 विधायको ने 40 लाख रू जारी किये है। विधायक संदीप शर्मा ने बताया की उनके अतिरिक्त विधायक मदन दिलावर , चन्द्रकान्ता मेघवाल और अशोक डोगरा ने अलग अगल 10 लाख रूपये जेकेलॉन अस्पताल में उपकरणो और संसाधनो के लिए जारी कर दिये है जबकि विधायक कल्पना देवी के कोटा से बाहर होने के कारण आज उनका स्वीकृति पत्र जारी नही हो सका लेकिन जल्द ही उनके द्वारा भी स्वीकृति पत्र जारी कर दिया जायेगा।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने अस्पतालों का निरीक्षण किया

■ बूंदी (ए.)

बूंदी के सामान्य चिकित्सालय में शुक्रवार को चिकित्सामंत्री के आने की सुगबुगाहट सुनकर अतिरिक्त जिला कलक्टर निरीक्षण करने पहुंचे, जहां चौंका देने वाले तथ्य सामने आए। बूंदी के चिकित्सालय में अकेले दिसम्बर माह में 10 बच्चों की मौत होने की बात सामने आई। हालांकि यहां मौजूद चिकित्सा अधिकारियों ने इसे सामान्य प्रक्रिया बताकर अपनी जिम्मेदारियों पर पर्दा डाल लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोटा के अस्पताल में बच्चों की मौत के मामलों को देखने के लिए सडक् मार्ग से चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास निकले थे। दोनों ही मंत्रियों के बूंदी जिला चिकित्सालय को भी देखने की कांग्रेस नेताओं ने सोशल मीडिया पर मैसेज डाले। इन्हें देखकर दोपहर को अतिरिक्त जिला कलक्टर (सीलिंग) एयू खान चिकित्सालय में पहुंचे और निरीक्षण किया। उन्होंने यहां की व्यवस्थाओं को जांचा और अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। जब बच्चों की मौत के बारे में जानकारी जुटाई तो पता चला कि

दिसम्बर -2019 में चिकित्सालय में 10 बच्चों की मौत हो चुकी। इनमें 9 नवजात और एक बच्चा कुपोषण से मरा बताया। इसे सुनकर एक बारगी तो अतिरिक्त जिला कलक्टर भी चौंक गए, लेकिन बाद में उन्हें प्रमुख चिकित्सा अधिकारी ने इसे सामान्य बात होने की बात कही।

चिकित्सा शिशु इकाई में बच्चों का देखा हाल

निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर ने मौसमी बीमारियों के आ रहे मरीज, उन्हें सरकार की ओर से मिल रही सुविधाओं और दवाइयों की जानकारी ली।उन्होंने गहन चिकित्सा शिशु इकाई में बच्चों को भी देखा। साथ चले पीएमओ से सरकार की ओर से बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।निरीक्षण के दौरान एडीएम को शिशु इकाई में 24 वार्मर सही मिले। इसमें सभी में ऑक्सिजन की पाइप चालू अवस्था में थी।

वार्डों का किया निरीक्षण, मरीजों से जाने हाल

अतिरिक्त जिला कलक्टर ने चिकित्सालय के वार्डों का भी जायजा लिया। यहां भर्ती मरीजों से व्यवस्थाओं के बारे में पूछा। हालांकि कुछ लोगों ने चिकित्सालय में साफ-सफाई नहीं होने और मच्छरों की भरमार रहने की जानकारी मीडिया कर्मियों को दी। जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया था, जिसमें पता चला कि दिसम्बर माह में दस बच्चों की मौत हो गई। पीएमओ ने बताया कि यह सब सामान्य प्रक्रिया के तहत हुआ। चिकित्सालय में सुविधाओं की कोई कमी नहीं। सुविधाएं अधिक बेहतर रहे इसके लिए सभी को दिशा-निर्देश दे दिए।

एयू खान, अतिरिक्त जिला कलक्टर (सीलिंग), बूंदी

कोहरे से जनजीवन अस्त-व्यस्त

बूंदी (ए.)। शनिवार को अलसुबह कोहरा छाया रहा। जिससे पांच फीट की दूरी पर खड़े वाहन भी नजर नहीं आ रहे थे। ऐसे में वाहन चालकों को लाईट जलाकर गुजरना पडा। वही कोहरे के कारण गिरी ओंस की बूंदों से सडके़ गिली हो गयी। वहीं पेड़ों के नीचें ओंस की बूंदे ऐसी गिर रही थी जैसे बारीश हो रही हो रही हो। पेडों की पत्तीयों पर भी ओंस की बूंदें जमी नजर आयी। कोहरा छाने के साथ सर्दी बढ़ गई। जिससे लोग अलाव का सहारा लेकर राहत पाने का जतन करते नजर आए। पेचकीबावडी कस्बे सहित क्षेत्र में शनिवार अलसुबह से ही घना कोहरा छाया हुआ रहा। वही एनएच 52 पर कोहरे के कारण वाहन चालकों को 20 से 25 फीट तक भी वाहन दिखाई नहीं दे रहे। जिससे वाहन रेंगते हुए चलते दिखे। वही लोग अलाव का सहारा लेते व चाय की चुस्कियां लेते दिखाई पड़े। बड़ानयागांव क्षेत्र में शनिवार सुबह घना का कोहरा छाया रहा। कोहरे के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर भी वाहनों की आवाजाही कम रही। वाहन चालकों को हेडलाईट जलानी पड़ी। कोहरा छाने से क्षेत्र में सर्दी का असर बढ़ गया। सब्जियों की फसलों में ओंस की बूंदे जमी नजर आई। क्षेत्र में लगातार सर्दी के चलते सब्जियों की फसलों में नुकसान होना शुरू हो गया हैं। जिससे क्षेत्र के किसानों की चिंता बढ़ गई है। घने कोहरे से जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। किसानों ने बताया कि गेहूं की फसल के लिए लाभदायक है। वही छोटी फसलें को नुकसान हो रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी वाहन चालकों को भारी समस्या का सामना करना पड़ा।

चारभुजा मंदिर में मनाया पौषबड़ा महोत्सव

बूंदी (ए.)। देई स्थित चारभुजा मंदिर में शुक्रवार को पौषबडा महोत्सव मनाया गया। पूजारी मुरलीधर पाराशर ने बताया कि मंगला आरती में भगवान को पूए व पकोडी का भोग लगाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। इसके बाद चारभुजा चौक मे काउंटर लगाकर प्रसादी का वितरण किया गया। प्रसादी के लिए दिनभर बडी संख्या मे श्रद्धालु उमड़े। जिससे दिनभर कांउटर पर श्रद्धालुओं की भीड लगी रही।

भगवान के विमान की निकाली रेवाड़ी, ग्रामीणों ने भजनों पर किया नृत्य

बूंदी (ए.)। भंडेड़ा. फलास्तूनी गांव के ग्रामीणों ने भगवान चारभुजानाथ के विमान की रेवाड़ी धूमधाम से निकाली।

जानकारी के अनुसार डूंगरी के देवनारायण के स्थान से डीजे के साथ रेवाड़ी शुरू हुई जिसमें ग्रामीण भगवान के भजनों पर नृत्य करते हुए मुख्य मार्ग से होते हुए गांव में पहुंचे। जहां गलियों से होते हुए भगवान चारभुजानाथ मन्दिर पहुंचे। जहां पर भगवान की महाआरती की गई। जयघोष के साथ रेवाड़ी का समापन किया गया।

अस्पताल में दो ही डॉक्टर, मरीजों को नहीं मिल रहा इलाज

बूंदी (ए.)। एक ओर तो अस्पताल प्रशासन नवाचार के नाम पर बुजुर्गों का सम्मान कर रहा है। दूसरी ओर यहां आने वाले मरीजों को परेशान होना पड़ रहा है। डॉक्टरों की कमी के चलते शुक्रवार को मरीजों को 2 घंटे तक परेशान होना पड़ा। यह स्थिति उस समय सामने आई जब अस्पताल में मौजूद एकमात्र डॉ. राजेश वर्मा पोस्टमार्टम में व्यस्त हो गए। दरअसल अस्पताल में सुबह से ही एक ही डॉक्टर मौजूद था, जबकि अस्पताल प्रभारी डॉ. मांगीलाल मीणा सुबह की पारी में आए ही नहीं। थोड़ी देर तो डॉ. राजेश वर्मा ने मरीजों को देखा, लेकिन कुछ देर बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू हो गई तभी व्यवस्था बिगड़ गई। पार्षद रूखसार पठान अस्पताल पहुंचे तो डॉक्टर नहीं होने की शिकायत पहले प्रभारी डॉ. मांगीलाल से की तो उन्होंने जरूरी काम की बात कहकर आने में असमर्थता जताई। बाद में सीएमएचओ बूंदी सहित लाखेरी एसडीएम को स्थिति से अवगत करवाया। इसके बाद प्रभारी डॉक्टर अस्पताल पहुंचे। लाखेरी सीएचसी पर 7 पद स्वीकृत है, जिसमें से वर्तमान में दो ही डॉक्टर कार्यरत है। अस्पताल में डॉक्टरों की कमी के चलते मरीजों को आए दिन परेशान होना पड़ता है। अक्सर डॉ. राजेश वर्मा ही मिलते है। तब तक तो लोगों को सुविधा रहती है। उनके नहीं होने या किसी काम में व्यस्त होने पर समस्या हो जाती है। गुरुवार रात से ही अस्पताल में हादसों के शिकार आते रहे। शुक्रवार को पोस्टमार्टम की कार्रवाई सामने होने के बावजूद अस्पताल प्रशासन वस्तुस्थिति की नजाकत नहीं भांप पाया और बाद में लोगों ने शिकायत की तब कहीं जाकर प्रभारी डॉ. मांगीलाल अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में डाक्टरों की कमी को लेकर, जहां चिकित्सा विभाग कथित परीक्षा को लेकर बहाना बनाता आ रहा है।बताया जा रहा है कि 5 जनवरी को उच्च अध्ययन के लिए परीक्षा हो रही है। इसके चलते कथित रूप से डॉक्टर इसकी तैयारी में लगे हैं इसके चलते डॉक्टर सेवाएं नहीं दे पा रहे हैं।

एनआरसी-सीएए का विरोध, केपाटन-कापरेन तालेड़ा में मुस्लिम समाज ने निकाला जुलूस

बूंदी (ए.)। देशभर में चल रहे एनआरसी व सीएए के विरोध के तहत शहर के मुस्लिम समाज की ओर से जुमे की नमाज के बाद जामा मस्जिद से मुख्य बाजार में केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जुलूस निकालकर राष्ट्पति के नाम एसडीएम को ज्ञापन दिया गया। शहरकाजी अब्दुल गनी की सरपरस्ती में शुरू हुए जुलूस में युवाओं व बच्चों ने एनआरसी व सीएए के खिलाफ हाथों मे तख्तियां ले रखी थी। कई युवा हाथों में तिरंगा लहराते चल रहे थे। जुलूस में कई हाजी व मुस्लिम समाज के सभी जिम्मेदार लोग जुलूस में शामिल हुए। जुलूस मुख्य मार्गों पर होता हुआ एसडीएम कार्यालय पहुंचा। शहरकाजी ने राष्टपति के नाम भेजे ज्ञापन को सुनाते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने जो संसद में कानून पास किया है वह मुस्लिम व अल्पसंख्यकों के खिलाफ है। सरकार को इसे निरस्त करना चाहिए। कानून व्यवस्था के तहत जुलूस के साथ अतिरिक्त पुलिस बल साथ रहा।

नागरिकता कानून को लेकर कोई भ्रम नहीं होना चाहिए : माहुर

■ झालावाड़ (ए.)

भाजपा प्रदेश मंत्री छगन माहुर ने कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम संविधान का 9वां संशोधन अधिनियम है, जिसे संसद के दोनों सदनों राज्यसभा व लोकसभा ने बहुमत के आधार पर पारित किया है। इस अधिनियम से देश में रह रहे किसी भी नागरिक की नागरिकता को लेकर कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। उनकी नागरिकता को कोई खतरा नहीं है। माहुर नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 को लेकर शुक्रवार को सांसद कार्यालय में पत्रकार वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नागरिकता संशोधन 2019 बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में प्रताड़ित धार्मिक अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने के भाजपा के वचन का क्रियान्वयन है। इन देशों में पिछले कई दशकों से हिन्दुओं, सिख, जैन, बौद्ध ईसाई और पारसी लोगों के साथ शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न हो रहा है। इन सबसे बचकर जब वह भारत आते हैं तो यहां उन्हें शिक्षा स्वास्थ्य और दूसरी मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पाती हैं। भारत की नागरिकता हासिल करने का कोई ठोस दस्तावेज उपलब्ध नहीं होता है। इसके अभाव में यह लोग तकनीकी तौर पर भारतीय नागरिक को मिलने वाली सुविधाओं से वंचित रहते आए हैं। इस अधिनियम के माध्यम से उन्हें यह समस्या नहीं सहनी होगी। इस मौके पर जिला महामंत्री संजय वर्मा, राजेश शर्मा, हेमन्त सिंह, मंडल अध्यक्ष संजय शुक्ला, ओबीसी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष चन्द्रमोहन धाभाई, विवेक दुबे उपस्थित रहे। सीएम गहलोत पर लगाया अड़ंगे का आरोप- इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष संजय जैन ताऊ ने प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर संविधान की शपथ लेते हुए प्रत्येक अधिनियम पर अमल की बात कही थी। आज वही इसके विरोध में खड़े हुए हैं और प्रदेश में इसका बहिष्कार करने की बात कह रहे हैं, जबकि यह अधिनियम दोनों सदनों में बहुमत के आधार पर पारित होकर लागू हुआ है।

भक्ति का रस बड़ा विचित्र होता है : शास्त्री

■ झालावाड़ (ए.)

कस्बे की श्रीराधाकृष्ण गोशाला समिति के द्वारा बड़े तालाब पर नए वर्ष में गोशाला की दूसरी इकाई की शुरुआत के मौके पर तीन दिवसीय गोकथा का आयोजन हो रहा है। जिसमें शुक्रवार को गो कथा में पंडित योगेश्वर शास्त्री ने कहा कि भक्ति का रस बड़ा ही विचित्र होता है। गोमाता की सेवा करने से कई जन्मों के पाप धुल जाते हैं, एवं पुण्य की प्राप्ति होती है। इसलिए मनुष्य को जीवन में यथा संभव गोमाता की सेवा करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि गोशाला खोलना सबसे बड़ा पुण्य का काम है। इसलिए लोगों को बढ़-चढ़कर इस कार्य में सहयोग करना चाहिए। कथा के दौरान उन्होंने भगवान कृष्ण व गोमाता के कई उदाहरण और दृष्टांत सुनाए। जिसे सुनकर श्रोता भाव विभोर हो गए। उन्होंने कहा कि मनुष्य को भगवान की भक्ति सदैव सच्चे मन से करनी चाहिए। उनकी पुकार सुनकर भगवान जरूर आते हैं। इसी दौरान उन्होंने कहा कि कालिया नाग यमुना का पानी जहरीला कर देने से उसे पीने वाले कई गायें व अन्य मवेशी मर जाते थे।

भगवान ने उनकी पुकार सुनकर गेंद का बहाना बनाकर यमुना में कूद गए, और कालिया नाग को वहां से भगा दिया। जिससे यमुना का पानी फिर से पीने योग्य हो गया। इस अवसर पर गोशाला समिति के अशोक गुप्ता, छगन सिंह गुर्जर, सुजान गुर्जर, ईश्वर प्रसाद शर्मा, कन्हैयालाल पालीवाल सहित कई लोग उपस्थित रहे। आज शनिवार को कथा की पूर्णाहुति होगी।

कथा के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने गोशाला के लिए नगद राशि दान पुण्य करने की घोषणा की। जिनमें हिंदुओं के साथ मुस्लिम वर्ग की महिलाएं भी शामिल थी। जिससे गोसेवा में कौमी एकता की मिसाल देखने को मिली। खानपुर. कस्बे के मेगा हाईवे बारां-झालावाड़ रोड पर श्रीकृष्णानन्द गोशाला खानपुर की ओर से श्रीमद् भागवत कथा 4 जनवरी शनिवार से 10 जनवरी शुक्रवार तक, दिन के 12 से 3 तक कथावाचक संत प्रेमनारायण शास्त्री के श्रीमुख से आयोजित होगी। आयोजन समिति अध्यक्ष महावीर गौतम ने बताया कि रविवार को प्रात- 8 बजे भगवान श्रीलक्ष्मीनाथ राजमंदिर बड़ा बाजार से श्रीमद् भागवत कथा के शुभारंभ पर कलशयात्रा निकाली जाएगी।

चुनाव कार्य में सजगता जरूरी : जिल राव

बारां (नि.सं.)। पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव 2020 के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र सिंह राव की अध्यक्षता में चुनाव व्यवस्थाओं की समीक्षा हेतु मिनी सचिवालय सभागार में विभिन्न चुनाव प्रकोष्ठों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में चुनाव अधिकारियों को आपसी सहयोग व समन्वय से चुनाव दायित्वों को पूर्ण करने के निर्देष दिए गए। जिला निर्वाचन अधिकारी राव ने चुनाव प्रकोष्ठों के अधिकारियों को निर्देष दिए कि निर्वाचन कार्य एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है अत: चुनाव संबंधी सभी दायित्व सजगता व सतर्कता से पूर्ण किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव के तहत जिले में पंच एवं सरपंच के चुनाव 3 चरणों में होंगे जिसके तहत प्रथम चरण में पंचायत समिति बारां, अटरू, अन्ता एवं मांगरोल के लिए चुनाव होंगे। पंच सरपंच के चुनाव के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा लोकसूचना 7 जनवरी 2020 को जारी की जाएगी। नाम निर्देषन पत्रों को 8 जनवरी 2020 को प्रात: 10.30 से सायं 4.30 बजे तक प्रस्तुत किया जा सकेगा। इसी क्रम में नाम निर्देषन पत्रों की संविक्षा 9 जनवरी 2020 को प्रात: 10.30 बजे से की जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि ईवीएम की तैयारी जिला मुख्यालय पर की जाएगी। मतदान दल रूट चार्ट के अनुसार रवाना किए जाएंगे। मतदान दलों के गठन, प्रषिक्षण का कार्य किया जा रहा है साथ ही ईवीएम की एफएलसी का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। ईवीएम का प्रथम रेण्डमाईजेषन 3 जनवरी 2020 को पूर्ण करने के निर्देष दिए गए। बैठक में पीओएल व्यवस्था, रूट चार्ट, चैक पोस्ट, चुनाव कार्मिकों को भुगतान, वीडियोग्राफी, आदर्ष आचार संहिता की पालना, चुनाव कार्मिकों को प्रषिक्षण, मतदान दलों की सामग्री के बेग तैयार करने आदि के संबंध में संबंधित चुनाव प्रकोष्ठों को निर्देष दिए गए। प्रषिक्षण प्रकोष्ठ प्रभारी बृजमोहन बैरवा ने प्रषिक्षण तैयारियों के संबंध में जानकारी दी। इसी क्रम में विभिन्न प्रकोष्ठों के अधिकारियों ने अपने प्रकोष्ठ के कार्य की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर उपजिला निर्वाचन अधिकारी मोहम्मद अबूबक्र, ईवीएम प्रकोष्ठ प्रभारी व एडीएम शाहबाद महेन्द्र सिंह लोढ़ा, कोषाधिकारी धीरज कुमार सोनी समेत विभिन्न चुनाव प्रकोष्ठों के प्रभारी एवं सहायक प्रभारी अधिकारी मौजूद थे। पंचायती राज आम चुनाव 2020 के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में चुनाव प्रकोष्ठों के प्रभारी अधिकारियों की बैठक प्रतिदिन कार्य दिवस में प्रात: 11 बजे मिनी सचिवालय सभागार में आयोजित की जाएगी। बैठक में चुनाव प्रकोष्ठों के प्रभारी अधिकारी निर्वाचन से संबंधित तैयारियों की प्रगति रिपोर्ट के साथ उपस्थित रहेंगे।

नाम निर्देशन पत्र के लिए आवश्यक दस्तावेज

बारां (नि.सं.)। जिला कलक्टर इन्द्र सिंह राव के अनुसार पंचायती राज आम चुनाव 2020 के अन्तर्गत सरपंच पद हेतु नाम निर्देषन पत्र भरने के लिए आवष्यक दस्तावेजों बारे में जानकारी देते हुए कहा कि चुनाव लड़ने के इच्छुक अभ्यर्थियों को निर्धारित नामांकन तिथि को आवष्यक दस्तावेजों के साथ अपना आवेदन प्रस्तुत करना होगा। उन्होंने कहा कि आवेदन पत्र के साथ नाम निर्देषन पत्र प्रारूप-4 (परिषिष्ठ 6ए), संतान संबंधी एवं अपराध संबंधी घोषणा- प्रारूप-4 घ (परिषिष्ठ 6 बी), क्रियाषील स्वच्छ शौचालय की घोषणा (परिषिष्ठ 6सी), उपाबन्ध-1बी (परिषिष्ठ 6डी) (सरपंच पद के लिए) अभ्यर्थी के परिवार की आर्थिक स्थिति, चल-अचल संपत्ति, शैक्षणिक योग्यता आदि के बारे में शपथ पत्र जो 50 रूपये के स्टाम्प पर प्रस्तुत करना होगा और सह शपथ पत्र नोटेरी से प्रमाणित शुदा भी अपेक्षित है। इसके साथ ही सांख्यिकी सूचना फार्म (परिषिष्ठ 6ई) (सरपंच पद के लिए) मय पासपोर्ट साईज फोटो, जिसको प्रमाणित करवाना आवष्यक नहीं है। उन्होंने बताया कि नाम निर्देषन पत्र भरने के लिए सरपंच पद के लिए प्रतिभूति निक्षेप राषि 500 रूपये है। महिला, ओबीसी, एससी व एसटी अभ्यर्थी नाम निर्देषन पत्र के साथ ओबीसी, एससी व एसटी का प्रमाण पत्र पेष करता है तो प्रतिभूति निक्षेप राषि 250 रूपये जमा होगी। यह राषि भी ग्राम पंचायत मुख्यालय पर नाम निर्देषन पत्र भरने की तिथि को रिटर्निंग अधिकारी को जमा करवानी होगी। आरक्षित श्रेणी के सरपंच पद के लिए आरक्षण अनुसार श्रेणी का जाति प्रमाण पत्र नाम निर्देषन पत्र के साथ जमा करवाना आवष्यक होगा। जिला कलक्टर ने बताया कि निर्वाचन लड़ने के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष पूर्ण होनी चाहिए। आयु के बारे में विवाद होने पर शैक्षणिक दस्तावेज में अंकित जन्म तिथि को सर्वोच्च आधार माना जाएगा। अभ्यर्थी जिस निर्वाचन क्षेत्र/ग्राम पंचायत से चुनाव लड़ रहा है उस निर्वाचन क्षेत्र, ग्राम पंचायत की मतदाता सूची में उसका नाम होना अनिवार्य है। साथ ही संबंधित पंचायती राज संस्था का अदेय प्रमाण प्रत्र प्रस्तुत करना होगा। मतदाता सूची में मतदाता के नाम की प्रविष्टि में लिपिकीय त्रुटि को नाम-निर्देषन पत्र जांच में रिटर्निंग अधिकारी द्वारा गौर नहीं किया जाएगा। इन दस्तावेजों के अलावा अन्य दस्तावेज यथा-चरित्र प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, पेनकार्ड, भामाषाह, मूलनिवास सत्यापन आदि की आवष्यकता नहीं होगी।

मन्वय से दायित्व पूर्ण करें : सिंह

बारां (नि.सं.)। जिला कलक्टर इन्द्रसिंह राव ने कहा कि जिला मुख्यालय पर गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह कृषि उपज मंडी प्रांगण में 26 जनवरी 2020 को आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय पर्व के लिए मुख्य समारोह स्थल पर समस्त आवष्यक व्यवस्थाएं आपसी समन्वय से पूर्ण करते हुए दायित्व का निर्वहन किया जाना चाहिए। कलक्टर राव शुक्रवार को मिनी सचिवालय सभागार में गणतंत्र दिवस समारोह के तहत व्यवस्थाओं हेतु समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस को उत्साह व उमंग के साथ गरिमापूर्ण माहौल में जनसहभागिता के साथ मनाया जाएगा। इस मौके पर सभी अधिकारी व कर्मचारी आवष्यक रूप से समारोह स्थल पर उपस्थित रहना सुनिष्चित करेंगे। बैठक में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, परेड व व्यायाम प्रदर्षन की तैयारी, समारोह स्थल पर पांडाल, बैठक व्यवस्था, साउंड सिस्टम, पेयजल, चिकित्सा, सुरक्षा, यातायात आदि की व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा करते हुए संबंधित विभागों को निर्देषित किया गया। कलक्टर राव ने बताया कि गणतंत्र दिवस पर सभी राजकीय कार्यालयों में प्रात: 8 बजे, जिला कलक्टर निवास पर प्रात: 8 बजे एवं मिनी सचिवालय कलेक्ट्रेट पर 8.30 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। इसी क्रम में मुख्य समारोह स्थल पर प्रात: 9 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके पश्चात मार्च पास्ट, महामहिम राज्यपाल के संदेष का पठन, सामूहिक व्यायाम प्रदर्षन, प्रषंसा पत्रों का वितरण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, झांकियों का प्रदर्षन तथा राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन होगा। दोपहर 2 बजे बाद स्काउट गाइड संगम तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटा रोड के खेल मैदान में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

उदयपुर संभाग

शोभायात्रा में दिखी देश की लोक संस्कृति व परपंराओं की झलक

चित्तौड़गढ़ (ए.)। जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित तीन दिवसीय चित्तौडग़ढ़ फोर्ट फेस्टिवल का आगाज शुक्रवार सुबह हो गया। आयोजन का आगाज जिला प्रभारी मंत्री भजनलाल जाटव, सांसद सीपी जोशी, विधायक चन्द्रभानसिंह आक्या, सभापति संदीप शर्मा, उप सभापति कैलाश पंवार, जिला कलक्टर चेतन देवड़ा आदि ने मशाल जला व ध्वजारोहण करके किया। आसामान में गुब्बारे भी छोड़े गए। मंच पर किया। आयोजन शुरू होने की घोषणा प्रभारी मंत्री जाटव ने की। इस मौके पर आयोजन में शरीक हो रहे विदेशी पर्यटकों का भी स्वागत किया गया।

सज्जनगढ़ बायलॉजिकल पार्क में बाघिन दामिनी की मौत के बाद जांच टीम गठित, दो दिन में देगी रिपोर्ट

■ उदयपुर (ए.)

सज्जनगढ़ स्थित बायोलॉजिकल पार्क में गुरुवार शाम एनक्लोजर में लोहे की चेन लिंक फेंसिंग तोडकऱ एक बाघ की ओर से 15 साल की बाघिन दामिनी की मौत के मामले में मुख्य वन्य जीव संरक्षक ने जांच बिठा दी है।

इसके लिए तीन सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। टीम दो दिन में जांच रिपोर्ट बनाकर मुख्यालय भेजेगी। इधर, अधिकारियों ने शुक्रवार को तकनीकी टीम के साथ घटनास्थल व टाइगर व लॉयन के लिए बनाए गए सभी छह एनक्लोजर की फेंसिंग का बारीकी से निरीक्षण किया। टाइगर के लिए चार एनक्लोजर बने हुए है। मुख्य वन्य जीव संरक्षक

(वन्यजीव) राजकुमार सिंह नरूका ने क्षेत्रीय वन अधिकारी गणेशलाल गोठवाल के नेतृत्व में जांच दल गठित किया है, इसमें आरएसआरडीसी के तकनीकी अधिकारी के रूप में सहायक अभियंता लालचन्द व डॉ.करमेन्द्र प्रताप सिंह को शामिल किया गया है। टीम ने

शुक्रवार को दिनभर टाइगर कुमार व दामिनी के एनक्लोजर की चैनड्क्षलग फेंसिंग, लोहे की एंगल व दीवारों का निरीक्षण किया। पत्रिका टीम ने मौका देखा तो सामने आया कि टाइगर कुमार व दामिनी के बीच संघर्ष के दौरान चैनड्क्षलग टूटी नहीं है। तारों की जाली लोहे के एंगल से खुल गई और उसी वजह से बाघ कुमार, बाघिन दामिनी के एनक्लोजर में घुसने में कामयाब हो गया। बताया गया कि दोनों टाइगरों में चैनड्क्षलग फेंड्क्षसग पर आमने-सामने करीब 15-20 मिनट बाद संघर्ष के दौरान तारों की फेंड्क्षसग खुली। जाली करीब 2 फीट की चौड़ाई और करीब साढ़े तीन फीट की ऊंचाई में खुली और इसी में से कुमार ने अंदर छलांग लगाकर दामिनी पर हमला कर जान ले ली। चैनड्क्षलग के नीचे लोहे के मोटे चद्दर भी पंजे मारने से मुड़ गए।

जांच में होगा खुलासा

मुख्य वन्य जीव संरक्षक सिंह ने बताया कि चैनड्क्षलग फेंसिंग खुलने के कारणों का खुलासा जांच के बाद ही हो पाएगा। फेंड्क्षसग के निर्माण में कोई न कोई तकनीकी खामी रही है। इसी वजह से जाली खुलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। केन्द्रीय जंतुआलय प्राधिकरण के नॉमस के अनुरूप चैनड्क्षलग बनी हुई है और इस तरह चैनलिंग का खुलना संभवत: देश में पहला ही मामला है। ऐसा कभी नहीं हुआ है।

चुनाव में ड्यूटी से बचने के लिए कार्मिक बनवा रहे हैं मेडिकल प्रमाण पत्र, लेकिन...

बांसवाड़ा (ए.)। पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव में ड्यूटी से बचने के लिए कतिपय कार्मिक मेडिकल प्रमाण पत्र का सहारा ले रहे हैं। इसे देखते हुए जिला कलक्टर ने महात्मा गांधी चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी को मेडिकल बोर्ड गठित करने के निर्देश दिए हैं। चुनाव को लेकर विभिन्न प्रकोष्ठों में इन दिनों ड्यूटियां लगाई जा रही है। आने वाले दिनों में मतदान दलों के लिए भी ड्यूटियां लगनी हैं। चुनाव ड्यूटी से बचने के लिए कतिपय कार्मिक चिकित्सकों से मेडिकल प्रमाण-पत्र प्राप्त कर निर्वाचन विभाग को भिजवा रहे हैं। इस स्थिति को जिला निर्वाचन अधिकारी अन्तर सिंह नेहरा ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने प्रमुख चिकित्सा अधिकारी को एक पत्र भेजा है। इसमें उन्होंने चिकित्सकों की ओर से जारी मेडिकल प्रमाण-पत्र की सत्यता की जांच के लिए स्थाई रूप से मेडिकल बोर्ड का गठन करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जिला निर्वाचन विभाग को भेजे जाने वाले प्रकरणों में मेडिकल बोर्ड से पूर्ण जांच के बाद ही प्रमाण-पत्र जारी करने को कहा है।

बांसवाड़ा शहर में कराए जाएंगे 50 करोड़ के विकास कार्य

बांसवाड़ा (ए.)। डूंगरपुर-उदयपुर लिंक रोड पर आधुनिक यात्री प्रतीक्षालय का उद्घाटन शुक्रवार को नगर परिषद सभापति जैनेन्द्र त्रिवेदी ने किया। मुख्य अतिथि त्रिवेदी ने कहा कि शहर में 50 करोड़ की लागत से विकास के कार्य करवाए जाएगें। इसमें प्रत्येक वार्ड में काम होंगे और इनकी शुरुआत हो चुकी है। शहर की सडक़ों के लिए 4.00 करोड़ के टेण्डर किए जा चुके हैं। शहर में बिजली व्यवस्था सुचारू करने के लिए भी शीघ्र कार्य होंगे। शहर को स्वच्छ तथा सुन्दर बनाने की दिशा में भी प्रयास प्रारम्भ कर दिए हैं। उन्होंने जन सहयोग की भी अपेक्षा की। अध्यक्षता कर पूर्व सभापति राजेश टेलर ने कहा कि शहर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। विशिष्ट अतिथि उप सभापति सुल्ताना बी उपस्थित रहीं। आरंभ में स्वागत आशुतोष मेहता, आशीष मेहता, प्रदीप राठौड़ ने किया। इस अवसर पर पार्षद मुकेश जोशी, देवबाला राठौड़, नटवर तेली, सुरेश कलाल, विक्की सिगांनी, प्रहलाद सिंह राव, गोकुल जैन, हेतल गरासिया, गीता, आमना बी, रशीदा बी के साथ हर्षि खन्ना, अतीत गरासिया, गौरव शर्मा आदि उपस्थित रहे। संचालन डॉ. दीपक द्विवेदी ने किया। आभार पार्षद सज्जनसिंह राठौड़ ने व्यक्त किया।

50 यूनिट से कम उपयोग वाले उपभोक्ताओं की जांच करें- भाटी

राजसमंद (ए.)। अजमेर डिस्कॉम के एमडी वीएस भाटी ने शनिवार को राजसमंद वृत के अभियंताओं की विद्युत भवन राजसमंद में बैठक ली। इस दौरान उन्होंने अभियंताओं से कहा कि राजस्व वसूली को बढ़ाएं, छीजत को कम करें तथा 50 यूनिट से कम उपयोग वाले उपभोक्ताओं की विशेष जांच करें कि आखिर उनकी खपत इतनी कम कैसे है। इस दौरान उन्होंने उपभोक्ताओं की जांच, समस्या निवारण, क्षेत्र में सतर्कता जांच, सब डिविजन में राजस्व वसूली व छीजत को कम करने का लक्ष्य दिया। बैठक में डिस्कॉम के तकनीकी निदेशक एमबी पालीवाल, उदयपुर जोन के मुख्य अभियंता एनएल सालवी, राजसमंद वृत के अधीक्षण अभियंता गिरीश पारिख, प्रबंध निदेशक मुकेश आदि मौजूद थे।

बाल संरक्षण इकाइ की बैठक कल

राजसमंद (ए.)। जिला कलक्टर एवं अध्यक्ष जिला बाल संरक्षण इकाइ अरविन्द कुमार पोसवाल की अध्यक्षता में जिला बाल संरक्षण ईकाइ की त्रैमासिक बैठक सोमवार को प्रात: 10.30 बजे कलेक्टर सभागार में होगी। यह जानकारी सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग के कृष्णकान्त सांखला ने दी।

राज्यस्तर के लिए चुनी गई कुश्ती टीम

राजसमंद (ए.)। जिला मुख्यालय पर स्थित नया अखाड़ा कांकरोली पर गुरुवार को राज्य स्तरीय सब जूनियर (केडेट) प्रतियोगिता के लिए राजसमन्द जिले की टीम के पहलवानों का चयन किया गया। जिला कुश्ती संघ ओलम्पिक पद्धिति राजसमन्द के जिलाध्यक्ष अमित बोल्या ने बताया कि नया अखाडा संस्थान पर जिले की टीम का चयन दादू पहलवान, जिला अध्यक्ष भारतीय पद्धति राजसमन्द के मुख्य आतिथ्य व राष्ट्रिय स्तर के पहलवान राजेश चौधरी की अध्यक्षता में किया गया। कुश्ती संघ के संयुक्त सचिव लीलाधर पालीवाल ने बताया कि पहलवानों में फ्री स्टाइल में 45 किग्रा में विपुल राज गुंजोल 48 किग्रा में प्रेराज सिंह चुण्डावत नया अखाड़ा कांकरोली, 51 किग्रा में मंथन राज जोशी उपली ओडन, 55 किग्रा. में शिवओम चौधरी नया अखाडा कांकरोली, 60 किग्रा में कृशजोशी नया अखाडा, 80 किग्रा में मोहित सुथार ओडन, 92 किग्रा में शिवदत्त चौधरी नया अखाडा कांकरोली व ग्रीको रोमन में 51 किग्रा में सागर माली नाथद्वारा, 55 किग्रा में जिशान अंसारी नया अखाड़ा कांकरोली, 60 किग्रा में रसिक अरोड़ा नाथद्वारा, 65 किग्रा में कौशल कंसारा नया अखाड, महिला कुश्ती में 40 किग्रा भार वर्ग में वंशिका शर्मा नाथद्वारा व 49 किग्रा भार वर्ग में खुशी कुंवर चौहान, गुंजोल का चयन किया गया। कुश्ती संघ सचिव धर्मेन्द्र गुर्जर ने बताया कि चयनित पहलवान 9 से 10 जनवरी 2020 को आयोजित राज्य स्तरीय सब जूनियर प्रतियोगिता जो करोली जिले में आयोजित होगी में राजसमन्द जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

चाइनीज मांझे की बिक्री और उपयोग पर रोक के आदेश

राजसमंद (ए.)। कलेक्टर अरविन्द कुमार पोसवाल ने आदेश जारी कर जिले की राजस्व सीमा में धातु निर्मित मांझा, जिसमें पक्का धागा, नायलॉन, प्लास्टिक मांझा, चायनीज मांझा जो कि सिंथेटिक या टौक्सिक मेटेरियल यथा आयरन पाउडर, ग्लास पाउडर का बना हो उसकी थोक और खुदरा बिक्री तथा उपयोग पर रोक के आदेश दिए हैं। आदेशों के तहत जिले में निषेध मांझे की किसी भी प्रकार की भंडारण, विक्रय, परिवहन तथा उपयोग करने पर उसके खिलाफ यथा प्रचलित सम्यक कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

न्यूनतम तापमान दो डिग्री कम होकर 7 पर

राजसमंद (ए.)। दिनभर धुंध तथा बादल छाए रहने से शुक्रवार को अधिकतम तापमान तीन डिग्री बढ़ोतरी के साथ 21 और न्यूनतम तापमान दो डिग्री की गिरावट के साथ सात डिग्री हो गया। वहीं गुरुवार को अधिकतम तापमान 18.2 और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री तक हो गया था। कोहरे का असर कम होने तथा बादल छंटने के साथ ही न्यूनतम तापमान में दो डिग्री की गिरावट तथा अधिकतम तापमान में तीन डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई। शुक्रवार दिनभर शीतलहर चली। गुरुवार को हुई रिमझिम बारिश के बाद सर्दी बढ़ गई। शुक्रवार दिन में भी सर्द हवाएं चलने से गलन काफी बढ़ गई।

प्रतापगढ़ में तस्कर व माफियाओं पर कसेगा शिकंजा

प्रतापगढ़ (ए.)। एमपी की तर्ज पर अब प्रतापगढ़ जिले में पुलिस की ओर से तस्करों और माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए पुलिस की ओर से ऐसे लोगों की विभिन्न प्रकार की सम्पत्तियों की जानकारी जुटाई जा रही है। ऐसे में इस वर्ष पुलिस का फोकस इन्हीं कार्रवाइयों पर रहेगा। यह बात पुलिस अधीक्षक पूजा अवाना ने शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने वर्ष 2019 की उपलब्धियां गिनाई। इसके साथ ही वर्ष 2020 को लेकर अपनी प्राथमिकताओं के बारे में बताया। यहां कोतवाली में आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस अधीक्षक अवाना ने कहा कि वर्ष 2019 में हुई बड़ी घटनाओं ने पुलिस ने टीम बनाकर कार्य किया है। जिसमें कई मामलों का खुलासा किया है। इसके साथ ही अपराधियों पर कार्रवाई की गई।

तीसरे स्थान पर रहा है। अब पुलिस की ओर से जिले के तस्करों व माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसके लिए संबंधित अपराधियों की सम्पत्तियों की जानकारी राजस्व विभाग से ली जा रही है। जल्द इन पर भी लीगल तरीके से कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक मीणा, पुलिस उप अधीक्षक कैलाशचन्द्र, कोतवाल मदनलाल खटीक आदि मौजूद थे। जिले में वर्ष 2019 में कई संदिग्ध मामलों खुलासा किया है। साथ ही स्थाई वारंटी 127 को गिरफ्तार किया है। जो कई वर्षों से फरार थे। कई ईनामी अपराधियों को पकड़ा है। एमवी एक्ट में 18 हजार 521 कारवाई की हैं। आर्म्स एक्ट के तहत 102 प्रकरण दर्ज कर 218 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एनडीपीएस एक्ट के तहत 72 प्रकरण दर्ज कर 101 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आबकारी एक्ट के तहत 385 प्रकरण दर्ज कर 305 मुल्जिमों को गिरफ्तार किया है।

जिले में महिलाओं और बालिकाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। जिसतें महिला पुलिस कांस्टेबल ने 21 विद्यालयों में

2234 बालिकाओं को ट्रेनिंग दी गई है। जिले में बीट कांस्टेबलों ने वाट्सएप ग्रुप बनाए है। जिसमें अब तक 438 वाट्सएप ग्रुप बनाएं जाकर कुल एक हजार सीएलजी सदस्यों को जोड़ा गया है।

जिले में 1505 जन सहभागिता बैठकें हुई। जिनमें 298 लोगों से सम्पर्क स्थापित किया है। वर्ष में सभी थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने है। प्रत्येव गुरुवार को बाल सभाओं का आयोजन किय गया। बालिकाओं को बच्चों के प्रति होने वाले अपराधों के बारे में जानकारी दी गई है। पुलिस युवा मित्र योजना के तहत 398 पुलिस मित्र बनाए गए हैं।जिले में संगठित अपराधों एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने को लिए डीएसटी टीम का गठन किया गया है।

स्वयंसेवकों ने गांव में सार्वजनिक स्थानों की सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश

बांसवाड़ा (ए.)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चिड़ियावासा एवं सुरपुर में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के समापन पर स्वयंसेवकों ने गांव में सार्वजनिक स्थानों की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। साथ ही सात दिवसीय शिविर में चिड़ियावासा और सुरपुर स्कूल के बच्चों द्वारा गांव की जनसंख्या जनगणना एवं शिक्षा की जानकारी और मौसमी बीमारियों की जानकारी ली। सुरपुर में कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्रधान धर्मेंद्र कुमार शाह की अध्यक्षता में एवं महेश जोशी के मुख्य आतिथ्य व जगदीशचंद्र तेली, मोतीसिंह गहलोत, लोकेश शर्मा, सुखलाल मईड़ा के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन और शिविर की जानकारी किशोर कुमार निनामा ने दी। दीपक उपाध्याय ने आभार व्यक्त किया। इसी तरह से चिड़ियावासा स्कूल में संस्था प्रधान अविनाश दवे की अध्यक्षता, अभिभावक संघ के अध्यक्ष अशोक पंड्या, जितेंद्र पंड्या, तोलाराम निनामा, नाहरसिंह चरपोटा के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन व शिविर की जानकारी शिविर प्रभारी वीरेंद्र कुमार जैन ने दी। दीपक उपाध्याय ने आभार व्यक्त किया।

खड़िया की जयंती पर कुशलगढ़ अस्पताल में फल बांटे

बांसवाड़ा (ए.)। कांग्रेस नेता व कुशलगढ़ पंचायत समिति के पूर्व प्रधान स्व. हुरतींग खड़िया की 50वीं जयंती पर कुशलगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में मरीजों को और उपकारागृह में कैदियों को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फल वितरित किए। वहीं उपकारागृह में पेयजल की समस्या को देखते हुए विधायक रमीला खड़िया ने विधायक मद से हैंडपंप खुदवाने की घोषणा की। इस अवसर पर विधायक रमीला खड़िया, मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री महेश जोशी, रतलाम नगर निगम के उप महापौर सतीश पुरोहित, पीसीसी सदस्य हंसमुख सेठ, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष जयंतीलाल कोवालिया, नगरपालिका नेता प्रतिपक्ष रजनीकांत खाब्या, विजयसिंह खड़िया, सैजाद मकरानी, महेन्द्र सिंह परमार, विक्रम चौहान मौजूद रहे।

छाई राजस्थानी माटी की महक

■ चित्तौड़गढ़ (ए.)

जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित तीन दिवसीय चित्तौडग़ढ़ फोर्ट फेस्टिवल का आगाज शुक्रवार सुबह हो गया। आयोजन का आगाज जिला प्रभारी मंत्री भजनलाल जाटव, सांसद सीपी जोशी, विधायक चन्द्रभानसिंह आक्या, सभापति संदीप शर्मा, उप सभापति कैलाश पंवार, जिला कलक्टर चेतन देवड़ा आदि ने मशाल जला व ध्वजारोहण करके किया। आसामान में गुब्बारे भी छोड़े गए। मंच पर किया। आयोजन शुरू होने की घोषणा प्रभारी मंत्री जाटव ने की। इस मौके पर आयोजन में शरीक हो रहे विदेशी पर्यटकों का भी स्वागत किया गया। लोक संस्कृति का परिचय देने के लिए कालबेलिया लोक नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई। गोराबादल स्टेडियम से दुर्ग तक शाही अंदाज में शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के माध्यम से देश की एतिहासिक विरासत व संस्कृति की झलक मिल रही थी। शोभयात्रा के दुर्ग पर पहुंचने पर फतहप्रकाश महल परिसर में विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन हुए। विदेशी पर्यटकों के लिए साड़ी बांधना, चम्मच रेस सहित विभिन्न अयोजन हुए। फतहप्रकाश प्रांगण में पंतगबाजी भी होती रही। फोर्ट फेस्टिवल के दूसरे दिन शनिवार सुबह 8 बजे रन फ़ॉर फोर्ट मैराथन फतेह प्रकाश महल प्रांगण से शुरू होगी। मैराथन दुर्ग के तय मार्गो से होने के बाद पुन: वहीं पहुंच सम्पन्न होगी। गोराबादल स्टेडियम में शाम 7 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ रात 10 बजे से आतिशबाजी भी होगी।

शोभायात्रा का प्रारंभ शाही अंदाज में हुआ जिसमें सबसे आगे संगीत बैंड, एक हाथी, 4 ऊंट, 10 घोड़े, सैनिक वेशभूषा में बच्चे, पारंपरिक वस्त्रों में सजे बच्चे व लोक कलाकार जिनमें मुखौटों से सजे कलाकार, कैडेट्स आदि सम्मिलित रहे। इसके अतिरिक्त छऊ नृत्य, कच्ची घोड़ी, स्वांग, कालबेलिया, तेरहताली, गवरी, गिद्धा, भांगड़ा, बीहू आदि ने

पूरे भारत की छवि प्रस्तुत की। शोभायात्रा में कश्मीरी वेशभूषा में सजी महिलाएं, पीके के पात्र का अभिनय करते हुए कलाकार, खुली जीप में विदेशी पर्यटक, ट्रैक्टर में लोक कलाकार और उप वन संरक्षक द्वारा वन्यजीवों को बचाए जाने के लिए झांकी भी निकाली गई। विद्यालय की छात्राओं द्वारा तेरहताली नृत्य व राजस्थान का प्रसिद्ध घूमर नृत्य प्रस्तुत किया गया। पारंपरिक वेशभूषा में सजी विद्यालय की छात्राओं ने सभी अतिथियों और आमजन का मन मोह लिया।फतेह प्रकाश प्रांगण में टैलेंट हंट कार्यक्रम के अंतर्गत समूह नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर बेगूं की टीम, द्वितीय स्थान पर डूंगला व तृतीय स्थान पर राशमी की टीम रही।

शोभायात्रा शुरू होने से पहले विदेशी पर्यटकों का स्वागत व अभिनंदन तिलक, फूलमाला, पगड़ी, उपर्णा उढ़ा व नारियल देकर सभी अतिथिगणों ने किया। विदेशी मेहमान अपने स्वागत सत्कार से अभिभूत नजर आए और उन्होंने पूरे कार्यक्रम का लुत्फ उठाया और शोभायात्रा में शिरकत की। इस आयोजन के लिए उदयपुर व बूंदी की विभिन्न होटलों में ठहरे 44 विदेशी पर्यटक यहां पहुंचे।

अश्वों ने दिखाए करतब,रोमांचित हुए लोग

फ़ोर्ट फेस्टिवल में फ़तह प्रकाश म्यूजियम में अश्व प्रतियोगिता आयोजित हुई। अश्वों की साज सज्जा देखते ही बनती थी और अश्वों के नृत्य ने आमजन का मन मोह लिया। अश्वों को रंग बिरंगी पोशाकों से सजाकर लाया गया।अश्व नृत्य प्रतियोगिता में अश्व पालक अनवर प्रथम, रफीक द्वितीय तथा हसन भाई तृतीय रहे। अश्व साज सज्जा में अश्वपालक नजर खां प्रथम, जावेद द्वितीय तथा मनोज सुखवाल तृतीय रहे। कुल 29 अश्व पालकों ने अश्व प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

शोभायात्रा के बाद हॉट एयर बैलून का शुभारंभ किया गया जो सभी के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा। इसमें सवारी करने के लिए लोग लालायित दिखे। जाटव ने गोराबादल स्टेडियम में खादी व हस्तशिल्प मेले का उद्घाटन भी किया।

गोराबादल स्टेडियम व दुर्ग पर फतहप्रकाश प्रांगण में शहरवासियों व पर्यटकों के लिए सुविधाओं की कमी दिखी। दोनों ही जगह पेयजल व्यवस्था पुख्ता नहीं होने से परेशानी आई। प्रशासन ने पानी के टेंकर लगा जिम्मेदारी पूरी मान ली। जहां कैन रखवाएं गए वहां भी पानी पीने के लिए गिलास आदि की व्यवस्था नहीं होने से प्यास बुझाना कठिन हो गया।

भामाशाहों ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

बांसवाड़ा (ए.)। कस्बे में जरूरतमंद लोगों के लिए लगातार चल रहे कंबल वितरण कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को आदर्श ग्रुप के धूलजी पंचाल, गोकुल पाटीदार, रजनीकांत दोसी, दिनेश पाटीदार, रमेश पाटीदार, रणछोड़ पाटीदार व जितेंद्र कलाल की ओर से तीन सौ से अधिक कंबलों का वितरण किया गया। इस मौके पर गांव के कुसुमकांत भट्ट, मनोहर जोशी, कांतिलाल व्यास, कचरूलाल पाटीदार, रणछोड भाई, बादामीलाल जैन, बसंत भाई जैन व तहसीलदार शांतिलाल जैन आदि मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि डीएसपी गोपीचंद मीणा व भामाशाहों द्वारा पिछले सप्ताह जरूरतमंदों को कंबल वितरित किये थे। जिसके बाद दैनिक भास्कर में प्रकाशित होने के बाद पुलिस विभाग ने इस नेक कार्य को बढ़ावा देने की ठानी जिसके बाद चुरु एसपी तेजस्विनी गौतम जो पूर्व में बांसवाड़ा की एसपी भी रही है, उन्होंने ने भी क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों को कंबल बांटने का काम किया। इसी दौरान महानिदेशक पुलिस भूपेंद्र सिंह ने समस्त रेंज महानिरीक्षक व पुलिस आयुक्त को पत्र जारी कर नव वर्ष की खुशियों में आमजन को शामिल करते हुए इस कड़ाके की ठंड में अपने-अपने क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण करने का आह्वान किया था। जिससे प्रेरित होकर पुलिस व भामाशाहों ने मिलकर कई जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए।

कुशलगढ़ में डीएसपी ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

बांसवाड़ा (ए.)। डीएसपी संदीप सिंह शेखावत ने देर शाम कड़कड़ाती ठंड में लोगों को राहत पहुंचाने का काम किया। डीएसपी के साथ कुशलगढ़ थाना स्टाफ ने मिलकर आमजन को इस ठंड में कंबल भेंट किए। पुलिस को कंबल बांटते देख आमजन ने खुशी व्यक्त की। अक्सर पुलिस को देख लोगों में खौफ पैदा हो जाता है वहीं कुशलगढ़ डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस ने जरूरतमंद लोगों को कंबल बांटकर राहत पहुंचाने का काम किया है।

अफ्रीकी बाजार में चावल बेच रहा चीन, भारत के लिए बना चुनौती

जलतेदीप, प्रेवि, नई दिल्ली

दुनिया में चावल के सबसे बड़े निर्यातक भारत को अब अफ्रीकी बाजार में चीन की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। चावल का आयातक देश चीन अब निर्यातक बन गया है और वह सस्ते दर पर चावल का अपना पुराना स्टॉक विदेशी बाजारों में उतार रहा है। अफ्रीकी देश गैर-बासमती चावल के लिए भारत के सबसे बड़े बाजार रहे हैं, लेकिन इन देशों में चीन का चावल पहुंचने से भारत के सामने नया प्रतिस्पर्द्धा खड़ी हो गई है। उद्योग भवन के नीति निर्माताओं से लेकर भारत में चावल के बड़े निर्यातकों तक को इस बात की जानकारी पहले से ही है कि चीन भारी मात्रा में अफ्रीकी बाजारों में अपना चावल उतार चुका है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के निर्यात संभाग के एक अधिकारी ने बताया, 'हमें इस बात की जानकारी मिली है कि चीन आमतौर पर चावल का आयात करता है, लेकिन अब वह भारी मात्रा में चावल निर्यात करने लगा है।'

चीन निकाल रहा पुराना चावल : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाले कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण यानी एपीडा के एक अधिकारी ने बताया, 'चीन के लोग लसलसा चावल यानी स्टिकी राइस खाना पसंद करते हैं। लेकिन भंडार में रखा हुआ चावल जब पुराना हो जाता है तो उसमें लसलसापन नहीं रह जाता है।

सर्दियों में त्वचा की नमी को बनाए रखने के लिए चार्मिस विंटर क्रीम

जलतेदीप, प्रेवि, जयपुर

सर्दियां त्वचा के लिए आसान नहीं होतीं। ठंडे मौसम और कम ह्यूमिडिटी के कारण हवा रूखी हो जाती है और त्वचा की नमी खो जाती है। यदि देखभाल न की जाए, तो त्वचा फट सकती है और उसमें खून भी आ सकता है। ठंडी सुर्ख हवा से स्थिति और ज्यादा खराब हो जाती है। घर के अंदर हीटर चलने से हवा की नमी और ज्यादा कम हो जाती है तथा हॉट शॉवर एवं कठोर क्लीनसर का उपयोग त्वचा की मुश्किलें बढ़ा देता है।

सर्दियों में रूखी त्वचा एक आम समस्या है और इस दौरान हमारी त्वचा को अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है, ताकि यह कठोर मौसम का सामना कर सके। स्किन के उचित रेजिमन का पालन करके

त्वचा का लचीलापन सुरक्षित रखा जा सकता है एवं त्वचा युवा व मुलायम बनी रह सकती है।

आईटीसी की चार्मिस आईटीसी की ओर से एक सदाबहार विंटर क्रीम है, जिसमें सर्दियों में त्वचा की नमी को बनाए रखने के लिए उपयुक्त सामग्री है। यह त्वचा के टैक्सचर की रक्षा कर उसे रूखेपन से बचाती है। इसमें विटामिन ए, सी और विटामिन ई मिले हैं। इसे घुटनों, कलाई, हाथ, पैर, एड़ी एवं होठों सहित शरीर के हर हिस्से पर लगाया जा सकता है। इसमें एसपीएफ30 की गुणवत्ता है तथा इसका टैक्सचर काफी हल्का है, जिस कारण यह त्वचा में आसानी से अवशोषित हो जाती है, जिससे त्वचा पर चिपचिपापन नहीं रहता और एक मुलायम अहसास मिलता है। एसपीएफ30 एवं नॉन-ग्रीसी फॉमूलें के कारण आप हर वक्त किसी भी सफर एवं धूप में जाने के लिए तैयार रह सकते हैं तथा आपकी त्वचा की नमी भी सदैव बनी रहेगी। यह विषेश फॉर्मुलेशन की कोल्ड क्रीम मेकअप लगाने से पूर्व प्राईमर के रूप में इस्तेमाल की जा सकती है और मेकअप हटाने के लिए भी काफी अच्छी है।

तो छुट्टियों पर जाने से पहले अपनी मेक-अप किट तैयार कर लें, सुनिश्चित करें कि सर्दियों की यह आवश्यक सामग्री सदैव आपके साथ रहे। यह रेंज 58 मिली., 100 मिली. के पैक में क्रमश : 79 रु. और 145 रु. में उपलब्ध है। चार्मिस की श्रृंखला भारत में सभी कॉस्मेटिक एवं रिटेल आउटलेट्स पर उपलब्ध है। आप यह डेली नरिशिंग क्रीम अमेजन् डॉट इन एवं फिलपकार्ट डॉट कॉम से भी खरीद सकते हैं।

8 से हो सकती है बैंकों की हड़ताल

जलतेदीप, प्रेवि, नई दिल्ली

अगर आप अगले हफ्ते बैंक के कामकाज निपटाने के बारे में सोच रहे हैं तो अलर्ट हो जाइए। इस काम को जल्द निपटा लें। आठ जनवरी को बैंकों की हड़ताल हो सकती है। अगर हड़ताल होती है तो बैंक में लेनदेन का काम प्रभावित हो सकता है।

बैंकिंग सेक्टर केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने 8 जनवरी को हड़ताल का फैसला किया है। अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ के एक नेता ने बताया कि इस हड़ताल का समर्थन 10 यूनियन कर रही हैं। अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ के महासचिव सीएच वेकंटचलम के अनुसार सरकार की नीतियों का विरोध करने के लिए हड़ताल की जा रही है। हड़ताल में रोजगार के नए अवसर पैदा करने, श्रम कानूनों में संशोधन पर रोक लगाने और नौकरी की सुरक्षा संबंधी मांगें रखी जाएंगी। श्रम मंत्री के साथ मुलाकात के एक दिन बाद 10 केंद्रीय कर्मचारी संगठनों ने सरकार की 'श्रम विरोधी नीतियों के विरोध' में 8 जनवरी को आम हड़ताल या 'भारत बंद' का एलान किया है।

10 केंद्रीय कर्मचारी संगठनों ने संयुक्त बयान में कहा कि केंद्रीय श्रम मंत्री से मुलाकात के बाद उन्होंने एकजुट होकर 8 जनवरी को आम हड़ताल का फैसला लिया है।

बैठक के दौरान मंत्री ने संगठनों से कहा कि सरकार कर्मचारियों के हित में हर कदम उठा रही है और श्रम कानून इसी का हिस्सा हैं। इन संगठनों में एआईटीयूसी, एचएमएस, सीटू, एआईयूटीयूसी, सेवा, एआईसीसीटीयू, एलपीएफ और यूटीयूसी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को गुलाम बनाने के लिए श्रम संहिता तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री ने बेरोजगारी, न्यूनतम वेतन, सामाजिक सुरक्षा और 14 सूत्रीय मांगों को पूरा करने के संबंध में कुछ भी नहीं कहा। इस क्रम में भारतीय रिजर्व बैंक समेत सभी सरकारी बैंकों में भी 8 जनवरी को हड़ताल रहेगी।

ईरान पर अमरीकी हमले का पड़ने लगा असर, 81 के पार हुआ पेट्रोल, डीजल 13 माह में उच्चतम पर

जलतेदीप, प्रेवि, नई दिल्ली

तेल कंपनियों ने शनिवार को लगातार तीसरे दिन पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा कर दिया है। एक जनवरी को पेट्रोल व डीजल के दाम स्थिर थे लेकिन इसके बाद गुरुवार और शुक्रवार को इसमें इजाफा किया गया है। वहीं बगदाद हवाई अड्डे पर अमेरिकी सेना द्वारा किए गए मिसाइल हमले में ईरान का शीर्ष कमांडर कासिम सुलेमानी मारा गया, जिसके बाद कच्चे तेल की कीमत में इजाफा हुआ है। शनिवार को दिल्ली में पेट्रोल की कीमत में 10 पैसे और डीजल में 15 पैसे की बढ़ोतरी हो गई।

अमेरिका ने गुरुवार रात इराक में एयर स्ट्राइक की। इस बड़ी घटना के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमत काफी तेजी से बढ़ी है। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड करीब चार फीसदी महंगा होकर 69 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। एक्सपर्ट मान रहे हैं कि अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से तेजी जारी रह सकती है। शॉर्ट टर्म में क्रूड 74 डॉलर प्रति बैरल का स्तर भी छू सकता है। ऐसे में पेट्रोल और डीजल मौजूदा कीमत से 1.5 से दो रुपये प्रति लीटर तक महंगा हो सकता है। देश में पेट्रोल, डीजल के दामों में और इजाफा हो सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि भारत अरब देशों के साथ ही ईरान से भी क्रूड ऑयल का आयात करता रहा है।

गुरुवार (2 जनवरी) को देश में पेट्रोल-डीजल के दाम 13 महीनों के अधिकतम स्तर पर पहुंच गए।

भारत में अंतरराष्ट्रीय बाजार के रुख के अनुसार दरें तय होती हैं। हालांकि पिछले आठ महीनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत और देश में पेट्रोल-डीजल की कीमत का ट्रेंड एक-दूसरे के उलट नजर आता है।

चार महानगरों में इतना बढ़ा पेट्रोल-डीजल का दाम

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक शनिवार 4 जनवरी 2020 को दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में पेट्रोल और डीजल के रेट इस प्रकार रहे।

दिल्ली में पेट्रोल 75.45 रुपये प्रति लीटर और डीजल 68.40 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई 81.04 रुपये प्रति लीटर और डीजल 71.72 प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में पेट्रोल 78.04 प्रति लीटर और डीजल 70.76 प्रति लीटर मिल रहा है। चेन्नई में पेट्रोल 73.28 प्रति लीटर और डीजल 78.39 प्रति लीटर हो गया है।

बजट में कॉर्पोरेट के लिए हो सकता है बड़ा ऐलान, 8 लाख करोड़ के टैक्स विवाद से मिलेगी निजात

एजेंसी, नई दिल्ली। सरकार के सामने राजकोषीय घाटे की खाई को कम करना बहुत बड़ी चुनौती है। बजट की तैयारी जोरों पर है। बजट से संबंधित जानकारों का कहना है कि इस बजट में सरकार पुराने टैक्स विवाद को खत्म करने के लिए एक स्कीम लेकर आ सकती है। स्कीम के तहत कॉर्पोरेट पर जो पुराने विवादित टैक्स बकाए हैं, उसको लेकर टैक्स विभाग एकमुश्त रकम लेकर विवाद खत्म कर देगा। कॉर्पोरेट सेक्टर के लिए यह बहुत बड़ी राहत होगी।

पुराने टैक्स विवाद के करीब 5 लाख मामले पेंडिंग हैं और कुल विवादित रकम करीब 8 लाख करोड़ रुपये का है। स्कीम के तहत अगर इस विवाद का हल हो जाता है तो सरकार राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को आसानी से पा लेगी और कॉर्पोरेट को भी विवाद से राहत मिलेगी।

पुराने विवादित सर्विस टैक्स और एक्साइज ड्यूटी मामलों के समाधान के लिए सरकार सबका विश्वास स्कीम लेकर आई थी। इस स्कीम से सरकार ने 30 हजार करोड़ की कमाई की। संभव है कि बजट में एकबार फिर से इस तरह की कोई स्कीम लाई जाए। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेस फरवरी 2019 में डायरेक्ट टैक्स विवाद को दूर करने के लिए एक पैनल का भी गठन किया था।

अमेरिका-ईरान संकट से बिगड़ सकता है आपकी रसोई का बजट

जलतेदीप, प्रेवि, नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच अगर युद्ध का संकट बढ़ता है, तो फिर इसका असर रसोई के बजट पर पड़ सकता हैं। जहां कच्चे तेल की कीमतों में इजाफे से पेट्रोल 90 रुपये प्रति लीटर के पार जा सकता है। वहीं डीजल की कीमतें भी 10 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ सकती हैं। इसका असर आम-आदमी के रोजमर्रा के जीवन पर देखने को मिलेगा। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में इजाफे से मालभाड़ा बढ़ जाएगा, जिससे लोगों को दालें, सब्जियां महंगे दाम पर खरीदनी पड़ेंगी।

अगर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ा और तेल की सप्लाई कम हुई तो जनवरी से मार्च के बीच कच्चे तेल की कीमत 78 डॉलर तक पहुंच सकती है। कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से रुपये में गिरावट आएगी। इन दोनों वजहों से पेट्रोल के दाम 10 से 12 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ सकते हैं। इससे रसोई गैस की कीमतों में भी अगले महीने इजाफा होने की उम्मीद है। आने वाले दिनों में रुपया डॉलर के मुकाबले और कमजोर हो सकता है। रुपये में कमजोरी से देश की अर्थव्यवस्था में और सुस्ती आ सकती है।

शुक्रवार को वैश्विक तनाव के चलते डॉलर की तुलना में रुपया 42 पैसे कमजोर होकर 71.80 के स्तर पर पहुंच गया, जो लगभग डेढ़ महीने का निचला स्तर है।

विदेशी विनिमय बाजार में रुपया 71.56 पर खुला, लेकिन बाद में कमजोर होकर उसने 71.81 का निचला स्तर छूआ। आखिर में रुपया 71.80 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पहले 20 नवंबर को रुपया इस स्तर के आसपास रहा था। एलकेपी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक जतिन त्रिवेदी ने कहा, 'अमेरिका-ईरान तनाव और घरेलू शेयर बाजार में कमजोरी से घरेलू मुद्रा पर दबाव बना है।'

साप्ताहिक आधार पर रुपये में 45 पैसे की कमजोरी दर्ज की गई। फिलहाल पेट्रोल-डीजल से लेकर सोने की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। दिल्ली में सोने की कीमत 752 रुपये बढ़कर 40,652 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।

वहीं चांदी की कीमत 960 रुपये बढ़कर 48,870 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। 24 कैरेट सोने का दाम 40,652 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। केडिया एडवाइजरी के अजय केडिया ने कहा कि वर्ष 2020 में सोने के लिए 42 हजार रुपये का लक्ष्य दिया गया था, लेकिन पीली धातु अब यह लक्ष्य तीन महीने में हासिल कर सकती है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान में तनाव खासा बढ़ गया है।

खेल दीप

सार-समाचार

राष्ट्रीय बिलियर्ड्स और स्नूकर चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा पुणे

एजेंसी, पुणे। पूर्व विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी सहित देश के चोटी के खिलाड़ी 11 जनवरी से 9 फरवरी के बीच यहां होने वाली 'मनीषा-वास्कोन' राष्ट्रीय बिलियर्ड्स एवं स्नूकर चैंपियनशिप में भाग लेंगे। यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार, आडवाणी और पूर्व एशियाई बिलियर्ड्स चैंपियन सौरभ कोठारी सहित शीर्ष भारतीय एलीट क्यू खिलाड़ी एक महीने तक चलने वाली प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। टूर्नामेंट का आयोजन महाराष्ट्र बिलियर्ड्स और स्नूकर संघ और पीवाईसी हिंदू जिमखाना सीनियर पुरुष और महिला सहित 12 वर्गों में कराएगा।

मानव ठक्कर दुनिया के नंबर एक टेबल टेनिस खिलाड़ी

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत के युवा टेबल टेनिस खिलाड़ी मानव ठक्कर अंडर-21 एकल वर्ग में दुनिया के नंबर एक रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। 19 वर्षीय मानव ने दिसंबर में कनाडा के मारखाम में आईटीटीएफ चैलेंज प्लस बेनेमैक्स वर्गो नार्थ अमेरिकन ओपन जीतने के बाद ताजा रैंकिंग में यह मुकाम हासिल किया। उन्होंने फाइनल में अर्जेंटीना के मार्टिन बेनेटनकोर को 11-3, 11-5, 11-6 से पराजित किया। वह शीर्ष रैंकिंग हासिल करने वाले चौथे भारतीय हैं। इससे पहले हरमीत देसाई, जी साथियान और सौम्यजीत घोष यह गौरव हासिल कर चुके हैं। मानव फरवरी 2018 में अंडर-18 में भी नंबर एक रह चुके हैं। वह 2018 में जकार्ता में हुए एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के भी सदस्य रहे हैं। रैंकिंग में अन्य भारतीयों में जी साथियान अपना 30 वां स्थान कायम रखने में सफल रहे। अचंत शरथ कमल एक स्थान के सुधार के साथ 33वें स्थान पर आ गए हैं। महिला वर्ग में मनिका बत्रा 61 वें स्थान पर बनी हुई हैं।

ओलंपिक ट्रायल के लिए तीरंदाजों का खर्च उठाएगा मंत्रालय

एजेंसी, नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने शनिवार से शुरू होने वाले ओलंपिक ट्रायल में खेलने वाले तीरंदाजों का खर्च उठाने का फैसला किया है। अस्थाई समिति की ओर से जारी आदेश को वापस लेते हुए मंत्रालय ने शुक्रवार को साफ किया कि आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट (एएसआई) में चार से छह और 18 से 22 जनवरी को होने वाले ट्रायल में तीरंदाजों के रहने और खाने का खर्च उनकी ओर से उठाया जाएगा। जिस तरह से राष्ट्रीय शिविर में खिलाडियों के रहने और खाने पर खर्च किया जाता है उसी तरह से ट्रायल में भी तीरंदाजों को रहना और खाना उपलब्ध कराया जाएगा। तीरंदाजों ने दुख जताया था कि वे ट्रायल पर ध्यान देंगे या फिर रहने और खाने की व्यवस्था में जुटेंगे। अब तक ट्रायल में खेलने वाले तीरंदाजों को फेडरेशन और साई की ओर से रहने और खाने की सुविधा उपलब्ध कराई जाती थी, लेकिन इस बार समिति ने तीरंदाजों को यह इंतजाम खुद करने को कहा। 18 से 22 जनवरी को होने वाले ट्रायल में दीपिका कुमारी, तरुणदीप रॉय, अतानु दास, बोंबाइला देवी जैसे तीरंदाज शिरकत करने जा रहे हैं।

भारत बनाम श्रीलंका- टी20 सीरीज

श्रीलंका के लिए सबसे बड़ी चुनौती होंगे विराट

एजेंसी, गुवाहाटी। भारत और श्रीलंका के बीच रविवार से गुवाहाटी में टी20 इंटरनैशनल सीरीज का आगाज होगा। बांग्लादेश और वेस्ट इंडीज को क्रिकेट के इस सबसे छोटे प्रारूप में सीरीज मात देने के बाद टीम इंडिया की कोशिश नए साल का आगाज जीत के साथ करने की होगी। श्रीलंका के लिए सबसे बड़ी चुनौती भारतीय कप्तान विराट कोहली के रूप में होगी। कोहली का टी20 इंटरनैशनल में श्रीलंका के खिलाफ शानदार रेकॉर्ड है।

चार मैचों में चार हाफ सेंचुरी

भारतीय कप्तान ने श्रीलंका के खिलाफ चार टी20 इंटरनैशनल मैच खेले हैं। कमाल की बात यह है कि इन चारों मैचों में कोहली ने हाफ सेंचुरी लगाई है। कोहली ने इन चार मैचों में एक बार नाबाद रहते हुए कुल 283 रन बनाए हैं। कोहली का बल्लेबाजी औसत 94.33 का रहा है।

चारों मैच भारत से बाहर : कोहली ने श्रीलंका के खिलाफ चार टी20 इंटरनैशनल मैच खेले हैं।

संयोग की बात है कि ये चारों मैच भारत से बाहर खेले गए हैं। दो मैच श्रीलंका में और बांग्लादेश में खेले गए हैं। गुवाहाटी में कोहली पहली बार श्रीलंका के खिलाफ इस प्रारूप में खेलेंगे।

सबसे ज्यादा रन बनाने के रेकॉर्ड से एक रन दूर : कोहली इस समय रोहित शर्मा के साथ टी20 इंटरनैशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में संयुक्त रूप से टॉप पर हैं। दोनों बल्लेबाजों के नाम इस प्रारूप में 2633 रन हैं। कोहली के नाम 75 मैचों में 52.66 के औसत से इतने रन हैं।

भारत का पलड़ा भारी : भारत और श्रीलंका के बीच में अभी तक कुल 16 टी20 इंटरनैशनल मुकाबले हुए हैं। भारत ने इसमें से 11 में जीत हासिल की है। वहीं श्रीलंका ने पांच मैच जीते हैं। हालिया रेकॉर्ड की बात करें तो भारत ने छह मैच जीते हैं और दो हारे हैं।

बुमराह, धवन पर रहेगी नजरें

टी-20 सीरीज का पहला मैच रविवार को खेला जाएगा। इस सीरीज में सभी का ध्यान भारत के दो दिग्गजों- शिखर धवन और जसप्रीत बुमराह पर रहेगा, जो चोटों के बाद वापसी कर रहे हैं।

बुमराह भी जुलाई में विंडीज दौरे पर चोटिल हो गए थे। उसके बाद से यह उनकी पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज है। बुमराह के लिए यह सीरीज और इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जाने वाली वनडे सीरीज एक परीक्षा है जो उन्हें न्यू जीलैंड दौरे के लिए देनी है। गेंदबाजी में कुंद हुई धार को बुमराह यहां तेज और पैनी करना चाहेंगे।

इन दोनों के अलावा नवदीप सैनी, शार्दूल ठाकुर के लिए भी मौका है कि वह अपने आप को मौजूदा समय में बैकअप गेंदबाज को तौर पर ही सही लेकिन अपनी दावेदारी को पुख्ता करें।

इरफान पठान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से किया संन्यास का एलान

एजेंसी, मुंबई। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज इरफान पठान ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया। पठान ने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि आज मैं क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले रहा हूं। यह मेरे लिए भावुक पल है, लेकिन यह ऐसा पल है जो हर खिलाड़ी की जिंदगी में आता है।

उन्होंने कहा कि मुझे सचिन तेंदुलकर, सौरभ गांगुली, वीवीएस लक्ष्मण और द्रविड़ जैसे महान खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिला, जिसकी हर किसी को तमन्ना होती है। उन्होंने अपने टीम के सभी सदस्यों, सभी कोच, सपोर्टिंग स्टाफ और फैंस का शुक्रिया अदा किया।

पठान ने कहा कि मैं उन सभी साथियों का धन्यवाद करना चाहता हूं, जिन्होंने मेरा हमेशा सपोर्ट किया।

संन्यास का एलान करते समय वह भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि मैं उस खेल से विदा ले रहा हूं, जो मुझे सबसे अधिक प्यारा है। इरफान ने अपना इंटनेशनल डेब्यू साल 2003 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडीलेड के मैदान पर किया था। उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो अक्तूबर 2012 को खेला था।

पठान ने भारत के लिए 29 टेस्ट मैच खेला है। उनके नाम 32.26 की औसत से 100 विकेट दर्ज हैं, जबकि उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 59 रन देकर सात विकेट रहा है। टेस्ट में उन्होंने दो बार 10 या उससे अधिक विकेट और सात बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया है। इस दौरान उन्होंने 31.57 की औसत से 1105 रन भी बनाए, जिसमें एक शतक और छह अर्धशतक भी शामिल हैं।

कैंप ट्रेनिंग का स्तर बढ़ाने पर करेंगे फोकस : कोच शोर्ड मारिन

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच शोर्ड मारिन इस महीने के अंत में होने वाले न्यू जीलैंड के आगामी दौरे की तैयारियों के लिए आयोजित 17 दिवसीय शिविर के दौरान ट्रेनिंग का स्तर बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। हॉकी इंडिया ने शिविर के लिए 25 सदस्यीय संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की। भारतीय महिला टीम के लिए 2019 काफी अच्छा रहा, जिसमें उसने तोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाइ करने का लक्ष्य पूरा किया। नए साल में टीम की शुरूआत न्यूजीलैंड के दौरे के साथ होगी, जिसमें वह दुनिया की छठे नंबर की टीम के खिलाफ चार मैच खेलेगी और एक मैच ब्रिटेन के खिलाफ होगा। मारिन ने कहा, हम सभी 2020 में अच्छे प्रदर्शन और वर्ष में आने वाली सभी चुनौतियों से निपटने की उम्मीद कर रहे हैं। हम 25 खिलाड़ियों के साथ राष्ट्रीय कोचिंग शिविर शुरू कर रहे हैं, जिन्हें ओलिंपिक के लिए अंतिम 16 में स्थान निर्धारित करने के लिए चुना गया है। संभावित खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है- गोलकीपर- सविता, रजनी इतिमारपू, बीचू देवी खरिबाम

डिफेंडर : दीप ग्रेस एक्का, रीना खोखर, सलीमा टेटे, मनप्रीत कौर, गुरजीत कौर और निशा।

मिडफील्डर : निक्की प्रधान, मोनिका, नेहा गोयल, लिलिमा मिंज, सुशीला चानू पुखराम्बम, सोनिका, नमिता टोप्पो।

प्रियम का शतकीय आगाज, पहले मैच में दर्ज की बड़ी जीत

एजेंसी, डरबन। भारत के अंडर 19 कप्तान प्रियम गर्ग ने शानदार कप्तानी पारी खेलते हुए भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत दिलाई। चार देशों की वनडे सीरीज में गर्ग ने केवल 103 गेंदों में 110 रन ठोक डाले जिससे भारत को मेजबानों पर 66 रन की बड़ी जीत मिली। प्रियम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और कप्तानी पारी खेलते हुए 5 विकेट के नुकसान पर 264 रन बनाए. कप्तान के अलावा ध्रुव जुरेल ने 65 रन और तिलक वर्मा ने 42 रन का अहम योगदान दिया। 265 रन का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों को भारतीय गेंदबाजों ने 9 विकेट चटकाते हुए केवल 198 रन पर सीमित कर दिया। बाएं हाथ के पेसर सुशांत मिश्रा ने 48 रन दिए और टीम के लिए सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। उनके अलावा रवि विश्नोई ने 29 रन देकर दो और कार्तिक त्यागी अथर्व अंकोलेकर और तिलक वर्मा ने एक-एक विकेट लिया।

भाग्य पर निर्भर सुशील की ओलंपिक में दावेदारी

एजेंसी, नई दिल्ली। बीजिंग और लंदन ओलंपिक के पदक विजेता सुशील कुमार की टोक्यो ओलंपिक में दावेदारी भाग्य पर निर्भर हो चली है। सुशील की गैरमौजूदगी में 74 किलो भार वर्ग में शुक्रवार को जितेंदर कुमार ने बाजी मार ली। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने साफ कर दिया कि ट्रायल में जीते जितेंदर, सत्यवर्त कादियां (97 किलो) और सुमित (125 किलो) रोम में होने वाले रैंकिंग टूर्नामेंट और दिल्ली में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में पदक नहीं जीतते हैं तो ओलंपिक क्वालिफायर के लिए इन भार वर्गों में फिर ट्रायल कराया जाएगा। यानि कि सुशील को टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने के लिए जितेंदर के खराब प्रदर्शन पर निर्भर रहना पड़ेगा। बृज भूषण ने ट्रायल के बाद स्पष्ट किया कि ओलंपिक के लिए कुश्ती संघ किसी तरह का जोखिम नहीं लेगा। 57, 65 और 86 किलो में ओलंपिक कोटा हासिल किया जा चुका है बाकी तीन वजनों में कोटा लेने के लिए आज ट्रायल में जीते तीनों पहलवानों के प्रदर्शन पर नजर रखी जाएगी। ट्रायल जीतने वाले पहलवान रोम और एशियाई चैंपियनशिप में खेलेंगे। सुशील की गैरमौजूदगी में 74 किलो में जबरदस्त टक्कर थी। सेमीफाइनल में राष्ट्रीय चैंपियन यूपी के गौरव बालियान को 6-7 से अनुभवी अमित धनकड़ के हाथों परास्त होना पड़ा। वहीं विनोद कुमार को हराकर फाइनल में पहुंचे जितेंदर ने फाइनल में अमित को 5-2 से परास्त किया। जितेंदर ने कहा कि वह ओलंपिक कोटा हासिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

इस दौरान 57 और 86 किलो में ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले रवि कुमार और दीपक पूनिया ने अपने भार वर्गों में ट्रायल जीता। रवि ने सेना के पंकज को और दीपक ने पवन कुमार को पराजित किया। अमेरिका से तैयारियां करके लौटे सत्यवर्त ने 97 किलो में पांच साल बाद मौसम खत्री को आसानी से हराया।

हर मामले में राजनीति ठीक नहीं

आप क्या समझते हैं। कोई उन्हें समझाएगा और वो समझ जाएंगे। आप क्या समझते हैं। आप मनाओगे और वो मान जाएंगे। ऐसी सोच रखते हैं तो आप गलतफहमी में हैं, चाहे तो आजमा के देख लेना। समझ जाएं या मान जाएं तो हमें भी बताईयो। इसमें बताने की भी जरूरत नहीं। यदि समझ गए तो दुनिया ना सही। देश को तो पता चल ही जाएगा। शहर की एक हथाई पर आज उसी के चर्चे हो रहे थे।

समझ की व्याख्या करना बेमानी है। समझ पर जितना लिखा जाए-कम है। समझ शास्त्र इतना मोटा तगड़ा और लंबा-चौड़ा है कि पढने में उमर गुजर जाती है। यदि किसी ने पठन-पाठन करना शुरू किया और करत-करत अभ्यास के जडमति सुजान बन कर राम प्यारा हो गया तो दूसरे के लिए ककहरा वापस से शुरू। यदि उस बंदे ने अपना ज्ञान और समझ बांटी तब तो उस का विस्तार संभव है अन्यथा उन के साथ उनकी ज्ञान गंगा का भी अंत। इस लिए संत-सयाने कहते हैं कि ज्ञान बांटने से बढता है। समझ के बारे में भी उनका नजरिया जोरदार। वो कहते हैं समझ..समझ..के समझो..समझना भी एक समझ है।

समझ की अपनी कायनात है। वह भी भरी-पूरी और रंग-बिरंगी। समझ को शब्दों में कैद करना असंभव है। समझ के अपने रंग है। समझ की अपनी तरंग है। तरंगे ऐसे ठाठे मारती है कि सात समंदर पार तक दिखाई-सुनाई देती है। समझ को ना तो तोला जा सकता है ना मोलाया जा सकता है। यह नीली छतरी वाले की ओर से दिया गया वो नायाब तोहफा है जो हर मानखे के खाते में जमा है। किसी के खाते में कम-किसी के खाते में ज्यादा। किसी की समझ पर चादर चलती नजर आती है किसी का समझ सागर रीता हुआ। एकदम खाली। एकदम सूखा हुआ।

समझ और इंसानी जमात का रिश्ता सबसे धाकड़ और सबसे अलहदा है। आम लोगों में यह धारणा हैं कि मनुष्य के अलावा किसी ओर जीव में बुद्धि नही होती। हो सकता है वो अपनी जगह पे सही हो मगर हम को इस पर एतराज है। दुनिया भले ही उनके कथन-उपदेश पर विश्वास करती हो, हमें उस पर संदेह। हमारे हिसाब से भगवान ने हर जीव को बुद्धि दी है। हर जीव को समझ दी है। हर जंतु को बुद्धि दी है। हर जिनावर को समझ दी है। जिसके पास जित्ती समझ वो उसी के अनुसार उस का उपयोग करता है। एक बात और। लोगबाग पक्षियों और पशुओं को मूक प्राणी कहते रहे हैं। हम को उसपे भी एतराज। शेर दहाड़ता नहीं है क्या। गाय-भैंस रंभाती नहीं है क्या। कुत्ते भौंकते नही है क्या। मिनकी म्याऊं..म्याऊं..नहीं करती है क्या। चिड़िया चीं..चीं.. नही करती है क्या। हाथी चिंघाड़ता नही है क्या। यह सब उन की बोलिए हैं। यह सब उनकी भाषाएं है। जो उनकी जात-जमात ही पहचान सकती है। हमारी बोली उन की समझ मे नही आती-उनकी बोली हम नही समझ पाते। इसका मतलब यह थोडे ही है कि पशु-पक्षी मूक होते है। गूंगे होते तो कबूतर गुटरगूं..कैसे करता और घोड़ा कैसे हिनहिनाता। समझ उन में भी होती है। यह बात दीगर है कि इंसानों में सबसे ज्यादा समझ होती है। तभी तो उसने जल-थल-नभ और पाताल में झंडे गाड दिए।

समझ के बारे में अलग-अलग धाराएं फूटती दिखाई देती है। समझ ऊपर वाले की नियामत है। कही कम-कहीं अणूती। कही टोटे। भगवान समझ सब को देते है। दीन और दुनियावी शिक्षा उसको आगे बढाते है। संस्कार समझ को सींचते है। कई बार कई लोगों को समझाना पड़ता है। माता-पिता अपने बच्चों को कुछ ना कुछ समझाते रहते है। हमारी अभिभावकों से करबद्ध विनती है कि वो अपने बेटों में नारी शक्ति का सम्मान करने की सीख विकसित करें और बच्चा उस सीख को जीवन में उतार ले तो समाज को घटिया और शरमनाक वारदातों से छुटकारा मिलना तय। इसके अलावा समझ की अपनी समझ। बड़े छोटों को समझाते हैं। दोस्त-दोस्त को और साथण-साथण को समझाती है। हमदर्द-हमदर्द को समझाता है। गुरू शिष्य को समझाता है। अनुभवी नौ सीखिए को समझाता है। कई समझ जाते हैं। कई हंस के रह जाते हैं। हंसी में जोरदार कटाक्ष-बड़े आए, हम को समझाने वाले। इनमें चचा सियासत अली सबसे आगे। हमने भतेरा समझाया-रे, भाई हर बात पे सियासत मति करो। कुछ स्थानों को तो बख्शो। पर वो समझने वाले कहां।

आपको, आप की सियासतें गिनाकर फिर विनती करते हैं कि हर बात पे राजनीति ठीक नही है। मानते हैं-आप का कर्म राजनीति करना ही है। राजनीति करना आपका काम है। आप की नौकरी है। राजनीति से रोटिएं मिलती है मगर देश की सुरक्षा पर सियासत ठीक नहीं। सेना पर सियासत ठीक नही। सीमा-सरहदों पर राजनीति ठीक नही। गंभीर मसलों पर राजनीति ठीक नही। देश की इज्जत पर सियासत ठीक नहीं। घुसपैठ पर सियासत ठीक नहीं। तुष्टिकरण की राजनीति ठीक नहीं। कोटा में बच्चों की मौतों पर हो रही राजनीति ठीक नहीं। मां-बहनों के सम्मान पर राजनीति ठीक नहीं। हम यही तो समझा रहे हैं पर वो समझें तब ना।

जोधपुर में शीघ्र आयोजित होगा कॉकलियर इम्प्लांटेशन शिविरः मुख्यमंत्री

दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपकरण वितरण शिविर

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि राज्य सरकार दिव्यांग जनों और वरिष्ठ नागरिकों का विशेष ध्यान रखने के लिए कृत संकल्प है। सरकार द्वारा समय-समय पर दिव्यांगों के लिए आवश्यक अंग उपकरण वितरित किये जाते हैं। आने वाले दिनों में जन्म से बधिर बच्चों के लिए जोधपुर में शीघ्र ही कॉकलियर इम्प्लांटेशन कैम्प आयोजित किया जाएगा। गहलोत शनिवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जोधपुर जिला प्रशासन तथा विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपकरण वितरण वृहद शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कॉकलियर इम्प्लांटेशन शिविर में आने वाले सभी बच्चों के लिए यह इम्प्लांटेशन का खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। इस इम्प्लांटेशन की लागत प्रति बच्चे के लिए लगभग साढ़े छः लाख रूपये आती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे देश में राजस्थान ही एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां मरीज अस्पताल में भर्ती नहीं हो तो भी उनके लिए ओपीडी में लिखी गई दवाइयां निःशुल्क में उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चलाया जा रहा निरोगी राजस्थान अभियान तभी सार्थक होगा, जब आमजन उसमें सक्रिय रूप से जुड़े और अपनी दिनचर्या में व्यायाम खेलकूद आदि को सम्मिलित करे।

दिव्यांग को व्हील चैयर भेंट करते गहलोत। जलतेदीप

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री मास्टर भंवरलाल मेघवाल ने कहा कि आज दिव्यांगों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित वृहद शिविर में 2 हजार 412 विशेष योग्यजन एवं 6 हजार 737 वरिष्ठ नागरिकों को समाज में स्वावलम्बी एवं आत्म सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए सहायक उपकरण वितरित किए जा रहे है। शिविर में विधायकों द्वारा रूपये 130 लाख, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा 51 लाख, अल्ट्राटेक सीमेंट, आडनी ग्रुप व अन्य भामाशाहों द्वारा लगभग राशि 152 लाख इस प्रकार कुल 3 करोड 33 लाख की राशि के सहायक उपकरण वितरण किए जा रहे है। समारोह में मुख्यमंत्री ने दिव्यांगों व वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपकरण वितरण वृद्ध शिविर में सहायता राशि देने वाले भामाशाहों का शॉल ओढ़ाकर और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। भामाशाहों में 25 लाख रुपए की राशि प्रदान करने वाले अल्ट्राटेक सीमेन्ट लिमिटेड खारिया खंगार, 11-11 लाख रुपए की राशि देने वाले डाटा कन्ट्रक्शन, अडानी रिन्यूएबल एनजी, भंवरलाल सोनी श्रीराम कोलोाइड्स प्रालि, भंवरलाल भूतड़ा प्रिन्ट आर्टस, गोपीकिशन मालानी जी.के. पिनकोर्प लिमिटेड, 10-10 लाख रुपए की राशि देने वाले सद्भाव इंजिनियरिंग लिमिटेड, एस एल धूत राजस्थान गम प्राईवेट लिमिटेड, 6 लाख की राशि देने वाले सुखराम विश्नोई एस बी इन्टरप्राइजेज, 5 लाख 10 हजार रुपए की राशि देने वाले लार्सन एण्ड टूब्रो लिमिटेड, 5-5 लाख रुपए की राशि देने वाले एन के सी प्रोजेक्ट, मंगलसिंह, रतनसिंह, देवकी पेढी ट्रस्ट ओसियां, वी आर सी प्राईवेट लिमिटेड, 2 लाख 50 हजार रुपए अमराराम कुमावत समाजसेवी, विसन एसोसिएट, 2 लाख की राशि देने वाले श्रीपाल लोढा उमा पॉलिमर्स तथा कार्यक्रम के लाभार्थी और उनके सहयोगियों के लिए भोजन के लिए 1 लाख की राशि देने वाले भीखाराम अध्यक्ष जाट समाज सतरह खेड़ा बीसलपुर तथा ओ पी धायल, कॉन्ट्रेक्ट घायलों की ढाणी बीसलपुर का सम्मान किया गया। विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास राशि के तहत विधायक श्रीमती मनीषा पंवार एवं श्रीमती मीना कंवर ने 25-25 लाख रूपए, विधायक महेन्द्र विश्नोई, सुश्री दिव्या मदेरणा, हीरालाल मेघवाल तथा किशनाराम विश्नोई ने 20-20 लाख रुपए की राशि के साथ अन्य संस्थाओं के सहयोग से करीब 3 करोड़ 50 लाख रुपए की राशि प्रदान कर दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए अंग उपकरण वितरण में सहायता प्रदान की। कार्यक्रम में लोको मोटर दिव्यांगों के लिए 300 मोटराईज्ड ट्राइसाइकिल, 250 व्हील चेयर्स, 100 रोलकेयर, 300 ट्राईसाइकिल 250 नी ब्रेसकीट वितरित किए गए। श्रवण बाधितों के लिए एक हजार श्रवण यंत्र, लेप्रोसी से ग्रसित दिव्यांगों के लिए 500 एडीएल किट्स, एम आर दिव्यांगों के लिए 100 व्हील चेयर व 50 मल्टी सेन्सरींग इन्क्लूसिव एज्यूकेशन किट दृष्टि बाधितों के लिए स्मार्ट फोन के साथ वरिष्ठ नागरिकों के लिए 1500 चश्मे, 2650 छडिएं व 1200 ट्राइपोडस वितरित कर लाभान्वित किया गया।

समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री भंवरसिंह भाटी, विधायक मनीषा पंवार, हीराराम मेघवाल, किसनाराम विश्नोई, महेन्द्र विश्नोई, मीना कंवर, पूर्व सांसद बदीराम जाखड़, पूर्व चेयरमेन जेडीए राजेन्द्रसिंह सोलंकी, जसवंतसिंह कच्छवाहा सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियो, दिव्यांगजन एवं उनके परिवारजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

विगत – मुकेश मांडण

संचार माध्यम

हमारा 'रेडियो'! कभी इससे बेहतर सार्वजनिक संचार माध्यम नहीं था। पहुंच भी असीमित थीं – शहर, गांव-ढाणी, खेत इत्यादि। साक्षरता दर बढ़ने के साथ ही इसकी उपस्थिति भी खूब बढ़ीं, पर तकनीकी विकास ने इसे भी 'मौन' कर दिया।

डॉ. भाटी की स्मृति में काव्य गोष्ठी आज

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। राजस्थानी भाषा के मूर्धन्य साहित्यकार एवं राजस्थानी शोध संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. नारायणसिंह भाटी की स्मृति में गिरधर प्रकाशन की ओर से रविवार को शाम 4 बजे प्रतापनगर स्थित होटल इमेज पॉइन्ट में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया जायेगा, जिसमें शहर के रचनाकारों द्वारा काव्य प्रस्तुति दी जायेगी। गोष्ठी के मुख्य अतिथि संगीत विशेषज्ञ डॉ. डीबी क्षीरसागर होंगे, जबकि अध्यक्षता राजस्थानी साहित्यकार डॉ. आईदानसिंह भाटी करेंगे। बतौर विशिष्ट अतिथि कहानीकार डॉ. प्रेम प्रकाश व्यास भी उपस्थित रहेंगे।

कांग्रेस देश के टुकड़े करने का षड्यंत्र रच, सत्ता प्राप्त करना चाहती हैः पूनिया

गहलोत का बयान मानसिक दिवालिएपन का द्योतक

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नागरिकता संशोधन कानून को वापस नहीं लिया तो देश के टुकड़े- टुकड़े हो जाएंगे, बयान की निंदा करते हुए कहा कि यह बयान देश के टुकड़े-टुकड़े करने वाले आतंकवादी और अलगाववादियों का खुला समर्थन है। जेएनयू, एएमयू जैसे विश्वविद्यालयों में देश के टुकड़े टुकड़े करने वाला नारा लगाने वाली गैंग का नेतृत्व राहुल गांधी कर रहे थे और प्रदेश में अशोक गहलोत इसका समर्थन कर रहे हैं। पूनिया ने कहा 1947 में सत्ता प्राप्त करने के लिए कांग्रेस ने उस समय भी धर्म के आधार पर देश के टुकड़े करवाए थे और अब पुनः सत्ता प्राप्ति के लिए उसी रास्ते पर चल रही हैं। सर्किट हाउस में पत्रकारो से वार्ता कर रहे पूनिया ने गहलोत के बयान को संविधान, कानून, लोकतंत्र, देश और विस्थापितों की भावनाओं से खिलवाड़ करने जैसा बताया। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। देश के खिलाफ बोल रहे हैं। इससे यह साबित हो गया

है कि गांधी परिवार की चापलूसी करते-करते अशोक गहलोत अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। संवैधानिक पद पर बैठकर ऐसा बयान देना मानसिक दिवालियापन को दर्शाता है।

सिखों एवं भारतीयों की अस्मिता पर हमला- पूनिया ने पाकिस्तान के ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर हुए हमले की निंदा करते हुए इसे सिखों और समस्त भारतीयों की अस्मिता पर प्रहार बताया। पूनियां ने भारत सरकार से आग्रह किया कि इमरान खान की सरकार को तुरन्त इस हमले में शामिल उपद्रवियों पर आपराधिक कृत्य के लिए मुकदमा चलाने के लिए कहें। साथ ही वहां गुरुद्वारा के ग्रंथी की बेटी के जबरन धर्म परिवर्तन को रुकवा कर उन्हें पुनः ग्रंथी को सौंपा जाए। पूनिया ने इस हमले को नागरिकता संशोधन कानून से जोड़ते हुए कहा कि पाक में इस प्रकार के धार्मिक आधार पर अल्पसंख्यक हिंदू और सिखों पर लगातार हमले होते रहे हैं। इस कारण से केंद्र की मोदी सरकार नागरिकता अधिनियम को लेकर आई है और कांग्रेस इसका विरोध कर रही है, जो कि निंदनीय है।

प्रो. बरवड कम्प्यूटर सांइस विभाग के अध्यक्ष नियुक्त

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। जय नारायण व्यास विश्वविधालय के एमबी एम् इंजीनियरिंग कॉलेज के कंप्यूटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष के पद पर आज प्रो. एन सी बरवड़ ने पदभार ग्रहण किया। प्रो. बरवड़ के विभागाध्यक्ष बनने पर अभियांत्रिकी संकाय के शिक्षकों, अशैक्षणिक कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने माल्यार्पण कर बधाई दी। प्रो बरवड़ के पचास से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

रोग जांच एवं परामर्श शिविर आज

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। लॉयंस क्लब जोधपुर मरूधरा व अरिहंत हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को निःशुल्क रोग जांच व परामर्श शिविर का आयोजन चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित दशनाम भवन परिसर में सुबह 10 से 2 बजे तक किया जाएगा। क्लब के सचिव विजय अग्रवाल ने बताया कि शिविर में विभिन्न रोगों की जांच विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क की जाएगी।

बजाज पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। जमनालाल बजाज फाउंडेशन मुंबई ने 2020 के जमनालाल बजाज पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की है। फाउंडेशन की स्थापना सन 1977 में स्वर्गीय जमनालाल बजाज की स्मृति में की गयी थी, जो महात्मा गांधी के निकटवर्ती सहयोगी थे, फाउंडेशन की ओर से रचनात्मक सामाजिक कार्य के लिए ग्रामीण विकास हेतु विज्ञान व तकनीकी के व्यावहारिक उपयोग के लिए तथा महिला व बाल कल्याण के क्षेत्र में प्रशंसनीय योगदान देने वाले महिलाओं को प्रति वर्ष राष्ट्रीय पुरस्कार दिये जाते हैं। आखिरी तृतीय पुरस्कार की स्थापना श्रीमती जानकीदेवी बजाज धर्मपत्नी जमनालाल बजाज की स्मृति में की गयी थी। अंतिम तिथि 20 जनवरी निर्धारित की गई है। इसके साथ ही फाउंडेशन चौथा अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विदेशों में गांधीवादी मूल्यों का प्रसार कराने वाले विदेशी पासपोर्ट धारक विदेशी नागरिक को दिया जाता है। इसकी अंतिम तिथि 28 फरवरी तय की गई है। 2020 साल के चारों पुरस्कारों के लिए योग्य व्यक्तियों के नामांकन फाउंडेशन ने प्रविष्टियां की है। हर पुरस्कार दस लाख रूपयों का है, विजेताओं को ट्रॉफी और प्रशस्तिपत्र दिये जायेंगे। सिफारिशें केवल हिंदी या अंग्रेजी में भेजी जा सकती है, उसमें संबंधित व्यक्ति का नाम व पता जन्मतिथि शैक्षणिक योग्यता और कार्य का विवरण होना आवश्यक है। प्रविष्टियां जमनलाल बाजाज फाउंडेशन बजाज भवन दूसरा मजला 223 नरीमन पाइंट जमनालाल बजाज मार्ग मुंबई-400029 पत्ते पर भेजी जा सकती है। फाउंडेशन निदेशक मिनल बजाज ने यह जानकारी दी।

कल फिर बदलेगा मौसम, बारिश की संभावना

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। कई दिनों से सर्द हवा की मार झेल रहे जोधपुर सहित मारवाड़ के लोगों को आज सर्दी से थोड़ी राहत मिली है। कई जिलों में तापमान में बढ़ोतरी होने से और शीतलहर का असर कम होने से सर्दी से राहत मिली हैं। मौसम विभाग की माने तो दो दिन मौसम ऐसे ही बना रहेगा और सर्दी से लोगों को राहत मिलेगी। आज आसमान साफ रहा और दिनभर धूप निकली रही। वहीं रविवार को भी मौसम साफ रहेगा। इसके बाद सोमवार से फिर मौसम अपना असर दिखा सकता है लेकिन लंबे समय से पड़ रही कड़ाके की ठंड से दो दिन तक राहत मिलेगी।

जोधपुर में सुबह के समय थोडी ठंडक महसूस की गई लेकिन दिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ता गया वैसे वैसे तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिली। जोधपुर में सूरज निकलते ही धूप में तेजी देखी गई जिससे ठंड से राहत मिली। मौसम विभाग ने कहा है कि 8-9 जनवरी को मौसम पलटी मार सकता है। संभाग में जोधपुर सहित पाली, जालौर, जैसलमेर, बाड़मेर व सिरोही जिलों व प्रदेश में कई जगह आने वाले दिनों में बारिश की भी संभावना बनी हुई है जिससे फिर सर्दी अपना असर दिखाएगी।

स्वदेशी जागरण मंच कार्यकर्ता सम्मेलन आज

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। स्वदेशी जागरण मंच के जोधपुर महानगर के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन 5 जनवरी को जालोरी गेट स्थित महालक्ष्मी बालिका विद्यालय में सायं 5 बजे से आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में मंच के अखिल भारतीय विचार विभाग प्रमुख व राजस्थान, मध्यप्रदेश सहित उत्तर क्षेत्र के संगठक सतीश कुमार मुख्य वक्ता होंगे। क्षेत्रिय संयोजक धर्मेंद्र और प्रान्त संयोजक अनिल वर्मा भी उपस्थित रहेंगे। महानगर संयोजक जितेंद्र मेहरा ने बताया कि सम्मेलन में स्वदेशी के महत्व को मजबूत करने, चाइनीज माल को बेचने के लिए भारत को बनाए गए बाजार का विरोध करते हुए लोगों को जागरूक करने, बढ़ती बेरोजगारी के समाधान के रूप में युवाओं को जॉब सीकर के बजाय जॉब प्रोवाइडर बनाने व जागरुकता अभियान छेड़ने के लिए कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन किया जाएगा।

तबाह होती फसलों को बचाने के लिए किसानों ने संभाला मोर्चा

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। पाकिस्तान से भारत में घुसी टिड्डियों ने पूरे जोधपुर संभाग में हाहाकार मचा रखा है। टिड्डियों के समूह जैसलमेर, बाड़मेर, जालोर, सिरोही व पाली के खेतों में तबाही मचा रहे है। टिड्डी पर काबू पाने के प्रयास अब तक नाकाफी साबित हुए है। सीमित सरकारी संसाधनों को देखते हुए अब प्रत्येक क्षेत्र में किसानों ने स्वयं मोर्चा संभाल लिया है। वे सरकारी मशीनरी के साथ न केवल अपने संसाधन उपलब्ध करवा रहे है बल्कि कंधे से कंधा मिलाकर हाड कंपा देने वाली सर्दी में टिड्डियों के सफाए में जुटे है। वहीं पाकिस्तान के सिंध में भी हालात विकट है। जैसलमेर में टिड्डियों के लगातार हमले हो रहे है। करीब सौ किलोमीटर के दायरे में टिड्डियों के समूह फैल चुके है और करोड़ों की फसल को चट कर चुके है। पाकिस्तान से आए सबसे बड़े समूह ने दो दिन पहले रामगढ़ के नहरी क्षेत्र में जबरदस्त हमला बोला। करोड़ों की संख्या में पहुंची टिड्डियों का मुकाबला करने के लिए चार हजार किसान पांच सौ ट्रैक्टर लेकर सुल्ताना गांव पहुंचे। वहां विभागीय टीम के साथ किसान पूरे क्षेत्र में इनका सफाया करने को कीटनाशक का स्प्रे कर रहे है। टिड्डियों के समूह नजर आते ही किसान टायर जला कर धुआ कर रहे है ताकि टिड्डी उनके खेत में नहीं बैठे। साथ ही पूरे परिवार के साथ किसान स्प्रे लेकर तैयार रहते है। जबकि महिलाएं व बच्चे टिड्डी भगाने के लिए परम्परागत तरीकों से थाली व खाली खाली पीपे बजा रहे है। टिड्डी के सफाए में जुटे हजारों किसानों के लिए सुल्ताना क्षेत्र में सामुहिक भोज चल रहा है। इस भोज के लिए राजस्व मंत्री हरीश चौधरी ने दस लाख रुपए दिए है। वहीं कुछ क्षेत्रों में एक निजी कंपनी के सहयोग से ड्रोन के माध्यम से डिट्टियों पर स्प्रे किया जा रहा है।

बाड़मेर में टिड्डी का कहर- करोड़ों की संख्या में टिड्डियां किसानों के खेत चट कर रही है। प्रशासन के प्रयास नाकाफी साबित हो रहे है। वहीं दूसरी तरफ किसान अपने स्तर पर टिड्डियों को भगाने का प्रयास कर रहे है। सीमावर्ती गांव गडरारोड, सरगिला, पाबूसरी, खलीफे की बावड़ी से लेकर सिणधरी क्षेत्र के गांवों में टिड्डियों का कहर जारी है। सिणधरी क्षेत्र में 2 दिन से टिड्डी का कहर जारी है। लगातार एक गांव से दूसरे गांव में डेरा डाल रही है टिड्डी के आने से ग्रामीणों की चिंता बढ़ती जा रही है। ग्रामीण दिन भर टिड्डी उड़ाने में लगे हुए है। दाखा, गोलिया महेचा, हेमा की ढाणी में बड़े बड़े टिड्डी दलों के पड़ाव है। इन पर छिड़काव जारी है। यह दल लगभग 10 किलोमीटर लंबाई में और 4 किलोमीटर चौड़ाई में चल रहे है। इन क्षेत्रों के किसान भी सरकारी मशीनरी के साथ खुलकर सहयोग कर रहे है।

ननकाना साहिब गुरूद्वारे में तोडफोड की निंदा, सिख समाज आक्रोशित

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। शहर की संपूर्ण सिख, पंजाबी एवं सिंधी संगत की ओर से पाकिस्तान के ननकाना साहिब के गुरूद्वारे में हुई कायरतापूर्ण घटना की कड़े शब्दों में निंदा की। संगठन के पदाधिकारियों ने भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृति को रोकने के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान से दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। इस मौके जोधपुर सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चेयरमैन सरदार जगदेवसिंह खालसा, वाइस चेयरमैन सरदार हरजीतसिंह भूटानी, प्रधान दर्शन सिंह लोटे, मीत प्रधान मनजीतसिंह छाबड़ा, सचिव कुलदीप सिंह सलूजा, जोधपुर सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सचिव सरदार जितेंद्रसिंह बत्रा, प्रधान ईश्वर सिंह चावला, प्रधान प्रतिपाल सिंह सोबती, सचिव अर्जुनसिंह, प्रधान बलदेवसिंह, सचिव कृपालसिंह, प्रधान गुरचरण सिंह बग्गा, सचिव सुरेंद्रसिंह जुनेजा, पंजाबी समाज अध्यक्ष सुनील तलवार, सचिव जगदीश सचदेवा, सह सचिव संजीव सचदेवा, कोषाध्यक्ष वीरेंद्र त्रेहान, सिंधी गुरु संगत दरबार संरक्षक लक्ष्मण खेतानी, अध्यक्ष मुरली गंगवानी, सचिव राम तोलानी ने घटना पर विरोध जताया।

नवीन औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन योजना पर परिचर्चा आयोजित

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव के संगोष्ठी कक्ष में नवीन औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन योजना पर परिचर्चा आयोजित की गई। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि उद्योग विभाग के मुख्य सचिव डॉ. सुबोध अग्रवालने कहा कि मुख्यमंत्री ने विभाग को स्पष्ट निर्देश दिये है कि राज्य की नवीन औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन योजना सभी राज्यों से अलग राज्य में औद्योगिक विकास एवं निवेश संवर्द्धन की होनी चाहिए। ऐसे में राज्य में उद्यमशीलता को प्रोत्साहन एवं निवेश संवर्द्धन को प्रोत्साहन देने वाली नीति बनायी। उन्होंने उद्यमियों द्वारा प्रस्तुत समस्याएं सुनी एवं उनके निराकरण का आश्वासन दिया। अध्यक्षता कर रहे आयुक्त मुक्तानंद अग्रवाल ने कहा कि इस नीति को राज्य सरकार की औद्योगिक विकास की मंशा के अनुरूप लागू करने हेतु प्रयास किये जायेंगे। उत्सव संयोजक सुनील परिहार ने मारवाड़ की उद्यमशीलता की सराहना करते हुए यहां के औद्योगिक विकास एवं विस्तार के बारे में जानकारी दी। परिचर्चा में जोधपुर, पाली एवं बालोतरा से आये उद्यमियों ने उत्सव संयोजक सुनील परिहार का स्वागत किया। परिचर्चा में जिला उद्योग केन्द्र एवं उद्योग विभाग द्वारा पॉवर पॉईंट प्रजेंटेशन के माध्यम से उद्यमियों को राज्य की नवीन औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन योजना के बारे में जानकारी दी। संचालन उमेश लीला ने किया। आरंभ में एमआईए के अध्यक्ष ज्ञानीराम मालू ने स्वागत किया। अंत में सचिव मुकेश खत्री ने आभार प्रकट किया। इस मौके जीके गर्ग, कमल मेहता, एसके शर्मा, कमल सिंघवी, प्रदीप डाकलिया, उपेन्द्र भंसाली, योगेश माहेश्वरी, नीरज सुराणा, मुकेश अग्रवाल, पंकज राठी, नरेन्द्र शर्मा, निलेश संचेती, ओपी भंसाली, दिलीप सोनी, श्रीकांत शर्मा, पारसमल धारीवाल, मनीष खत्री, धन्नाराम गुणपाल, भारूराम सुथार, रमन सिंहल, रतन माहेश्वरी व अजय शर्मा सहित अनेक उद्यमी उपस्थित थे।

सौर ऊर्जा नीति पर परिचर्चा आज- उत्सव के संगोष्ठी कक्ष में 5 जनवरी को अपरान्ह 4 बजे उद्योग मंत्री बीडी कल्ला के मुख्य आतिथ्य में विद्युत एवं सौर ऊर्जा नीति पर परिचर्चा आयोजित की जायेगी। इस परिचर्चा के विशिष्ठ अतिथि जोधपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक अविनाश सिंघवी होंगे।

लोक अदालत आठ फरवरी को

जोधपुर, 4 जनवरी (कासं)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार आठ फरवरी को प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं।

इस राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन सभी प्रकृति के विवादों के निस्तारण होना है। उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन और लंबित प्रकरणों को समाहित करते हुए शमनीय दांडिक अपराध, अंतर्गत धारा 138, परक्राम्य विलेख अधिनियम, धन वसूली मामले, एमएसीटी मामले, पारिवारिक विवाद (तलाक को छोड़कर), श्रम-विवाद, भूमि अधिग्रहण मामले, बिजली व पानी के बिल (चोरी के अलावा) मजदूरी भत्ते और पेंशन भत्तों से संबंधित सेवा मामले, राजस्व मामले, अन्य सिविल मामले (किराया, सुखाधिकार, निषेधाज्ञा दावे एवं विनिर्दिष्ट पालना दावे) आदि का निस्तारण किया जाएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जोधपुर महानगर के अध्यक्ष एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश नरसिंहदास व्यास ने बताया कि मुख्य न्यायाधिपति एवं कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, रालसा के निर्देशानुसार आठ फरवरी को प्रस्तावित प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए जोधपुर महानगर न्यायक्षेत्र में पदस्थापित समस्त न्यायिक अधिकारियों की बैठक आयोजित कर उन्हें विस्तृत दिशा निर्देश प्रदान कर दिए गए हैं साथ ही अधिक से अधिक प्रकरणों को निस्तारण करने पर जोर दिया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जोधपुर महानगर के सचिव सिद्धेश्वर पुरी ने बताया कि आगामी दिनों में अधिवक्तागणों, प्रशासन, पुलिस, नगर निगम, बैंक, बीमा कंपनी, श्रम विवाद, राजस्व विभाग व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया जाएगा जिसमें राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों पर चर्चा की जाएगी तथा दिशा निर्देश दिए जाएंगे। बैठक में उपस्थित जोधपुर महानगर क्षेत्र के समस्त न्यायिक अधिकारियों ने लोक अदालत के सफल क्रियान्वयन हेतु अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

मैसर्स जलतेदीप की ओर से मुद्रक प्रकाशक पदम मेहता द्वारा मेहता ऑफसेट प्रिंटर्स, मानजी का हत्था, पावटा, जोधपुर से मुद्रित तथा जलतेदीप कार्यालय, मानजी का हत्था, पावटा, जोधपुर द्वारा प्रकाशित। प्रधान संपादक : पदम मेहता फोन : 2546896 फैक्स : 2544896